शर्मा हार्डওয়্যার
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 12 | अंक : 269 | गुवाहाटी | बुधवार, 6 मई, 2026 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

सरकार ने दो और सेमीकंडक्टर इकाइयों को मंजूरी दी — पेज 2
असम में ऐतिहासिक जनादेश, विकास और स्थिरता के पक्ष में जनता का... — पेज 3
पांच राज्यों में शांतिपूर्ण मतदान भारतीय लोकतंत्र की बड़ी जीत... — पेज 5
जोकोविच सहित शीर्ष खिलाड़ियों ने फ्रेंच ओपन से पहले इनामी... — पेज 7

उद्घाटन के होंगे अगले पांच साल : सीएम

गुवाहाटी (हि.स.)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने मंगलवार को कहा कि बीते पांच वर्ष राज्य में विकास की आधारशिला रखने के रहे, जबकि आने वाले पांच वर्ष विभिन्न परियोजनाओं के उद्घाटन और उनके प्रत्यक्ष परिणाम दिखने के होंगे। मंगलवार को मीडिया से बातचीत के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि असम की जनता ने विकास के पक्ष में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को अपना समर्थन दिया है। उन्होंने विश्वास जताया कि आगामी पांच वर्षों में राज्य के लोग व्यापक स्तर पर विकास कार्यों को साकार होते देखेंगे। युवा वर्ग की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए डॉ. शर्मा ने कहा कि जेन-जी का समर्थन भाजपा को मिला है और पार्टी के सभी जेन-जी उम्मीदवार चुनाव में विजयी रहे। उन्होंने विपक्ष पर कटाक्ष करते हुए कहा कि कुछ लोग यह दावा कर रहे थे कि केवल विपक्ष के उम्मीदवार ही जेन-जी का प्रतिनिधित्व करते हैं। एक राजनीतिक टिप्पणी में मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि आने वाले पांच वर्षों के भीतर कांग्रेस नेता देवब्रत सैकिया भाजपा में शामिल हो सकते हैं, जिससे राज्य की राजनीति में बदलाव के संकेत मिलते हैं। उधर पश्चिम बंगाल के हालिया चुनाव परिणाम को *देश की जीत* करार देते हुए डॉ. शर्मा ने कहा कि राज्य से जुड़ी सुरक्षा और आपराधिक गतिविधियों की चिंताओं ने देश के कई हिस्सों में असहजता पैदा की थी। गुवाहाटी में पत्रकारों से बातचीत करते हुए डॉ. शर्मा ने आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल में राष्ट्रविरोधी तत्वों और आपराधिक गिरोहों की -शेष पृष्ठ दो पर

प. बंगाल में नई सरकार का शपथ ग्रहण नौ को

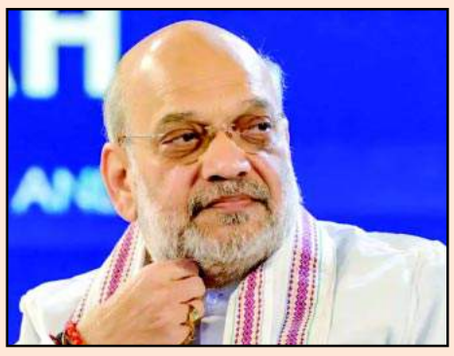

कोलकाता (हि.स.)। पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की ऐतिहासिक जीत के बाद नई सरकार के गठन की तैयारियां तेज हो गई हैं और शपथ ग्रहण समारोह की तारीख तय हो गई है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य ने जानकारी दी है कि राज्य के नए मुख्यमंत्री का शपथ ग्रहण आगामी नौ मई को किया जायेगा। हालांकि मुख्यमंत्री के नाम की आधिकारिक घोषणा अभी बाकी है। मंगलवार सुबह मीडिया से बातचीत में प्रदेश अध्यक्ष भट्टाचार्य ने बताया कि नौ मई का दिन विशेष महत्व रखता है, क्योंकि उस दिन कविगुरु रवींद्रनाथ टैगोर की जयंती भी है। उन्होंने आगे कहा कि पश्चिम बंगाल की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत बेहद समृद्ध रही है। राजाराम मोहन राय, सुभाष चंद्र बोस, स्वामी विवेकानंद और रवींद्रनाथ जैसी महान हस्तियों की यह भूमि है। राज्य की इसी गरिमा और पहचान को फिर से स्थापित करने की दिशा में नई सरकार काम करेगी। सूत्रों के अनुसार शपथ ग्रहण समारोह कोलकाता में आयोजित होगा, जिसमें पार्टी के वरिष्ठ नेता, कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में समर्थक मौजूद रहेंगे। वहीं, भारतीय जनता पार्टी के संसदीय बोर्ड ने पश्चिम बंगाल में पार्टी विधायक दल के नेता के चुनाव के लिए केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह को केंद्रीय पर्यवेक्षक नियुक्त किया है। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी को केंद्रीय सह-पर्यवेक्षक नियुक्त किया है। इस बार पश्चिम बंगाल में भाजपा को प्रचंड जीत मिली है। बंगाल में भाजपा ने 206 सीटों पर जीत दर्ज की है।

मैं इस्तीफा नहीं दूंगी, हम चुनाव नहीं हारे : ममता

कोलकाता (हि.स.)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने से इनकार किया है। उन्होंने कहा कि वह इस्तीफा नहीं देंगी। उनके इस्तीफा देने का सवाल ही नहीं उठता है। मंगलवार को कोलकाता के कालीघाट स्थित अपने आवास पर प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि मैं इस्तीफा क्यों दूं? हम हारे नहीं हैं। जबरन वोट लूटे गए हैं। ऐसे में इस्तीफा देने का सवाल ही नहीं उठता। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव प्रक्रिया में गंभीर अनियमितताएं हुई हैं। ममता ने कहा कि निर्वाचन आयोग ने पक्षपातपूर्ण भूमिका निभाई और 100 से अधिक सीटों पर चुनाव प्रभावित हुआ। ममता ने आरोप लगाया कि मतगणना के दौरान कई स्थानों पर हिंसा हुई और उनके एजेंटों को मतगणना केंद्र में प्रवेश -शेष पृष्ठ दो पर

भाजपा का ममता बनर्जी पर निशाना, कहा-

बंगाल में अराजकता फैलाने की कोशिश कर रही है टीएमसी

नई दिल्ली (हि.स.)। पश्चिम बंगाल में चुनाव के नतीजों पर ममता बनर्जी के बयान पर पलटवार करते हुए भारतीय जनता पार्टी ने उनपर राज्य में आरजकता फैलाने का आरोप लगाया है। मंगलवार को भाजपा नेता संबित पात्रा ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के *मैं इस्तीफा नहीं दूंगी, मैं हारी नहीं हूं* वाले बयान पर कहा कि जिस पार्टी की हार होती है वो इस्तीफा देते हैं और सत्ता का हस्तांतरण बहुत ही शांतिप्रिय तरीके से भारत में होता आया है। विगत 75 वर्ष में पूरे संसार में भारत अपनी इस लोकतांत्रिक संवैधानिक प्रक्रिया के लिए जानी जाती है। मगर ममता बनर्जी ने जो कहा है और किया है वो परंपरा के विपरीत है। भारतवर्ष की परंपरा पर एक आघात है। ये भारतीय जनता पार्टी -शेष पृष्ठ दो पर

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

जब तक भारत दुनिया का सामना नहीं करता, उसकी कोई इज्जत नहीं करेगा। इस संसार में डर के लिए कोई जगह नहीं है। ताकत सिर्फ ताकत का ही सम्मान करती है।

– **अब्दुल कलाम**

कांग्रेस नेता पवन खेड़ा पर डॉ. शर्मा ने साधा निशाना, कहा-

पुलिस उन्हें यहां बुलाएगी और मैं उन्हें पेड़ा खिलाऊंगा

गुवाहाटी। असम के विधानसभा चुनाव में जीत के बाद मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कांग्रेस नेता पवन खेड़ा पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि जब पुलिस पवन खेड़ा को उनके राज्य बुलाएगी तो वह उन्हें खूब *पेड़े* खिलाएंगे और उन्हें धन्यवाद देंगे। उन्होंने दावा कि खेड़ा की प्रेस कांफ्रेंस से उन्होंने चुनाव में जीत हासिल करने में मदद मिली। मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा, जब पुलिस पवन खेड़ा को यहां बुलाएगी, तो मैं उन्हें खूब *पेड़ा* खिलाऊंगा और इसके लिए धन्यवाद दूंगा। मुझे लगता है कि पवन खेड़ा ने प्रेस कांफ्रेंस करके बहुत अच्छा काम किया, क्योंकि इससे हमें हमारी जीत में काफी मदद मिली। प्रेस कांफ्रेंस की वजह से बहुत से वोट हमारी तरफ आ गए और यहां तक कि -शेष पृष्ठ दो पर

126 सीटें, सिर्फ सात महिला विधायक... असम विधानसभा में नहीं बढ़ी भागीदारी

गुवाहाटी। असम की 126 विधानसभा सीटों पर हुए चुनाव के नतीजे जारी हो चुके हैं। एक बार फिर राज्य में भाजपा ने जीत का परचम लहराया है। हालांकि इस बार भी महिला विधायकों की संख्या में को इजाफा नहीं हुआ है। इस बार भी सदन में सिर्फ सात महिला विधायक ही नजर आएंगी। 2021 के असम चुनावों में भी महिला विधायकों की संख्या 7 ही थी। असम की कुल 2.50 करोड़ की मतदाता आबादी में महिलाओं की हिस्सेदारी लगभग 50 प्रतिशत (49.98 प्रतिशत) है। बता दें कि असम में महिला उम्मीदवारों की संख्या लगातार कम हो रही है। 2016 में 91 महिलाओं ने चुनाव लड़ा था, जो 2021 में घटकर 74 और इस बार सिर्फ 59 रह गई। 2011 में सबसे ज्यादा 14 महिला विधायक असम विधानसभा पहुंची थीं। उसके बाद से ये संख्या लगातार गिर रही है। नई विधानसभा में सत्तारूढ़ एनडीए (एनडीए) का दबदबा रहेगा। एनडीए की 6 महिलाओं ने चुनाव जीत लिया है। जबकि एक महिला विधायक मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस से है। अकेले भाजपा ने अपनी महिला विधायकों की संख्या बढ़ाकर चार कर ली है। उसकी सहयोगी पार्टी असम गण परिषद (अगप) और बोडोलैंड पीपुल्स फ्रंट (बीपीएफ) से एक-एक महिला उम्मीदवार ने जीत -शेष पृष्ठ दो पर

पुडुचेरी का पांचवीं बार नेतृत्व करने के लिए रंगासामी तैयार

नई दिल्ली। पुडुचेरी के शांत और मृदुभाषी मुख्यमंत्री एन रंगासामी पांचवीं बार इस केंद्र शासित प्रदेश का नेतृत्व करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। उनकी ऑल इंडिया एनआर कांग्रेस (एआईएनआरसी) के नेतृत्व वाले राजग ने विधानसभा चुनावों में शानदार जीत दर्ज की है। यहां नौ अप्रैल को मतदान हुआ था और सोमवार को मतगणना हुई। एआईएनआरसी ने 16 सीट में से 12 पर जीत हासिल की, जबकि 10 सीटों पर चुनाव लड़ने वाली भाजपा ने चार पर जीत दर्ज की। राजग के अन्य घटक दलों अन्नाद्रमुक और एलजेके ने एक-एक सीट पर सफलता हासिल की। राजग के पास 30 सदस्यीय विधानसभा में 18 सीटें हैं, जो सरकार बनाने के लिए सामान्य बहुमत से दो अधिक हैं। -शेष पृष्ठ दो पर

नड्डा संग सैनी चुनेंगे असम विधायक दल का नेता

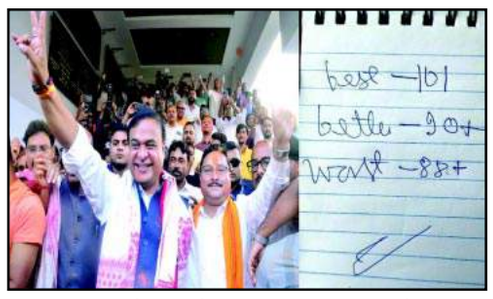

नई दिल्ली/गुवाहाटी। असम में भाजपा की जीत के बाद नई सरकार के गठन की कवायद तेज हो गई है। पार्टी को अब विधायक दल का नेता चुना जाना है। इसमें मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का अहम रोल होने जा रहा है। पार्टी ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को असम भाजपा का विधायक दल का नेता चुनने के लिए केंद्रीय सह पर्यवेक्षक नियुक्त किया है। पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह की ओर से जारी दिशा-निर्देश के मुताबिक केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा -शेष पृष्ठ दो पर

असम चुनाव परिणाम की सटीक भविष्यवाणी से सब हैरान, सीएम का महीनों पुराना वायरल नोट हुआ सच

गुवाहाटी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) ने असम विधानसभा चुनाव में शानदार प्रदर्शन करते हुए 126 में से 102 सीटें जीतकर दो-तिहाई बहुमत हासिल कर लिया है। इस जनादेश के साथ, एनडीए लगातार तीसरी बार राज्य में सरकार बनाने के लिए तैयार है। भाजपा ने असम में पहली बार अपने दम पर बहुमत प्राप्त किया है। जीत के जश्न के बीच, मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा की हस्तलिखित भविष्यवाणी सोशल मीडिया पर वायरल हो गई है। भाजपा ने 82 सीटों पर जीत हासिल की, वहीं उसके सहयोगी दलों ने भी शानदार प्रदर्शन किया। बोडोलैंड पीपुल्स फ्रंट (बीपीएफ) ने 11 सीटों पर चुनाव लड़ा और 10 सीटें जीतीं। असम गण परिषद (एजीपी) ने 26 सीटों पर चुनाव लड़ा और 10 सीटें अपने नाम कीं। नतीजों के बाद -शेष पृष्ठ दो पर

बंगाल में भाजपा की चेतावनी

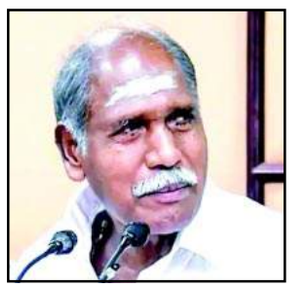

हिंसा बर्दाश्त नहीं, कार्यकर्ताओं पर भी होगी कार्रवाई

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में भाजपा की शानदार जीत के एक दिन बाद, प्रदेश अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य ने आज प्रशासन से चुनाव के बाद की हिंसा करने वालों के खिलाफ दृढ़ता से कार्रवाई करने का आग्रह किया। उन्होंने चेतावनी दी कि ऐसे कृत्यों में शामिल पाए जाने वाले भाजपा कार्यकर्ताओं को पार्टी से निष्कासित कर दिया जाएगा। भट्टाचार्य ने पार्टी की बैठक के बाद पत्रकारों से कहा कि हिंसा में शामिल लोगों पर सख्त कार्रवाई हो। उन्होंने कहा कि चुनाव के बाद -शेष पृष्ठ दो पर

असम के चुनाव नतीजों में भी *खेला* विपक्ष में बैठेंगे केवल मुस्लिम विधायक

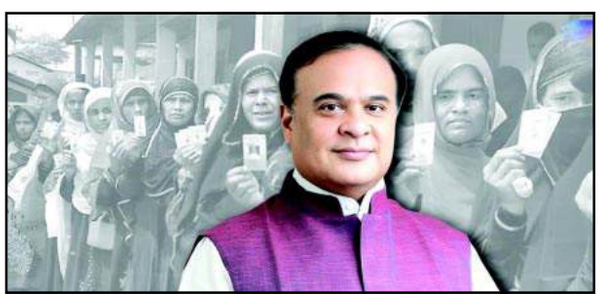

नई दिल्ली/गुवाहाटी। असम विधानसभा चुनाव के परिणाम आने के बाद जो आंकड़े सामने आए है। उसमें से एक बात साफ तौर पर नजर आती है कि, गैर एनडीए दलों के 24 निर्वाचित विधायकों में से 22 मुस्लिम समुदाय से हैं। इसमें से कांग्रेस ने 19 सीटें जीतीं है, जो कि मुस्लिम विधायकों का सबसे बड़ा गुट (18) है। वहीं, एआईयूडीएफ के पास दो सीटें हैं और रायजोर दल और तृणमूल कांग्रेस के पास एक-एक सीट है। असम विधानसभा में विपक्ष में अब सिर्फ दो हिंदू चेहरे हैं। इनमें से एक है रायजोर दल के प्रमुख अखिल गोगोई, जिन्होंने सिबसागर सीट बरकरार रखी और दूसरे कांग्रेस के जॉयप्रकाश दास; जिन्होंने नाओबोइचा सीट से जीत हासिल की। जहां मुस्लिम मतदाताओं की अच्छी खासी संख्या है। इसके अलावा कांग्रेस के सभी मौजूदा हिंदू विधायक अपनी सीटें हार गए। एक तरफ असम विधानसभा का यह चुनाव भाजपा के लिए बोनस साबित हुआ है। वहीं, कांग्रेस ने सिकुड़े हुए मुस्लिम बहुल क्षेत्र में -शेष पृष्ठ दो पर

तमिलनाडु में थलपति का राज!

अभिनेता विजय 7 को लेंगे मुख्यमंत्री पद की शपथ

चेन्नई। तमिलनाडु में एक बड़ा राजनीतिक बदलाव होने वाला है। तमिलगा वेट्री कजगम (टीवीके) के नेता विजय 7 मई को राज्य के नए मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ग्रहण करेंगे। सूत्रों ने बताया कि शपथ ग्रहण समारोह चेन्नई के जवाहरलाल नेहरू इंडोर स्टेडियम में होने की संभावना है। विजय का राजनीतिक पदार्पण बेहद शानदार रहा है, क्योंकि टीवीके तमिलनाडु विधानसभा चुनावों में सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी और 234 सदस्यीय विधानसभा में से 108 सीटें जीतीं। पार्टी का प्रदर्शन द्रविड़ मुन्नेत्र कजगम (डीएमके) और अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुन्नेत्र कजगम (एआईएडीएमके) के लंबे समय से चले आ रहे वर्चस्व के लिए एक बड़ा झटका है, क्योंकि टीवीके बहुमत के 118 सीटों के आंकड़े से मात्र 10 सीटें पीछे रह गई। सरकार बनाने के लिए, टीवीके द्वारा कांग्रेस, पीएमके, -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

सरकार ने दो और सेमीकंडक्टर इकाइयों को मंजूरी दी

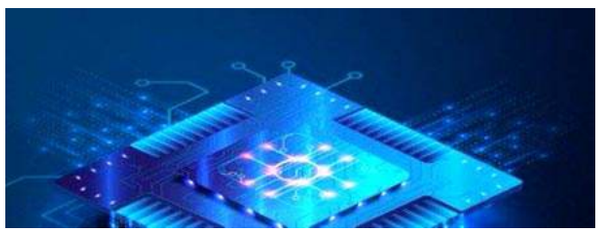

नई दिल्ली (हि.स.)। केंद्र सरकार ने 3,900 करोड़ रुपए से अधिक के कुल निवेश वाली दो और सेमीकंडक्टर विनिर्माण इकाइयों को मंजूरी दी है। इसमें देश की पहली वाणिज्यिक मिनी/माइक्रो-एलईडी डिस्प्ले सुविधा और एक सेमीकंडक्टर पैकेजिंग सुविधा भी शामिल है। डिस्प्ले सुविधा जीएएन (गैलियम नाइट्राइड) प्रौद्योगिकी पर आधारित होगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में मंगलवार को केंद्रीय मंत्रिमंडल ने इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन (आईएसएम) के तहत दो और सेमीकंडक्टर परियोजनाओं को मंजूरी दी। मंत्रिमंडल के फैसलों की जानकारी देते हुए केंद्रीय मंत्री अश्वनी वैष्णव ने बताया कि स्वीकृत किए गए दो प्रस्तावों के तहत गुजरात में लगभग 3,936 करोड़ रुपए के कुल निवेश से सेमीकंडक्टर विनिर्माण संयंत्र स्थापित किए जाएंगे और इनसे 2,230 कुशल पेशेवरों के लिए रोजगार सृजित होने की उम्मीद है। क्रिस्टल मैट्रिक्स लिमिटेड (सीएमएल) गुजरात के धोलेरा में मिनी/माइक्रो-एलईडी डिस्प्ले मॉड्यूल के निर्माण के लिए कंपाउंड सेमीकंडक्टर फैब्रिकेशन और एटीएमपी (संयोजन, परीक्षण, अंकन और पैकेजिंग) के लिए एक एकीकृत सुविधा स्थापित करेगी। इस एकीकृत सुविधा में जीएएन फाउंड्री सेवाएं भी उपलब्ध कराई जाएंगी, जिनमें 6 इंच के वेफर्स पर एपिटैक्सी शामिल है। मिनी/माइक्रो-एलईडी डिस्प्ले पैनल की प्रस्तावित वार्षिक उत्पादन क्षमता 72 हजार वर्ग मीटर है, और मिनी-माइक्रो-एलईडी जीएएन एपिटैक्सी वेफर्स की 24,000 सेट आरजीबी वेफर्स की उत्पादन क्षमता है। वहीं सुची सेमीकॉन प्राइवेट लिमिटेड (एसएसपीएल) गुजरात के सूरत में अनिरंतर सेमीकंडक्टरों के निर्माण के लिए एक आउटसोर्स्ड सेमीकंडक्टर असेंबली एंड टेस्ट (ओएसएटी) सुविधा स्थापित करेगी। सुची सेमीकॉन की प्रस्तावित उत्पादन क्षमता 1033.20 मिलियन चिप्स प्रति वर्ष है।

टीएमसी की हार का जश्न मना रहे कांग्रेसियों को राहुल गांधी की हिदायत

नई दिल्ली। राहुल गांधी ने मंगलवार को बंगाल में तृणमूल कांग्रेस की हार को लेकर खुश होने पर कांग्रेस पार्टी के सदस्यों को फटकार लगाई। इसके साथ ही उन्होंने असम और पश्चिम बंगाल में वोटों की चोरी का आरोप लगाया, जिसे उन्होंने लोकतंत्र को खत्म करने की दिशा में एक बड़ा कदम बताया। राहुल गांधी ने एक्स पर एक पोस्ट में लोगों से आग्रह किया कि वे, छोटी-मोटी राजनीति को किनारे रखें और देश के लिए भाजपा के खिलाफ मिलकर लड़ें। कांग्रेस नेता ने आगे कहा कि कांग्रेस सहित अन्य पार्टियों में कुछ लोग है जो टीएमसी की हार पर खुश हो रहे हैं। उन्हें यह बात साफ-साफ समझ लेनी चाहिए कि असम और बंगाल के जनादेश की चोरी, भारतीय लोकतंत्र को खत्म करने के अपने मिशन में भाजपा द्वारा उठाया गया एक बड़ा कदम है। इसके अलावा उन्होंने पश्चिम बंगाल की निवर्तमान मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से सहमति जताते हुए आरोप लगाया था कि, राज्य में भाजपा ने 100 से ज्यादा सीटें चुरा लीं।

संयम रखें, टीएमसी जैसा व्यवहार न अपनाएं : सुकांत

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में चुनाव परिणामों के बाद राजनीतिक माहौल लगातार तनावपूर्ण बना हुआ है। इस बीच टीएमसी कार्यालयों पर कथित हमलों की घटनाओं के बाद केंद्रीय मंत्री और भाजपा नेता सुकांत मजूमदार ने पार्टी कार्यकर्ताओं से संयम बरतने की अपील की है। सुकांत मजूमदार ने साफ कहा कि भाजपा को अपनी राजनीतिक पहचान बनाए रखनी चाहिए और किसी भी परिस्थिति में हिंसा का रास्ता नहीं अपनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि भाजपा को भाजपा ही रहना चाहिए, टीएमसी जैसा व्यवहार नहीं करना चाहिए। हम भगवान राम के अनुयायी हैं, रावण नहीं बनना चाहिए। हाल ही में पश्चिम बंगाल के आसनसोल और हावड़ा में तृणमूल कांग्रेस के दफ्तरों पर तोड़फोड़ की घटनाएं सामने आई हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, इन घटनाओं में फर्नीचर, पोस्टर और झंडे तक नुकसान पहुंचाया गया। इसके अलावा कूचबिहार में भी राजनीतिक टकराव की स्थिति देखने को मिली, जहां दोनों दलों के समर्थकों के बीच तनाव बढ़ा। पश्चिम बंगाल चुनाव परिणामों के बाद राज्य में सत्ता परिवर्तन के साथ ही राजनीतिक संघर्ष तेज हो गया है।

हार के बाद ईवीएम और चुनाव प्रक्रिया पर गौरव गोगोई ने उठाए तीखे सवाल

गुवाहाटी। असम में हालिया विधानसभा चुनावों में कांग्रेस के निराशाजनक प्रदर्शन के बाद राज्य कांग्रेस के अध्यक्ष गौरव गोगोई ने पार्टी की हार की नैतिक जिम्मेदारी ली है और चुनाव प्रक्रिया की निष्पक्षता पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने भाजपा सरकार के कामकाज पर भी चिंता व्यक्त की और भविष्य में पार्टी को मजबूत करने की रणनीति पर जोर दिया। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने बताया कि जल्द ही पार्टी के नवनिर्वाचित विधायकों के साथ बैठक होगी, जिसमें चुनावी प्रक्रिया की समीक्षा और संगठन को मजबूत करने पर चर्चा की जाएगी। गौरव गोगोई ने साफ कहा कि बतौर प्रदेश अध्यक्ष वह इस हार की पूरी नैतिक जिम्मेदारी लेते हैं। उन्होंने कहा कि पार्टी को उतनी सीटें नहीं मिलीं जितनी उन्होंने उम्मीद की थी, लेकिन उन्होंने जोर देकर कहा कि वे लोगों की आवाज उठाने और संविधान की रक्षा करने का अपना कर्तव्य जारी रखेंगे। उन्होंने कहा कि अगर सरकार गलती करती है, तो हम लोगों के हित में साहसपूर्वक अपनी आवाज उठाएंगे। उन्होंने कहा कि सीटों की संख्या कम होने के बावजूद उनका मनोबल कम नहीं हुआ है। उन्होंने असम की जनता का उनके समर्थन के लिए आभार व्यक्त किया। गोगोई ने यह भी बताया कि पार्टी को इस बात पर फीडबैक मिल रहा है कि उन्हें अपने संदेश को जनता तक पहुंचाने के लिए अपने संगठन के भीतर एक नए दृष्टिकोण की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और अन्य विपक्षी दल लंबे समय से चुनावी प्रक्रिया की पारदर्शिता पर सवाल उठा रहे हैं। उनके अनुसार, चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली को लेकर कई मुद्दों के जवाब अब तक नहीं मिले हैं। कांग्रेस ने ईवीएम और चुनाव प्रणाली की निष्पक्षता को लेकर सुप्रीम कोर्ट में याचिका भी दायर की है। उन्होंने आश्वासन दिया कि कांग्रेस हमेशा असम के आम लोगों के साथ खड़ी रहेगी। उन्होंने मल्लिकार्जुन खड़गे, सोनिया गांधी, राहुल गांधी और जितेंद्र सिंह जैसे कांग्रेस नेताओं का भी आभार व्यक्त किया।

राष्ट्रपति के साथ राघव चड्ढा ने की मुलाकात

नई दिल्ली (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी में शामिल हुए राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा, संदीप पाठक और अशोक मित्तल ने मंगलवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने पंजाब में आम आदमी पार्टी की सरकार पर राज्य की मशीनरी के कथित दुरुपयोग को लेकर चिंता जताई। राघव चड्ढा ने बताया कि इस पूरे मामले की शिकायत राष्ट्रपति से की गई है और उन्होंने कार्रवाई का भरोसा भी दिया है। राष्ट्रपति से मुलाकात के बाद मीडिया से बात करते हुए राघव चड्ढा ने आरोप लगाया कि पंजाब की सरकार आम आदमी पार्टी छोड़ कर अन्य दलों में शामिल हुए राज्यसभा सांसदों को निशाना बनाने के लिए सरकारी एजेंसियों का इस्तेमाल कर रही है।

बंगाल में सत्ता परिवर्तन : भाजपा की हाईकोर्ट से अपील, फिलहाल न दें प्रतिकूल आदेश

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में पंद्रह साल पुराने तृणमूल कांग्रेस के शासन का अंत हो चुका है। इस बीच भाजपा के कानूनी प्रकोष्ठ से जुड़े वकीलों ने कलकत्ता हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। वकीलों ने न्यायाधीशों से मौखिक अपील की है कि नई सरकार के कार्यभार संभालने तक राज्य सरकार के खिलाफ कोई भी प्रतिकूल आदेश पारित न किया जाए। मंगलवार को अधिवक्ता राजदीप मजूमदार, धीरज त्रिवेदी और सुस्मिता साहा दत्ता ने अलग-अलग अदालतों में यह मामला उठाया। उन्होंने जजों से अनुरोध किया कि चूंकि राज्य में नई सरकार के गठन की प्रक्रिया चल रही है, इसलिए प्रशासन को संभालने के लिए कुछ दिनों का समय दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि जब तक नई भाजपा सरकार कामकाज व्यवस्थित नहीं कर लेती, तब तक राज्य के खिलाफ किसी भी तरह के कड़े निर्देश जारी न किए जाएं। अधिवक्ता सुस्मिता साहा दत्ता ने मुख्य न्यायाधीश सुजय पॉल की अदालत में यह विषय रखा। उन्होंने बताया कि कोर्ट ने उनकी इस मौखिक प्रार्थना को गंभीरता से लिया है। मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि वह इस पर विचार करेंगे। कानून के जानकारों का मानना है कि सत्ता हस्तांतरण के दौरान प्रशासनिक शून्यता से बचने के लिए यह अपील की गई है। गौरतलब है कि हाल ही में संपन्न हुए विधानसभा चुनावों में भाजपा ने 294 सदस्यीय सदन में 207 सीटें जीतकर प्रचंड बहुमत हासिल किया है। इस जीत के साथ ही ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली टीएमसी का 15 साल का निर्बाध शासन समाप्त हो गया है।

असम लोकसेवा आयोग
ASSAM PUBLIC SERVICE COMMISSION
Jawaharnagar, Khanapara, Guwahati-781022.

No.107PSC/DR-48/4/2023-24

NOTIFICATION

It is for information to all concerned that the Assam Public Service Commission will hold interview/viva-voce for the posts of **Lecturer in IASE and CTE under the Directorate of SCERT, Assam** as per programme given below at its office at Jawaharnagar, Khanapara, Guwahati-22 as per Advt. No.18/2024 dated Guwahati, the 6th September, 2024.

Sl. No.	Name of the Post & Department	Date of Interview / Viva-Voce	Reporting Time
1	Lecturer, CTE, English	14-05-2026	09:00 A.M.
2	Lecturer, CTE, Science	15-05-2026	
3	Lecturer, CTE, Social Science	18-05-2026	
4	Lecturer, CTE, Assamese	19-05-2026	
5	Lecturer, CTE, Geography	19-05.2026	
6	Lecturer, CTE, Mathematics	20-05-2026	
7	Lecturer, CTE, History	20-05-2026	
8	Lecturer, IASE, Physical Science	25-05-2026	
9	Lecturer, IASE,Geography	25-05-2026	
10	Lecturer, CTE, Education	03-06-2026,04-06-2026 & 05-06-2026	

Kindly note that the candidates appearing for interview/viva-voce **must bring the following testimonials in original along with self attested photocopies in chronological order, thereof for verificationlscrutiny on the day of interview.**

i. H.S.L.C. Admit Card, Marksheet and Pass Certificate.
ii. H.S.S.L.C. Marksheet and Pass Certificate.
iii. Degree Marksheet and Pass Certificate.
iv. Masters Degree Marksheet and Pass Certificate.
v. B.Ed, M.Ed. Marksheet and Pass Certificate.
vi. CGPA Conversion Formula of the respective universities.
vii. Separate Bachelor and Master degree mark sheet/certificate in case of integrated courses
viii. NET/SLET/Ph.D Certificate.
ix. Experience Certificate(s).
x. Caste/PwBD certificate (if applicable).
xi. No Objection Certificate from their respective employer for State Govt. employee of Assam / Permanent Residential Certificate/Employment Exchange Registration Certificate
xii. Declaration Form A.
xiii. Any other documents relevant as per advt.

The Accepted and Rejected list of candidates is already uploaded in the Commission's official website. No intimation letter to the eligible candidates shall be sent separately by post. The intimation letters shall **be uploaded on 08-05-2026 in the APSC's website** (www.apsc.nic.in). The candidates shall have to download their own intimation letter from the aforesaid website.

Sd/-
Secretary,
Assam Public Service Commission
Jawaharnagar, Khanapara, Guwahati-22

-- DIPR /D/VBS-7/6-May-26

पृष्ठ एक का शेष

उद्घाटन के होंगे ...

गतिविधियां खुले तौर पर संचालित होती रही हैं। उन्होंने यह भी कहा कि राज्य की अंतर्राष्ट्रीय सीमाओं की संवेदनशीलता के कारण पूर्वोत्तर और पूर्वी भारत के कुछ क्षेत्रों में असुरक्षा की स्थिति बनी रहती है। मुख्यमंत्री ने यह भी दावा किया कि अन्य राज्यों में अपराध करने वाले कई लोग पश्चिम बंगाल को सुरक्षित ठिकाने के रूप में देखते हैं, जिससे आंतरिक सुरक्षा की चुनौतियां बढ़ती हैं। असम के विकास और शासन व्यवस्था का उल्लेख करते हुए डॉ. शर्मा ने कहा कि उनकी सरकार नई योजनाएं शुरू करने के बजाय पहले से चल रहे कार्यों को ही तेज गति से आगे बढ़ाएगी। उन्होंने कहा कि पिछले दस वर्षों में शुरू किए गए विकास कार्यों को अब और गति दी जाएगी। उन्होंने दोहराया कि सरकार का फोकस जारी परियोजनाओं और प्रशासनिक पहलों के त्वरित क्रियान्वयन पर रहेगा, ताकि राज्य में निरंतर विकास सुनिश्चित किया जा सके।

बंगाल में अराजकता ...

के ऊपर आघात नहीं है। ये आघात भारत के लोकतंत्र और संविधान पर है। उन्होंने वीडियो संदेश जारी कर कहा कि आज तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने अपना इस्तीफा लोकभवन में सौंपा, लेकिन ममता बनर्जी कह रही हैं कि वह इस्तीफा नहीं देंगी। ये कहानी अराजकता की है। जनता ही एक ऐसी ताकत है, जिनके बिना लोकतंत्र काम नहीं कर सकता है और कोई नेता यहां ऐसा नहीं है, जिसके बिना देश नहीं चल सकता या राज्य नहीं चल सकता। तो ममता बनर्जी जो गलतफहमी पाल रही हैं कि उनके बिना बंगाल नहीं चल सकता ये उनकी गलतफहमी है। संबित पात्रा ने कहा कि ममता बनर्जी कह रहीं थी कि वे विधानसभा नहीं जाएंगी, अब वह कैसे जाएंगी और जब उन्होंने कहा था कि वह आएंगी तो वह क्या सोच रही थीं ? वह भवानीपुर सीट से नहीं जीतीं और अब विधायक भी नहीं हैं।

मैं इस्तीफा नहीं दूंगी...

नहीं करने दिया गया। भाजपा समर्थकों ने मारपीट की। अगर सामान्य तरीके से हार होती तो उन्हें कोई शिकायत नहीं होती, लेकिन इस चुनाव में लोकतांत्रिक प्रक्रिया को नुकसान पहुंचाया गया है। ममता ने कहा कि वह अब सड़क पर उतरकर संघर्ष करेंगी और जनता के अधिकारों के लिए लड़ाई जारी रखेंगी। ममता ने दावा करते हुए कहा कि उन्हें कई नेताओं सोनिया गांधी, राहुल गांधी, अरविंद केजरीवाल, उद्धव ठाकरे, अखिलेश यादव और हेमंत सोरेन ने फोन कर समर्थन और एकजुटता का भरोसा दिया है। ममता बनर्जी ने कहा कि आने वाले समय में विपक्षी गठबंधन को और मजबूत किया जाएगा और लोकतंत्र की रक्षा के लिए संघर्ष जारी रहेगा। प्रेस कांफ्रेंस के दौरान अभिषेक बनर्जी सहित पार्टी के कई वरिष्ठ नेता मौजूद थे। भारतीय जनता पार्टी ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 में ऐतिहासिक प्रदर्शन करते हुए 207 सीटों पर जीत हासिल की है। वहीं ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस 80 सीटों पर सिमट गई।

पुलिस उन्हें यहां ...

(असम कांग्रेस अध्यक्ष) गौरव गोगोई भी अपनी सीट हार गए। उन्होंने आगे कहा, हमें कुछ नया करने की जरूरत नहीं है। पिछले 10 वर्षों में हमने असम में बहुत काम शुरू किए हैं। हम उन कामों को जारी रखेंगे और उन्हें और तेज गति से आगे बढ़ाएंगे। उन्होंने आगे कहा, मैं असम की जनता का धन्यवाद करता हूं। आपने प्रधानमंत्री पर जो भरोसा दिखाया है, उसके लिए हम आभारी हैं। असम में विकास की गंगा बहती रहे, इसके लिए केंद्र सरकार और राज्य सरकार मिलकर डबल इंजन सरकार की तरह काम करेंगी। हिंदुओं ने हमें जितना हो सका उतना समर्थन दिया और मुझे भरोसा था कि हिंदू समाज और असमिया मुस्लिम भी हमें वोट देंगे। शर्मा ने कहा, बंगाल की जीत पूरे देश की जीत है। बंगाल में जो देश-विरोधी गतिविधियां हो रही थीं, उनके कारण पूरे भारत और खासकर उत्तर भारत के लोग असुरक्षित महसूस कर रहे थे। वहां की सीमाएं खुली थीं और अपराध खुलेआम हो रहे थे। कोई भी अपराध करके बंगाल में भागकर सुरक्षित जगह पा सकता था।

126 सीटें, सिर्फ सात...

दर्ज की है। असम में एनडीए लगातार तीसरी बार सरकार बनाने जा रहा है। 126 सीटों में से एनडीए ने 102 सीटों पर रिकॉर्ड जीत हासिल की है। इसमें भाजपा ने 82, बीपीएफ ने 10 और एजीपी ने 10 सीटें जीती हैं। चुनाव जीतने वाली महिलाओं में राज्य की वित्त मंत्री अजंता नेओग शामिल हैं। उन्होंने गोलाघाट सीट से लगातार छठी बार जीत हासिल की है। महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष नीलिमा देवी (मंगलदै), निसो तेरांग्पी (डिफू) और रूपाली लांगथासा (हाफलांग) भी महिला विधायकों की लिस्ट में शामिल हैं। रूपाली ने भाजपा की ही पूर्व मंत्री नंदिता गारलोसा को हराया, जो टिकट न मिलने पर कांग्रेस में शामिल हो गई थीं। एजीपी की दीप्तिमयी चौधरी ने बोंगाईगांव सीट पर अपना दबदबा कायम रखा है। वहीं बीपीएफ की सेवली मोहिलरी ने कोकराझार से जीत दर्ज की। कांग्रेस उम्मीदवार बेबी बेगम पार्टी की इकलौती महिला विधायक हैं, उन्होंने धुबड़ी से पहली बार चुनाव जीता है। कांग्रेस की कई दिग्गज महिला नेता चुनाव हार गईं। इनमें मौजूदा विधायक नंदिता दास, पूर्व मंत्री प्रणति फुकन, पूर्व विधायक रोसेलिना तिर्की और महिला मोर्चा प्रमुख मीरा बोरठाकुर गोस्वामी शामिल हैं।

नड्डा संग सैनी चुनेंगे ...

को असम का केंद्रीय पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया है। ये नियुक्तियां असम में भाजपा विधायक दल के नेता के चयन की प्रक्रिया को संपन्न कराने के लिए की गई हैं। पार्टी ने स्पष्ट किया है कि इन पर्यवेक्षकों की देखरेख में असम में भाजपा विधायक दल का नेता चुना जाएगा। सैनी की यह भूमिका भाजपा के भीतर उनकी बढ़ती राजनीतिक अहमियत को दर्शाती है।

असम चुनाव परिणाम ...

हिमंत विश्व शर्मा द्वारा लिखा गया एक महीने पुराना नोट ऑनलाइन खूब वायरल हुआ। इसे साझा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने 9 अप्रैल को मतदान समाप्त होने के तुरंत बाद चुनाव परिणामों के बारे में अपने अनुमान लिख लिए थे। उन्होंने एक्स पर लिखा कि 9 अप्रैल को जब असम में मतदान समाप्त हुआ, तो मैंने हमेशा की तरह #असमचुनावपरिणामऽ2026 के संभावित नतीजों के बारे में अपने विचार एक कागज पर लिखे। एक महीने बाद, जनता के ऐतिहासिक आशीर्वाद से हमने एक सीट में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया है। मैं सचमुच अभिभूत हूं। साझा नोट में उनकी अपेक्षाएं सूचीबद्ध थीं, जिनमें 101 को सर्वोत्तम स्थिति, 90 से अधिक को बेहतर और 88 से अधिक को सबसे खराब स्थिति माना गया था। अंतिम परिणाम उनकी सबसे आशावादी भविष्यवाणी से काफी हद तक मेल खाता था, जिसके कारण उनके आकलन की सटीकता पर चर्चा शुरू हुई। यह उल्लेखनीय है कि राज्य में विपक्ष को चुनावी झटका लगा। कांग्रेस को केवल 19 सीटें मिलीं। बदरुद्दीन अजमल के नेतृत्व वाली एआईयूडीएफ और अखिल गोगोई के नेतृत्व वाली रायजोर दल को दो-दो सीटें मिलीं। तृणमूल कांग्रेस को सिर्फ एक सीट मिली। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गौरव गोगोई को भी हार का सामना करना पड़ा। वे जोरहाट सीट से भाजपा विधायक हितेंद्रनाथ गोस्वामी से 23,181 वोटों के अंतर से हार गए। तीन बार सांसद रह चुके गोगोई ने 2024 के लोकसभा चुनावों में भी जोरहाट सीट जीती थी, लेकिन इस बार वे अपनी सफलता दोहरा नहीं सके।

हिंसा बर्दाश्त नहीं...

की हिंसा किसी भी रूप में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। यदि हमारी पार्टी का कोई भी व्यक्ति इसमें शामिल पाया जाता है, तो हम उसे हटाने के लिए मजबूर होंगे। भाजपा नेता ने मुख्य सचिव दुष्यंत नारियाला से भी अपील की कि जहां भी हिंसा की घटनाएं सामने आएं, वहां तत्काल प्रशासनिक हस्तक्षेप सुनिश्चित किया जाए। पार्टी सूत्रों के अनुसार, आज भाजपा के बिधाननगर कार्यालय में एक उच्च-स्तरीय बैठक हुई। इसमें केंद्रीय पर्यवेक्षक और वरिष्ठ राज्य नेता शामिल थे, जिन्होंने परिणाम के बाद हिंसा को रोकने और कानून व्यवस्था बनाए रखने के उपायों पर चर्चा की। भट्टाचार्य ने पार्टी के शानदार जनादेश के लिए मतदाताओं का धन्यवाद किया। उन्होंने उन प्रवासी श्रमिकों के प्रति भी आभार व्यक्त किया जो चुनौतियों के बावजूद मतदान करने राज्य लौटे। भट्टाचार्य ने पार्टी कार्यकर्ताओं से संयम बनाए रखने और जीत के जश्न को बाधित न होने देने की अपील की। उन्होंने कहा, मैं अपने कार्यकर्ताओं से शांतिपूर्ण, खुश रहने और पार्टी द्वारा दी गई जिम्मेदारियों को पूरा करने का आग्रह करता हूं। उत्सव के नाम पर किसी को चोट न पहुंचाएं, और किसी की भावनाओं को ठेस न पहुंचाएं।

असम के चुनाव...

अपनी स्थिति मजबूत की है। हालांकि, इसका सीधा नुकसान इत्र कारोबारी बदरुद्दीन अजमल की एआईयूडीएफ पार्टी को भुगतना पड़ा। इस नए नंबर गेम को लेकर मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि कांग्रेस के एक विधायक को छोड़कर बाकी सभी इस्लाम धर्म का पालन करते हैं। मैं यह नहीं कह रहा हूं कि हिंदू या मुस्लिम जीते हैं। मैं केवल आंकड़े दे रहा हूं और यह आपका विश्लेषण है। चुनाव के परिणाम साफ कहते है कि, वहां की जनता ने विपक्ष में करीब-करीब मुसलमानों को हार का मुंह दिखा दिया है। इन आंकड़ों को लेकर मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा शुरू से ही कहते आ रहे थे कि, परिसीमन के बाद स्वदेशी समुदाय ही राज्य में सरकार बनाने का काम करेगी। ऐसा इसीलिए क्योंकि, विधानसभा के कुल 126 सीटों में से 100 से अधिक सीटों पर स्वदेशी समुदाय का बहुलता है। टाइम्स ऑफ इंडिया की एक रिपोर्ट के अनुसार, 2023 में निर्वाचन क्षेत्रों की सीमाओं के पुनर्निर्धारण के बाद असम के पहले विधानसभा चुनाव में परिसीमन एक अप्रत्याशित फैक्टर साबित हुआ। परिसीमन के कारण मुस्लिम बहुल सीटों की संख्या 35 से घटकर 22 हो गई, जिससे भाजपा के दो मुख्य प्रतिद्वंद्वी कांग्रेस और एआईयूडीएफ अब एक दूसरे के खिलाफ अस्तित्व की लड़ाई लड़ रहे हैं। हालांकि विधानसभा सीटों की संख्या 126 ही रही। उसमें कोई बदलाव नहीं आया। मगर, परिसीमन ने प्रतिनिधित्व के समीकरण को बदल दिया, जिससे मुस्लिम विधायकों की संख्या 25 से कम रही, जबकि स्वदेशी समुदाय 90 सीटों के मुकाबले 103 सीटों पर निर्णायक भूमिका निभाने लगे। राज्य की नई चुनावी भौगोलिक स्थिति ने चुनाव से पहले ही विपक्ष के संतुलन को बिगाड़ दिया था। कई मौजूदा एआईयूडीएफ विधायकों ने पाला बदलकर एनडीए की घटक पार्टी अगप का हाथ थाम लिया था। भाजपा के लिए यह एक रणनीतिक कदम था, जिससे उन सीटों पर एनडीए की संभावनाएं बढ़ गईं जहां मुस्लिम वोटर्स निर्णायक भूमिका निभाते हैं। हालांकि, सब कुछ योजना के मुताबिक नहीं हुआ, लेकिन एआईयूडीएफ को सिर्फ दो सीटें मिलना भाजपा की चाहत के मुताबिक ही था। असम में मुस्लिम विधायकों की सूची :-

कांग्रेस

एमडी अशरफुल इस्लाम शेख (पर्वतझोड़ा), अब्दुस सोबहान अली सरकार (गौरीपुर), बेबी बेगम (धुबड़ी), वाजेद अली चौधरी (बिरसिंग जारुआ), मोहिबुर रोहमन बप्पी (मनकचर), आफताब उद्दीन मोल्ला (जलेश्वर), अबुल कलाम रशीद आलम (गोलपाड़ा पूर्व), एम.डी. नुरुल इस्लाम (श्रीजंगराम), अब्दुर रहीम अहमद (चेंगा), जाकिर हुसैन सिकदर (पाकाबेटबारी), रेकीबुद्दीन अहमद (चमरिया), डॉ आसिफ मोहम्मद नजर (लहरीघाट), नुरुल हुदा (रुपाहीहाट), तंजील हुसैन (सामागुरी), अमीनुल हक लस्कर (सोनाई), जुबैर अनम मजूमदे (अल्गापुर-कतलीचेरा), जकारिया अहमद (करीमगंज उत्तर) और अमिनुर रशीद चौधरी (करीमगंज दक्षिण)।

ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (एआईयूडीएफ)

मजीबुर रहमान (दलगांव), मोहम्मद बदरुद्दीन अजमल (बिन्नाकांडी), रायजर दल (आरजेआरडी) और मेहबूब मुक्तार (धींग)।

अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी)- शर्मन अली अहमद (मंडिया)

असम की राजनीति लंबे समय से बांग्लादेश से अवैध अप्रवासन से प्रभावित रही है। एक जनआंदोलन के बाद 1985 का असम समझौते ने नागरिकता के लिए 25 मार्च, 1971 की तिथि निर्धारित की थी। लेकिन इसके बाद भी अवैध अप्रवासन जारी रहने के आरोप लगते रहे हैं। भाजपा लगातार यह तर्क देती रही है कि राज्य की राजनीतिक दिशा प्रवासी मुस्लिम आबादी के बजाय स्वदेशी समुदायों द्वारा निर्धारित की जानी चाहिए। असम में अल्पसंख्यकों के वोटिंग पैटर्न ऐतिहासिक रूप से सत्ताधारी पार्टी के पक्ष में रहे हैं, जब तक कि भाजपा ने 2016 में अपना पहला मंत्रिमंडल नहीं बनाया। परिसीमन के बाद यह स्थिति और भी बदल गई है। बाकी मुस्लिम बहुल सीटों के मतदाता भाजपा के शासन में अपने हितों की सुरक्षा को लेकर चिंताओं के बीच कांग्रेस का समर्थन कर रहे हैं।

अभिनेता विजय 7 को ...

वामपंथी दलों, सीपीआई (एम) और वीसीके सहित छोटे दलों से समर्थन मांगने की उम्मीद है, जिससे उसे बहुमत का आंकड़ा पार करने में मदद मिल सकती है। चुनाव परिणामों ने डीएमके के निवर्तमान मुख्यमंत्री एमके स्टालिन को भी बड़ा झटका दिया, जो कोलाथुर में टीवीके के वीएस बाबू से 8,795 वोटों के अंतर से हार गए। तमिलनाडु चुनावों में उनकी पार्टी के सबसे बड़े दल के रूप में उभरने के बाद, टीवीके प्रमुख विजय ने ट्वीट किया कि माननीय प्रधानमंत्री मोदी, आपकी शुभकामनाओं के लिए धन्यवाद। हमारी जनता का कल्याण ही हमारा एकमात्र लक्ष्य है। राजनीति से ऊपर उठकर, हम राज्य की प्रगति और तमिलनाडु की जनता के कल्याण पर ध्यान केंद्रित करेंगे। हम इस प्रयास में केंद्र सरकार के सहयोग की आशा करते हैं। मोदी ने एक्स पर लिखा था कि तमिलनाडु विधानसभा चुनावों में राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन का समर्थन करने वाले तमिलनाडु के मतदाताओं को हमारा हार्दिक धन्यवाद। हम जनता की समस्याओं का समाधान खोजने और उनके जीवन स्तर को बेहतर बनाने में हमेशा अग्रणी भूमिका निभाएंगे। तमिलनाडु विजय मोर्चा को उसके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए बधाई। केंद्र सरकार तमिलनाडु की प्रगति और जनता के कल्याण के लिए हर संभव सहायता प्रदान करेगी। डीएमके को मात्र 59 सीटें मिलीं, जो पार्टी के लिए एक महत्वपूर्ण गिरावट है। चुनाव परिणामों के बाद, तमिलनाडु के राज्यपाल राजेंद्र अर्लेकर ने मंगलवार को एमके स्टालिन और उनके मंत्रिपरिषद का इस्तीफा स्वीकार कर लिया। राज्यपाल ने स्टालिन से अनुरोध किया है कि वे नई सरकार के कार्यभार संभालने तक पद पर बने रहें। विजय का सत्ता में आना एक ऐतिहासिक क्षण है, क्योंकि जून 1977 के बाद तमिलनाडु में पहली बार डीएमके और एआईएडीएमके के प्रभुत्व से बाहर की सरकार बनेगी। उनकी जीत ने अभिनेताओं के राजनीति में आने के संघर्ष के बारे में लंबे समय से चली आ रही धारणाओं को तोड़ दिया है, जिससे विजय एनटी रामाराव, एमजी रामचंद्रन और जे जयललिता जैसे दिग्गज अभिनेता से नेता बने लोगों की श्रेणी में शामिल हो गए हैं।

पुडुचेरी का पांचवीं ...

जबकि अभिनेता विजय के नेतृत्व वाली टीवीके दो सीटों पर भी विजयी रही। विपक्षी द्रमुक ने पांच सीटें जीतीं और कांग्रेस को एक सीट मिली। इसके अलावा तीन मनोनीत सदस्य होंगे। 75 वर्षीय रंगासामी पहले कांग्रेस में थे और इस पार्टी से (2001, 2006 में) दो बार मुख्यमंत्री रहे। 2011 में उन्होंने कांग्रेस से अलग होकर अपनी पार्टी बनाई। 2011 में रंगासामी ने दिवंगत तमिलनाडु की मुख्यमंत्री और अन्नाद्रमुक प्रमुख जे जयललिता से हाथ मिलाया और तब उनके गठबंधन ने चुनाव जीते, लेकिन बाद में उनके बीच संबंध बिगड़ गए। 2016 में वह तीसरी बार मुख्यमंत्री बने थे। 2021 में उनकी पार्टी ने राजग के साथ विधानसभा चुनाव लड़ा और चौथी बार मुख्यमंत्री की कुर्सी संभाली। राज्य में दूसरी बार एआईएनआरसी नीत राजग ने विधानसभा चुनावों में जीत दर्ज की है और यहां वह लगातार दूसरी बार सरकार बनाने के लिए तैयार है। रंगासामी पांचवीं बार मुख्यमंत्री की कुर्सी संभाल सकते हैं। कांग्रेस को महज एक सीट पर मिली जीतपुडुचेरी में कांग्रेस अपने प्रदर्शन को लेकर सवालों में है, क्योंकि उसने इस केंद्र शासित प्रदेश में कई बार शासन किया है। इस राष्ट्रीय पार्टी ने 16 सीटों पर चुनाव लड़ा, लेकिन केवल एक सीट पर जीत दर्ज कर पाई। पीसीसी नेता और मौजूदा सांसद वैथिलिंगम समेत कांग्रेस उम्मीदवारों को हार का सामना करना पड़ा। वैथिलिंगम को उनके गढ़ थट्टनचावडी में रंगासामी ने हराया।

असम में ऐतिहासिक जनादेश, विकास और स्थिरता के पक्ष में जनता का फैसला : भाजपा

गुवाहाटी (हिंस)। असम विधानसभा चुनाव 2026 के परिणामों को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने ऐतिहासिक और निर्णायक जनादेश बताते हुए इसे विकास, स्थिरता और समावेशी प्रगति के पक्ष में जनता की स्पष्ट अभिव्यक्ति करार दिया है। पार्टी की प्रवक्ता स्मृति मीता नाथ बोरा ने आज एक बयान में कहा कि यह जीत केवल चुनावी सफलता नहीं, बल्कि राज्य की जनता के विश्वास, आकांक्षाओं और सामूहिक इच्छाशक्ति का प्रतीक है। उन्होंने शहरों से लेकर दूर-दराज के गांवों तक सभी मतदाताओं का आभार व्यक्त किया, जिन्होंने लोकतांत्रिक प्रक्रिया में उत्साहपूर्वक भाग लिया। बोरा ने कहा कि यह जनादेश बुनियादी ढांचे के विकास, युवाओं के सशक्तिकरण, महिलाओं के कल्याण और असम की समृद्ध सांस्कृतिक पहचान के संरक्षण के लिए किए गए सतत प्रयासों की

सफलता को दर्शाता है। उन्होंने यह भी कहा कि परिणाम विभाजनकारी और तुष्टिकरण की राजनीति को नकारते हुए एकता, प्रगति और समृद्धि आधारित शासन के पक्ष में समर्थन को दर्शाते हैं। उन्होंने युवाओं, महिलाओं और पहली बार मतदान करने वाले मतदाताओं की सक्रिय भागीदारी की सराहना की। साथ ही, जिलों, मंडलों, शक्ति केंद्रों और बूथ स्तर पर कार्यरत लाखों कार्यकर्ताओं और स्वयंसेवकों के योगदान को इस जीत का प्रमुख आधार बताया। आंकड़ों के अनुसार, 126 सदस्यीय विधानसभा में भाजपा और उसके सहयोगियों ने कुल 102 सीटें हासिल कीं, जो 2021 के 75 सीटों से काफी अधिक है। भाजपा ने अकेले 82 सीटें जीतीं, जबकि असम गण परिषद (अगप) और बोडोलैंड पीपुल्स फ्रंट (बीपीएफ) को 10-10 सीटें मिलीं। विपक्षी दलों में कांग्रेस-नेतृत्व वाले गठबंधन को 19 सीटें मिलीं, जबकि राइजर दल और एआईयूडीएफ को 2-2 सीटों से संतोष करना पड़ा। असम जातीय परिषद (एजेपी) खाता खोलने में विफल रही। भाजपा ने महिला उम्मीदवारों और युवा नेताओं के प्रदर्शन को भी उल्लेखनीय बताते हुए कहा कि यह नई पीढ़ी के नेतृत्व में जनता के बढ़ते विश्वास को दर्शाता है। प्रवक्ता ने कहा कि यह जनादेश भाजपा पर नई जिम्मेदारी भी डालता है और पार्टी राज्य के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि नई सरकार का गठन पार्टी के वरिष्ठ नेता जेपी नड्डा के मार्गदर्शन में किया जाएगा, जिसमें हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की भी भूमिका रहेगी।

पुलिस अधिकारी ने की आत्महत्या

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी के पानीखाइती इलाके में स्थित होमगार्ड ट्रेनिंग सेंटर में एक पुलिस अधिकारी द्वारा अपने सर्विस रिवॉल्वर से खुद को गोली मार कर आत्महत्या किए जाने का मामला सामने आया है। पानीखाइती पुलिस चौकी के अधिकारी ने मंगलवार को बताया कि पानीखाइती होमगार्ड ट्रेनिंग सेंटर में अपने सर्विस रिवॉल्वर से एक पुलिस अधिकारी ने खुद को गोली मार ली, जिसके चलते उसकी मौत हो गयी। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने ट्रेनिंग सेंटर के आवासीय कमरे के भीतर से उत्तर बरुवा नामक पुलिस अधिकारी का शव बरामद किया। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज एंड अस्पताल भेज दिया। पुलिस अधिकारी द्वारा पारिवारिक कलह के चलते आत्महत्या किए जाने की आशंका जताई जा रही है। इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

एआईयूडीएफ की हार के लिए अजमल ने कांग्रेस पर उतारी खीझ

मुस्लिम लीग से की कांग्रेस की तुलना

गुवाहाटी (हिंस)। ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (एआईयूडीएफ) के अध्यक्ष मौलाना बदरुद्दीन अजमल ने अपनी पार्टी की करारी हार से बेहद नाराज हैं। अपनी खीझ मिटाते हुए उन्होंने कहा कि असम से कांग्रेस पार्टी अपनी राजनीतिक जमीन खो चुकी है। उन्होंने कांग्रेस को अब मुस्लिम लीग जैसी पार्टी में तब्दील होने की बात कही। बीती रात जारी मतगणना के दौरान राजनीतिक घटनाक्रम पर मीडिया के साथ बातचीत करते हुए बदरुद्दीन अजमल ने कांग्रेस पर तीखा हमला बोला। राज्य में बदलते चुनावी माहौल के बीच एक कड़ा राजनीतिक बयान देते हुए अजमल ने कहा कि असम में कांग्रेस खत्म हो गई है। कांग्रेस मुस्लिम लीग बन गई है। इस बीच, बदरुद्दीन अजमल ने नवगठित बिन्नाकांदी निर्वाचन क्षेत्र से जीत हासिल कर राज्य की राजनीति में वापसी की। हालांकि, उनकी पार्टी ने असम विधानसभा चुनाव में अब तक का सबसे खराब प्रदर्शन किया और उसे केवल दो सीटें ही मिलीं हैं। अजमल ने असम जातीय परिषद के रेजाउल करीम चौधरी को 35,380 वोटों से हराया। अजमल को 1,19,721 वोट मिले, जबकि चौधरी को 84,341 वोट मिले। विपक्षी उम्मीदवार को एक संयुक्त गठबंधन का समर्थन प्राप्त था। सत्ताधारी गठबंधन ने असम गण परिषद के शहाबुद्दीन मजूमदार को मैदान में उतारा था, जो 20,955 वोटों के साथ तीसरे स्थान पर रहे। यह जीत 2024 के लोकसभा चुनावों में मिली हार के बाद राज्य की राजनीति में अजमल की वापसी का प्रतीक है। लोकसभा चुनाव में उन्हें धुबड़ी सीट पर कांग्रेस नेता रकीबुल हुसैन के हाथों करारी हार का सामना करना पड़ा था। उस हार से पहले, अजमल लगातार तीन कार्यकाल तक संसद में धुबड़ी का प्रतिनिधित्व करते रहे। उन्होंने 2006 में चुनावी राजनीति में कदम रखा। इससे एक साल पहले ही उन्होंने एआईयूडीएफ की स्थापना की थी। अपने पहले ही विधानसभा चुनाव में उन्होंने दक्षिण सलमारा सीट से जीत हासिल की थी। तब से यह पार्टी असम की राजनीति में अपनी उपस्थिति बनाए हुए है और इसे अक्सर राज्य में बंगाली भाषी मुसलमानों के प्रतिनिधि के तौर पर देखा जाता रहा है। होजाई जिले में स्थित बिन्नाकांदी, 2023 के परिसीमन के बाद बनाए गए नए निर्वाचन क्षेत्रों में से एक है। इस सीट पर अजमल की जीत ने उनकी पार्टी को इस नवगठित क्षेत्र में अपनी पैठ बनाने का अवसर प्रदान किया है।

अगप के नेता अतुल बोरा और केशब महंत ने मुख्यमंत्री शर्मा से की मुलाकात, दी बधाई

गुवाहाटी (हिंस)। असम गण परिषद (अगप) के अध्यक्ष अतुल बोरा और कार्यकारी अध्यक्ष केशव महंत ने मंगलवार को मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा से उनके आधिकारिक आवास पर शिष्टाचार मुलाकात की। इस दौरान दोनों नेताओं ने मुख्यमंत्री को हालिया विधानसभा चुनाव में मिली जीत पर शुभकामनाएं दीं। बैठक में राज्य से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर भी चर्चा की गई। मुलाकात के समय प्रदेश भाजपा अध्यक्ष दिलीप सैकिया भी मौजूद रहे। यह भेंट राज्य में सत्तारूढ़ गठबंधन के बीच बेहतर समन्वय और सहयोग का संकेत मानी जा रही है।

कार्बी आंग्लांग जिले के सभी पांच सीटों पर भाजपा ने की जीत हासिल

डिफू (विभास)। कार्बी आंग्लांग जिले में मुख्य विरोधी गठबंधन भाजपा के आंधी में उड़ गया। जिले के पांचों विधान सभा सीट पर विरोधी गठबंधन हार चुकी है। इन सीटों में बोकजान, हावड़ाघाट, डिफू, आमरी तथा रंगखांग शामिल हैं। विरोध गठबंधन में कांग्रेस और एपीएचएलसी कहीं नजर नहीं आई। 111 रंगखांग से कार्बी परिषद के मुख्य कार्यकारी सदस्य डॉ. तुलिराम रंगहांग 83,248 मत पाकर 60,243 मतों के व्यवधान से राज्य में दूसरे स्थान पर है। 112 आमरी सीट से डॉ. हावे टेरान 50,273 मत पाकर एपीएचएलसी के विक्रम हांसे को 23,910 मतों से पछाड़ा। ठीक इसी प्रकार 110 डिफू सीट से निसो तेरंगपी 90,866 मतों से 49,749 मतों के व्यवधान से एपीएचएलसी के सुप्रीमो जेआई कथार को बुरी तरह पछाड़ दिया। इसके अलावा 108 बोकजान सीट से सूर्य रंगफॉर 17,467 मतों से कांग्रेस के रतन इंग्ति को पछाड़ कर जीत हासिल की। 109 हावड़ाघाट सीट से भाजपा के लुनसिंग टेरन इंग्ति 1,06,229 मत पाकर 78,106 मतों में कांग्रेस के संजीव टेरन को पछाड़ परास्त कर विजयी हासिल की।

मणिपुर में सुरक्षा बलों की कार्रवाई हथियार बरामद, दो उग्रवादी गिरफ्तार

इंफाल (हिंस)। मणिपुर में सुरक्षा बलों ने बीते 24 घंटे के दौरान चलाए गए अलग-अलग अभियानों में बड़ी सफलता हासिल करते हुए हथियार बरामद किए हैं तथा दो सक्रिय उग्रवादियों को गिरफ्तार किया है। मंगलवार को दी गई आधिकारिक जानकारी के अनुसार, थौबल जिले के थौबल थाना अंतर्गत लीशांगथेम इकोप पट क्षेत्र में चलाए गए तलाशी अभियान के दौरान सुरक्षा बलों ने हथियारों का जखीरा बरामद किया। बरामद सामानों में एक एसएमजी कार्बाइन मैगजीन सहित, चार बोल्ट एक्शन राइफल, एक 9 एमएम पिस्तौल मैगजीन सहित तथा तीन जिंदा कारतूस शामिल हैं। एक अन्य कार्रवाई में सिंगजामेई थाना में दर्ज एक मामले की जांच के क्रम में सुरक्षा बलों ने केवाईकेएल के एक सक्रिय सदस्य को उसके आवास से गिरफ्तार किया। गिरफ्तार उग्रवादी की पहचान माईबाम रोमियो सिंह (52) उर्फ रोनाल्ड के रूप में हुई है, जो इंफाल पूर्व जिले के सिंगजामेई वांगमा क्षेत्री लेइकाई मोंगखांग लांबी का निवासी है। उसके पास से एक मोबाइल फोन और आधार कार्ड बरामद किया गया है। इससे पहले, काकचिंग जिले के वाइखोंग थाना अंतर्गत इंडो-बर्मा सुगनु रोड स्थित काकचिंग खुनौ लामखाई क्षेत्र से केसीपी (इबुंगो नगांगोम्बा गुट) के एक सक्रिय उग्रवादी को गिरफ्तार किया गया। उसकी पहचान लैशराम अनिल उर्फ चारा सिंह (34) के रूप में हुई है, जो इंफाल पश्चिम जिले के चांगांगेई मायाई लेइकाई का निवासी है। उसके पास से एक मोबाइल फोन तथा (एमएन01एएक्स-9290 पंजीकरण संख्या वाली) हुंडई आई20 कार जब्त की गई। सुरक्षा बल राज्य में उग्रवादी गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए लगातार अभियान चला रहे हैं।

पवन खेड़ा के प्रेस कांफ्रेंस से भाजपा को मिला फायदा, मुख्यमंत्री शर्मा का *पेड़ा* वाला तंज

गुवाहाटी (हिंस)। असम के कार्यवाहक मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने कांग्रेस नेता पवन खेड़ा पर तंज कसते हुए कहा कि चुनाव प्रचार के दौरान उनकी (खेड़ा) प्रेस कांफ्रेंस ने परोक्ष रूप से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को बड़ा लाभ पहुंचाया। मंगलवार को मीडिया से बातचीत में डॉ. शर्मा ने हल्के-फुल्के अंदाज में कहा कि यदि पुलिस खेड़ा को असम बुलाती है, तो वह उन्हें *बहुत सारा पेड़ा* खिलाकर धन्यवाद देंगे। उन्होंने कहा कि जब पुलिस पवन खेड़ा को यहां बुलाएगी, तो मैं उन्हें खूब पेड़ा खिलाऊंगा और उनका आभार व्यक्त करूंगा। डॉ. शर्मा के अनुसार, खेड़ा के संवाददाता सम्मेलन ने राजनीतिक तौर पर भाजपा के पक्ष में माहौल बनाया और इसके चलते बड़ी संख्या में वोट भाजपा की ओर शिफ्ट हुए। उन्होंने यह भी दावा किया कि इसका असर कांग्रेस पर पड़ा और गौरव गोगोई को अपनी सीट गंवानी पड़ी। उल्लेखनीय है कि 2026 के विधानसभा चुनाव में भाजपा के नेतृत्व वाला एनडीए लगातार तीसरी बार सत्ता में लौटा है। 126 सदस्यीय विधानसभा में भाजपा ने अकेले 82 सीटें जीतकर प्रचंड बहुमत हासिल किया। जोरहाट विधानसभा क्षेत्र में भाजपा उम्मीदवार हितेंद्र नाथ गोस्वामी ने गौरव गोगोई को 23 हजार से अधिक मतों के अंतर से हराया, जो कांग्रेस के लिए एक बड़ा झटका माना जा रहा है।

कांग्रेस उम्मीदवार के घर पर फेंका गया पेट्रोल बम

कार्बी आंग्लांग (हिंस)। कार्बी आंग्लांग जिलांतर्गत बोकाजान विधानसभा क्षेत्र के कांग्रेस उम्मीदवार के घर पर पेट्रोल बम फेंके जाने का मामला सामने आया है। हालांकि, किसी के हताहत होने की कोई जानकारी नहीं मिली है। पेट्रोल बमों में कुछ फटे हैं, कुछ सही-सलामत मिले हैं। पुलिस मामले की जांच कर रही है। बोकाजान के कांग्रेस उम्मीदवार रतन इंग्ती ने मंगलवार को बताया कि बीती रात उनके घर को निशाना बनाते हुए 6 पेट्रोल बम के अलावा जलती हुई कुछ मसाले फेंकी गई है। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस की टीम ने मंगलवार की सुबह घटनास्थल से पेट्रोल बम के अवशेष के अलावा अन्य सामग्री बरामद किया है। पुलिस इस संबंध में कांग्रेस उम्मीदवार द्वारा दर्ज कराई गई प्राथमिकी के आधार

पर मामले की जांच कर रही है। कांग्रेस उम्मीदवार ने इस घटना के पीछे भाजपा समर्थकों का हाथ बताया है। वहीं पुलिस का कहना है कि जांच की जा रही है। जल्द ही पूरी सच्चाई सामने आएगी। ज्ञात हो कि बोकाजान (एसटी) विधानसभा सीट से भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार सूर्या रोंगफर ने जीत हासिल की है। उन्होंने कांग्रेस के उम्मीदवार रतन इंग्ती को 69,851 वोटों के बड़े अंतर से हराया है।

प्रथम वाहिनी एसएसबी का *टीबी मुक्त भारत* पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

गुवाहाटी (हिंस)। राजधानी गुवाहाटी के सोनापुर स्थित प्रथम वाहिनी सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) ने टीबी को खत्म करने के उद्देश्य से राष्ट्रव्यापी पहल *टीबी मुक्त भारत* के तहत आज एक जागरूकता अभियान का सफलतापूर्वक आयोजन किया। अभियान का आयोजन कमांडेंट (मेडिकल) डॉ. रिंकू डे, संदीक्षा अध्यक्ष वैशाली कौशिक और सहायक कमांडेंट (मेडिकल) डॉ. टी निर्जता देवी के मार्गदर्शन में किया गया। यह अभियान वाहिनी के सभी कार्मिकों और संदीक्षा सदस्यों को टीबी के कारणों, लक्षणों, रोकथाम और उपचार के बारे में शिक्षित करने पर केंद्रित था। बीमारी का शीघ्र पता लगाने, उपचार का पालन करने और बीमारी से जुड़े कलंक को कम करने पर विशेष जोर दिया गया। अभियान

को चिह्नित करने और इसे आगे बढ़ाने के लिए गुवाहाटी के दिसपुर स्थित जीएनआरसी अस्पताल के कंसल्टेंट डिपार्टमेंट ऑफ मेडिसिन के एमडी (मेडिसिन) डॉ. इरशाद अली अहमद, को आमंत्रित किया गया था। उन्होंने टीबी की रोकथाम के लिए विभिन्न उपायों पर प्रकाश डाला। इस दौरान चिकित्सक द्वारा नि:शुल्क चिकित्सा जांच की गई। सभी प्रतिभागियों को जागरूकता फैलाने, समय पर चिकित्सा परामर्श सुनिश्चित करने और इलाज करा रहे लोगों की सहायता करके पहल का समर्थन करने के लिए प्रोत्साहित किया गया। टीबी मुक्त भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सामूहिक भागीदारी को महत्वपूर्ण है बताया गया।

होजाई में भाजपा प्रत्याशी शिलादित्य देव ने मारी बाजी

होजाई (निसं)। होजाई विधानसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी शिलादित्य देव ने गुरुवार हुए चुनावी नतीजों में कांग्रेस प्रत्याशी झिल्ली चौधुरी को 66,701 वोटों के बड़े अंतर से हराकर ऐतिहासिक जीत दर्ज की। रिजल्ट आने के बाद जश्न का माहौल पूरे होजाई शहर में देखने को मिला, जहां भाजपा कार्यकर्ताओं ने पटाखों की गड़गड़ाहट के बीच जिला मुख्यालय श्रीमंत शंकरदेव नगर से लेकर शहर के विभिन्न हिस्सों में विजय रैली निकाली। चुनाव की जीत के महज 24 घंटे के अंदर ही शिलादित्य देव ने *एक्शन मूड* का संकेत देते हुए टोंगिया क्षेत्र में अवैध कब्जे के खिलाफ एक बड़ी घोषणा की। उन्होंने कहा कि टोंगिया इलाके में अवैध रूप से मंदिर, सत्र और नामघर की जमीन पर कब्जा जमाए बैठे धार्मिक संख्यालघु समुदाय के खिलाफ उच्छेद अभियान चलाया जाएगा। शिलादित्य देव ने आगे कहा कि उच्छेद की चिंता से टोंगिया के कुछ संख्यालघु मतदाताओं ने उन्हें जीत दिलाने में भूमिका निभाई है, लेकिन यदि उन्हें उच्छेद से डर लगता है तो वे गलत धारणा में हैं। इसके साथ-साथ उन्होंने जनता जनार्दन का आभार जताते हुए कहा कि इसी अटूट भरोसे और विश्वास के कारण उन्होंने इतनी प्रचंड जीत हासिल हुई है। उन्होंने कहा कि जनता के भरोसे को ध्यान में रखकर वे आगे के दिनों में होजाई विधानसभा का सर्वांगीण विकास करने पर ध्यान देंगे, नए प्रोजेक्ट और विकासमूलक योजनाएं लाएंगे और विशेषकर राजागांव और एक नंबर काकी

लामडिंग व होजाई सीट पर भाजपा का कब्जा बिन्नाकांदी से एआईयूडीएफ ने लहराया परचम

होजाई (निसं)। जिले की तीनों विधानसभा समष्टि में से दो में भाजपा ने फिर से अपना परचम लहराया और एक एआईयूडीएफ के खाते में ही रही। 63 नं होजाई विधानसभा क्षेत्र से भाजपा के शिलादित्य देव ने 1,44,361 मतों से विजय हासिल की। उनके निकटतम प्रतिद्वंदी कांग्रेश की झिल्ली चौधरी को 77,660 मत हासिल हुए। 62 नं बिन्नाकांदी विधानसभा क्षेत्र में एआईयूडीएफ के सुप्रीमो मौलाना बदरुद्दी अजमल ने रिकॉर्ड तोड़ 1,17,549 मतों से विजय हासिल की। वहीं उनके निकटतम प्रतिद्वंदी एजेपी के रिजऊल करीम चौधरी को 82,793 मत मिले। 64 नं लामडिंग विधानसभा क्षेत्र से भाजपा के शिबू मिश्रा ने हैट्रिक लगाते हुए तीसरी बार जीत हासिल कर अपनी सीट को सुरक्षित रखा। उन्हें इस बार 1,15,330 मत हासिल हुए, वही उनके निकटतम प्रतिद्वंदी कांग्रेस के स्वपन कर को 94,736 मत हासिल हुए। होजाई व लामडिंग में भाजपा खेमे में काफी खुशी की लहर है वहीं बिन्नाकांदी में एआईयूडीएफ के समर्थकों में उत्साह का माहौल है।

जैसे नए अंचलों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। शिलादित्य देव ने साफ किया कि वे केवल वादा नहीं करेंगे, बल्कि जमीन पर काम करके होजाई को आगे बढ़ाने की कोशिश में लगातार जुटे रहेंगे। दूसरी तरफ होजाई के लोगों में काफी उत्साह है और उन्हें पूर्ण भरोसा है कि शिलादित्य देव के नेतृत्व में होजाई विधानसभा क्षेत्र असम में अपनी एक अलग पहचान बनाएगी।

एसएसबी की 31वीं बटालियन ने स्वास्थ्य शिविर लगाकर *टीबी मुक्त भारत* का दिया संदेश

कोकराझाड़ (विभास)। प्रधानमंत्री के *टीबी मुक्त भारत अभियान* को गति देते हुए गोसाईंगांव स्थित 31वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) के परिसर में एक विशाल स्वास्थ्य जांच एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। वाहिनी के कमांडेंट अमित सिंह के कुशल निर्देशन में आयोजित इस शिविर में जिला स्वास्थ्य समिति, कोकराझाड़ का विशेष तकनीकी सहयोग रहा। शिविर का मुख्य उद्देश्य बल के जवानों और उनके परिवारों को क्षय रोग (टीबी) के खतरों के प्रति सचेत करना था। जिला स्वास्थ्य समिति के विशेषज्ञों ने उपस्थित अधिकारियों, जवानों और *संदीक्षा* (एसएसबी वाइव्स वेलफेयर एसोसिएशन) की महिला सदस्यों को संबोधित करते हुए टीबी के लक्षणों, संक्रमण के कारणों और आधुनिक डॉट्स उपचार पद्धति की विस्तृत जानकारी दी। चिकित्सा दल द्वारा मौके पर ही कार्मिकों एवं उनके परिजनों का स्वास्थ्य परीक्षण भी किया गया। इस अवसर पर कमांडेंट श्री अमित सिंह ने कहा कि एक स्वस्थ बल ही राष्ट्र की सुरक्षा को मजबूती प्रदान कर सकता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि टीबी मुक्त भारत का राष्ट्रीय लक्ष्य तभी पूर्ण होगा जब समाज का प्रत्येक व्यक्ति और प्रत्येक वर्ग जागरूक होगा। नियमित जांच और समय पर उपचार ही इस बीमारी को जड़ से मिटाने का एकमात्र रास्ता है। उन्होंने इस सराहनीय पहल के लिए जिला स्वास्थ्य समिति, कोकराझाड़ के प्रति आभार व्यक्त किया। शिविर के समापन पर सभी प्रतिभागियों ने स्वस्थ जीवनशैली अपनाने और समाज में टीबी के प्रति फैली भ्रांतियों को दूर करने का संकल्प लिया। इस आयोजन ने न केवल सीमा प्रहरियों के स्वास्थ्य मनोबल को बढ़ाया है, बल्कि सामाजिक सरोकारों के प्रति सशस्त्र सीमा बल की अटूट प्रतिबद्धता को भी दर्शाया है। इस दौरान वाहिनी के अन्य वरिष्ठ अधिकारी और बड़ी संख्या में जवान मौजूद रहे।

केएसडीसी का भाजपा को खुला समर्थन, सीएम का जताया आभार

कोकराझाड़ (विभास)। कोकराझाड़ जिले के शक्तिआश्रम में मंगलवार को कमातापुर सुरक्षा विकास परिषद केएसडीसी द्वारा एक महत्वपूर्ण प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया। इस दौरान संगठन ने मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के नेतृत्व पर भरोसा जताते हुए उन्हें विशेष रूप से धन्यवाद दिया। प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए केएसडीसी के सह-सचिव प्रफुल्ल राय ने कहा कि असम और पश्चिम बंगाल के हालिया चुनावों में संगठन ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को अपना खुला समर्थन दिया था। उन्होंने दावा किया कि इस समर्थन के परिणामस्वरूप भाजपा को आशातीत सफलता मिली है। मुख्यमंत्री के सशक्त नेतृत्व की सराहना करते हुए राय ने इस जीत के लिए उन्हें बधाई दी। आभार व्यक्त करने के साथ-साथ संगठन

ने अपनी लंबित मांगों को लेकर सरकार का ध्यान आकर्षित किया। के एसडीसी ने मुख्य रूप से निम्नलिखित बिंदुओं पर जोर दिया। जिसमें उग्रवादी संगठन केएलओ (कमातापुर लिबरेशन ऑर्गेनाइजेशन) के साथ जल्द से जल्द शांति वार्ता संपन्न करना, कामतापुरी भाषा के संरक्षण, संवर्धन और इसे आधिकारिक मान्यता दिलाने के लिए ठोस कदम उठाना, पृथक *कमातापुर राज्य* के गठन की लंबे समय से चली आ रही मांग पर उचित कार्रवाई करना शामिल है। इस प्रेस वार्ता में संगठन के ट्रेड एंड कॉमर्स सचिव तारिणी चंद्र मंडल, सचिव अमल चंद्र राय, चिरांग जिला अध्यक्ष पिरेन राय, सचिव प्रवीण चंद्र राय, दीपक राय और धुबरी जिले के सह-संगठनात्मक सचिव इंद्रजीत राय सहित कई अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कामरूप जिले के छह विधानसभा क्षेत्रों के परिणाम घोषित

रंगिया (विभास)। कामरूप निर्वाचन जिले के अंतर्गत छह विधानसभा क्षेत्रों के परिणाम आज अमिनगांव में आयोजित मतगणना प्रक्रिया सफलतापूर्वक समाप्त होने के बाद औपचारिक रूप से घोषित कर दिए गए। मतगणना प्रक्रिया भारत निर्वाचन आयोग द्वारा नियुक्त पर्यवेक्षकों की निगरानी में उम्मीदवारों और उनके अधिकृत प्रतिनिधियों की उपस्थिति में पूर्ण रूप से पारदर्शी, अनुशासित और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न की गई। संपूर्ण प्रक्रिया में भारत निर्वाचन आयोग की सभी नीति-निर्देशनों का कठोरता से पालन किया गया। जिला निर्वाचन अधिकारी तथा जिला आयुक्त देव कुमार मिश्र ने कहा कि मतगणना प्रक्रिया को सुचारू रूप से संपन्न करने के लिए आवश्यक सभी व्यवस्थाएं की गई थीं और प्रत्येक चरण में पारदर्शिता सुनिश्चित की गई थी। उन्होंने सभी उम्मीदवारों, राजनीतिक दलों और पक्षकारों के सहयोग के लिए कृतज्ञता व्यक्त की। कामरूप जिले के विधानसभा क्षेत्रवार परिणाम इस प्रकार हैं- 27 नंबर चमरिया विधानसभा क्षेत्र के विजयी उम्मीदवार भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के नामांकित रकीबुद्दीन अहमद, प्राप्त मत- 1,49,720; 28 नंबर बोको-छयगांव विधानसभा क्षेत्र (अनुसूचित जनजाति) के विजयी उम्मीदवार भारतीय जनता पार्टी के नामांकित राजू मेच, प्राप्त मत- 1,07,113; 29 नंबर पलाशबाड़ी विधानसभा क्षेत्र के विजयी उम्मीदवार भारतीय जनता पार्टी के नामांकित हिमांशु शेखर वैश्य, प्राप्त मत- 1,09,301; 30 नंबर हाजो-शुवालकुचि (अनुसूचित जाति) विधानसभा क्षेत्र के विजयी उम्मीदवार असम गण परिषद के नामांकित प्रकाश चंद्र दास, प्राप्त मत- 81,699; 31 नंबर रंगिया विधानसभा क्षेत्र के विजयी उम्मीदवार भारतीय जनता पार्टी के नामांकित भवेश कलिता, प्राप्त मत 1,07,929; और 32 नंबर कमलपुर विधानसभा क्षेत्र के विजयी उम्मीदवार भारतीय जनता पार्टी के नामांकित दिगंतो कलिता, प्राप्त मत- 7,44,455 रहे।

संपादकीय

'परिवर्तन' के जनादेश

पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरलम, असम और पुडुचेरी के मतदाताओं ने जो जनादेश दर्ज कराया था, वह सार्वजनिक हो गया और कई मायनों में वह अप्रत्याशित, अभूतपूर्व और आश्चर्यजनक रहा। बंगाल में 1977 में कांग्रेस का दुर्ग ढहा था। वाममोर्चे की पहली सरकार बनी थी। 2011 में 34 साल लंबी सत्ता को, 'लाल किले' को, ममता बनर्जी ने ध्वस्त किया और एक नए राजनीतिक दौर की शुरुआत हुई। ममता की 15 साल पुरानी सत्ता इस बार ढह गई और भाजपा 'परिवर्तन की प्रतीक' बनकर उभरी है। मौजूदा कालखंड में यह जनादेश चौंकाता भी है। भाजपा ऐसे राज्य में सत्तारूढ़ हो रही है, जहां वह श्यामा प्रसाद मुखर्जी के 'जनसंघ' के दिनों से प्रयास कर रही थी, लेकिन बंगालियों ने उसे स्वीकार नहीं किया था। इस बार वह 'राजनीतिक शून्य' भी भर दिया गया। अंततः बंगाल और बंगालियों ने प्रधानमंत्री मोदी की गारंटियों, गृहमंत्री अमित शाह की चुनावी नीतियों तथा सूक्ष्म, माइक्रो स्तर पर काडर की रणनीति को जनादेश दे ही दिया। यह संपादकीय लिखने तक कई चरणों की मतगणना हो चुकी थी और बंगाल में भाजपा तृणमूल कांग्रेस से बहुत आगे चल रही थी। भाजपा को लगभग दो-तिहाई बहुमत मिलने के आसार थे। मतगणना के अंतिम आंकड़े स्पष्ट कर देंगे कि जनादेश कितना ऐतिहासिक और प्रचंड है। बंगाल के अलावा, असम में भी भाजपा की सत्ता बरकरार रही है, क्योंकि लगातार दूसरी बार उसे जनादेश हासिल हो रहा है। तमिलनाडु ने चौंकाया है। वहां सत्तारूढ़ रही द्रमुक के खिलाफ जनादेश दिया गया है और सुपरस्टार विजय की नवजात पार्टी टीवीके सबसे बड़ी पार्टी के तौर पर उभरी है। दूसरे स्थान पर अन्नाद्रमुक-भाजपा गठबंधन रहा। मुख्यमंत्री स्टालिन की द्रमुक तीसरे स्थान पर लुढ़क गई है। केरलम में वाममोर्चे की लगातार 10 साल की सत्ता के बाद इस बार जनता ने उसे भी बदल दिया है और कांग्रेस नेतृत्व के यूडीएफ को जनादेश दिया है। कांग्रेस के लिए यह अत्यंत सुखद राजनीतिक खबर है, क्योंकि एक और राज्य में उसकी सरकार बन रही है।

बंगाल में 1977 में कांग्रेस का दुर्ग ढहा था। वाममोर्चे की पहली सरकार बनी थी। 2011 में 34 साल लंबी सत्ता को, 'लाल किले' को, ममता बनर्जी ने ध्वस्त किया और एक नए राजनीतिक दौर की शुरुआत हुई। ममता की 15 साल पुरानी सत्ता इस बार ढह गई और भाजपा 'परिवर्तन की प्रतीक' बनकर उभरी है। मौजूदा कालखंड में यह जनादेश चौंकाता भी है। भाजपा ऐसे राज्य में सत्तारूढ़ हो रही है, जहां वह श्यामा प्रसाद मुखर्जी के 'जनसंघ' के दिनों से प्रयास कर रही थी, लेकिन बंगालियों ने उसे स्वीकार नहीं किया था। इस बार वह 'राजनीतिक शून्य' भी भर दिया गया। अंततः बंगाल और बंगालियों ने प्रधानमंत्री मोदी की गारंटियों, गृहमंत्री अमित शाह की चुनावी नीतियों तथा सूक्ष्म, माइक्रो स्तर पर काडर की रणनीति को जनादेश दे ही दिया। यह संपादकीय लिखने तक कई चरणों की मतगणना हो चुकी थी और बंगाल में भाजपा तृणमूल कांग्रेस से बहुत आगे चल रही थी। भाजपा को लगभग दो-तिहाई बहुमत मिलने के आसार थे।

इसका श्रेय ईसाई और मुस्लिम मतदाताओं को दिया जाना चाहिए। अलबत्ता बंगाल और तमिलनाडु में कांग्रेस के 'हाथ' लगभग खाली रहे हैं। पुडुचेरी संघशासित क्षेत्र है और वहां 30 सदस्यों की विधानसभा है। वहां का जनादेश भी भाजपा-एनडीए के पक्ष में रहा है। इस तरह इन चुनावों को 'परिवर्तन के जनादेश' माना जा सकता है। विपक्ष अब ध्रुवीकरण, हिंदू-मुसलमान, धन-बल, बाहुबल, एसआईआर आदि का रोना रो रहा है। ये उनकी स्वाभाविक कुंठाएं हैं। भाजपा पूरी शिद्दत, ताकत, संगठन के साथ चुनाव लड़ती है, इस पर सवाल नहीं किए जा सकते। बंगाल, तमिलनाडु, केरलम की सत्ताओं को वहां की जनता ने ही खारिज किया है। तमिलनाडु और केरलम में आज भी भाजपा बौनी-सी राजनीतिक ताकत है। बंगाल में भी 2021 से पहले भाजपा हाशिए पर थी, लेकिन इस बार उसे 45 फीसदी से अधिक वोट मिलते हैं और उसने 121 सीटें पहली बार जीती हैं। कोलकाता की लगभग सभी सीटें भाजपा के पक्ष में गई हैं। उसके अलावा, बर्धमान, मालदा, जलपाईगुड़ी, मेदिनीपुर, प्रेसीडेंसी, बांकुरा, झारग्राम, खड़गपुर सरीखे इलाकों में भी भाजपा ने परचम लहराया है। क्या यह महज ध्रुवीकरण का ही जनादेश है? बेशक मुस्लिम बहुल सीटों पर भी तृणमूल की सीटें घटी हैं, मुस्लिम वोट विभाजित हुए हैं, लेकिन हिंदुओं की लामबंदी का फायदा भाजपा को ही मिला है। यह भी चुनावी रणनीति का हिस्सा है। बंगाल के बड़े भाजपा नेता सुवेंदु अधिकारी ने बातचीत में स्वीकार किया है कि हिंदुओं और खासकर हिंदू महिलाओं ने भाजपा को बंपर वोट दिए, नतीजतन भाजपा की ऐतिहासिक जीत तय हुई। बहरहाल तमिलनाडु में फिल्म अभिनेताओं के प्रति घोर आकर्षण रहा है, लिहाजा एमजी रामचंद्रन और जयललिता ने बड़े चुनाव जीते और मुख्यमंत्री बने। इस बार भी यह आकर्षण बरकरार रहा है, क्योंकि सुपरस्टार विजय ने पहली बार चुनाव लड़ा है और उनकी पार्टी टीवीके सबसे बड़ी पार्टी के तौर पर उभरी है। उनके नेतृत्व में सरकार बनना लगभग तय है, क्योंकि अन्नाद्रमुक उसे समर्थन दे सकते हैं। एक बार फिर भ्रष्टाचार के मुद्दे पर इतना व्यापक जनादेश दिया गया है। भाजपा के पक्ष में अब भी 'चुनावी लहर' है, ये चुनाव साबित करते हैं, लेकिन घुसपैठ, सुरक्षा, कानून-व्यवस्था सरीखे मुद्दों पर कई चुनौतियां हैं।

पश्चिम बंगाल की सत्ता पर काबिज ममता बनर्जी की सरकार के खिलाफ सत्ता विरोधी माहौल था

क्या कहते हैं विधानसभा चुनावों के नतीजे

उमेश चतुर्वेदी

बीते अप्रैल में हुए पांच राज्यों के चुनाव नतीजों को देखने के कई नजरिए हो सकते हैं। लेकिन देश के पूर्वी छोर पर उत्तर से लेकर दक्षिण तक स्थित चार राज्यों के नतीजों को देखें तो उनमें एक बात समान नजर आती है। सभी राज्यों ने अपने यहां के उन आक्रामक नेतृत्व पर भरोसा जताया है, जिनसे विकास और नवाचार की उम्मीदें हैं। असम में हिमंत, पश्चिम बंगाल में बीजेपी और तमिलनाडु में विजयन की जीत लोकांक्षाओं के जमीनी हकीकत बनने का भरोसा है। इन राज्यों की जीत में दिखता है कि केंद्र से बिना वजह की लड़ाई का भी कोई मोल नहीं है। आज की जनता विकास चाहती है, महिलाएं सुरक्षा चाहती हैं और युवा अपने भविष्य और सपनों की गारंटी चाहते हैं। इस बार चुनाव तो पांच राज्यों में हुए, लेकिन सबसे ज्यादा में चर्चा पश्चिम बंगाल का चुनाव रहा। उन्तीस अप्रैल को आखिरी दौर के मतदान के बाद आए एक्जिट पोल के नतीजों को लेकर काफी सवाल भी उठे, खासकर पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी की हार की आशंका को लेकर एक्जिट पोल निशाने पर रहे। सिर्फ एक एक्जिट पोल एक्सिस माई इंडिया ने तमिलनाडु में अभिनेता से नेता बने विजयन की पार्टी टीवीके के जीत की संभावना जताई थी। जबकि किसी भी एक्जिट पोल को तमिलनाडु में टीवीके की जीत की उम्मीद नहीं थी। सवाल यह है कि आखिर ममता बनर्जी को क्यों हार मिली? इसमें दो राय नहीं कि 2011 से पश्चिम बंगाल की सत्ता पर काबिज ममता बनर्जी की सरकार के खिलाफ सत्ता विरोधी माहौल था। फिर भी बौद्धिकों के एक वर्ग को लगता नहीं था कि भारतीय जनता पार्टी पिछले विधानसभा चुनावों के वोट के अंतर को पाटकर जीत दर्ज कर लेगी। 2021 के विधानसभा चुनाव में बीजेपी को पश्चिम बंगाल में 38 प्रतिशत वोट और 77 सीटें मिली थीं। 2016 के विधानसभा चुनाव में तो बीजेपी को 10 प्रतिशत से कुछ ज्यादा वोट मिले थे, लेकिन उसे सिर्फ तीन सीटें ही मिली थीं। उसकी तुलना में देखें तो बीजेपी के लिए 2021 के चुनावी नतीजे बड़ी छलांग थे। इस ट्रेंड के हिसाब से इस बार बीजेपी की जीत सुनिश्चित लग रही थी, हालांकि 2024 के लोकसभा चुनावों में बीजेपी को अपने पिछले प्रदर्शन से छह सीटें कम पर संतोष करना पड़ा था। इसलिए बीजेपी की जीत को लेकर संशय भी था। लेकिन जिस तरह प्रधानमंत्री मोदी ने बंगाल में जीत हासिल करने के लिए चुनावी रणनीति बनाई, खुद कई रोड शो किए, झारग्राम जिले में सड़क पर उतर कर बंगाल की प्रसिद्ध झालमुढ़ी का स्वाद चखा, उसने भाजपा की संभावनाओं के द्वार खोल दिए। रही-सही कसर ममता बनर्जी की कुछ गलतियों ने कर दिए। बीते साल अगस्त में कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में रेजिडेंट डॉक्टर से दुष्कर्म और उसकी हत्या पर ममता ने जिस तरह की चलताऊ राजनीति की, उससे पश्चिम बंगाल गुस्से में था। इसका असर भी दिखा और महिलाओं ने उनकी लक्ष्मी भंडार योजना में मिल रही डेढ़ हजार

देश के पूर्वी छोर पर उत्तर से लेकर दक्षिण तक स्थित चार राज्यों के नतीजों को देखें तो उनमें एक बात समान नजर आती है। सभी राज्यों ने अपने यहां के उन आक्रामक नेतृत्व पर भरोसा जताया है, जिनसे विकास और नवाचार की उम्मीद है। असम में हिमंत, पश्चिम बंगाल में बीजेपी और तमिलनाडु में विजयन की जीत लोकांक्षाओं के जमीनी हकीकत बनने का भरोसा है। इन राज्यों की जीत में दिखता है कि केंद्र से बिना वजह की लड़ाई का भी कोई मोल नहीं है। आज की जनता विकास चाहती है, महिलाएं सुरक्षा चाहती हैं और युवा अपने भविष्य और सपनों की गारंटी चाहते हैं। इस बार चुनाव तो पांच राज्यों में हुए, लेकिन सबसे ज्यादा में चर्चा पश्चिम बंगाल का चुनाव रहा।

रूपए की रकम पर भरोसा नहीं किया और ममता को हार का सामना करना पड़ा। ममता ने भाजपा से लोगों को डराते हुए कहा कि अगर राज्य में उसकी सरकार आ गई तो वह माछ-भात खाने पर रोक लगा देगी। ममता की खासियत उनकी आक्रामक राजनीतिक शैली रही है। लेकिन इस बार उनकी वह आक्रामकता ठोस मुद्दों की बजाय हल्की बातों में ज्यादा नजर आई। इसलिए उनके खिलाफ भाजपा का भय बनाम भरोसा का नारा चल गया। भारतीय जनता पार्टी की जीत में उसके रणनीतिकार अमित शाह की बड़ी भूमिका रही। भारतीय जनता पार्टी ने पूरे चुनाव अभियान में घुसपैठ को मुद्दा बनाए रखा। ममता बनर्जी घुसपैठ को चलताऊ और हिंदू-मुस्लिम के बीच खाई बढ़ाने की राजनीति के मुद्दे के तौर पर लेती रहीं। भारतीय जनता पार्टी अब संतोष कर सकती है कि उसके पूर्ववर्ती भारतीय जनसंघ के संस्थापक श्यामा प्रस्दा मुखर्जी के घर में भी उसका शासन है। असम के लिए घुसपैठ का मुद्दा पुराना है। हिमंत विस्वसरमा ने इस मुद्दे को खूब हवा दी। उन्होंने बार-बार कहा कि वे सत्ता में लौटे तो किसी भी घुसपैठिए को असम में नहीं रहने देंगे। असम की जनसांख्यिकी को घुसपैठ ने बहुत प्रभावित किया है। इससे असम के लोग बहुत प्रभावित हैं। अतीत में कांग्रेस की सरकारों ने इसकी तरफ या तो आंख मूंदे रखा या फिर घुसपैठियों को अपने वोट बैंक के रूप में स्थापित करने की कोशिश की। इससे असम का बहुसंख्यक वर्ग नाराज हुआ। वैसे हिमंत भी पुराने कांग्रेसी हैं। उन्हें कांग्रेस की अंदरूनी कमजोरियां भी पता हैं। फिर अपने पांच साल के कार्यकाल में उन्होंने विकास को गति भी दी है। इसकी वजह से असम के लोगों ने उन पर एक बार फिर से भरोसा जताया है। तीसरे बड़े राज्य तमिलनाडु में पिछले यानी 2021 के विधानसभा चुनाव में डीएमके ने भले ही गठबंधन में चुनाव लड़ा था, लेकिन पच्चीस साल बाद वह अकेले दम पर 133 सीटों के साथ बहुमत की सरकार बनाने में कामयाब रही। लेकिन पूरे पांच साल के शासन काल में स्टालिन की सरकार की उपलब्धि खोजेंगे तो पाएंगे कि वह पूरे कार्यकाल में सनातन पर हमले करती रही। उसके निशाने पर नरेंद्र मोदी की सरकार रही। हिंदी को मुद्दे पर भी वह तमिलनाडु के लोगों की गोलबंदी करती रही। उसने नई शिक्षा नीति को तमिल अस्मिता के लिए खतरा बताया। प्रस्तावित लोकसभा सीटों के परिसीमन को भी मुद्दा बनाया। उसके बरक्स अभिनेता से नेता बने जोसेफ विजयन की पार्टी टीवीके ने लोगों के बीच पैठ बनाई। लोगों की भलाई के लिए काम किए। ठीक है कि विजयन का क्रेज युवाओं में ज्यादा है। लेकिन लोकभलाई के लिए किए गए कार्यों की वजह से वे तमिलनाडु के वरिष्ठ नागरिकों के भी चहेते बने। यही वजह है कि उनका दल राज्य में सबसे बड़ा दल बनकर उभरा है। सत्ताधारी डीएमके दूसरे स्थान पर पिछड़ गया है। 1977 से तमिलनाडु की राजनीति दो राजनीतिक दलों डीएमके और एआईडीएमके के इर्द-गिर्द सिमट कर रह गई विजयन ने इस परिपाटी को तोड़ दिया है। तमिलनाडु में अभिनेताओं का क्रेज नई बात नहीं है। इसके पहले तमिल फिल्मों के सुपर स्टार एमजी रामचंद्रन की नवेली पार्टी एआईडीएमके को 1977 में बड़ी जीत मिली थी। देखना होगा कि वे किसका साथ लेकर नई सरकार बनाते हैं। देश ही नहीं, दुनिया की सबसे पहली चुनी हुई वामपंथी सरकार देने वाले केरल राज्य में वामपंथी मोर्चा इस बार चुनाव हार गया है। दस साल बाद उसे करारी हार मिली है। इसके साथ ही राज्य में कांग्रेस की अगुआई वाले संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा यानी यूडीएफ की सरकार बनने का रास्ता साफ हो गया है। लगातार चुनाव हार रही कांग्रेस के लिए यह नतीजा राहत का सबब हो सकता है। लेकिन केरल में इस बार बीजेपी ज्यादा सीटें हासिल करने में भले ही कामयाब नहीं हुई हो, लेकिन वह अपनी वोट हिस्सेदारी बढ़ाने में सफल रही है। इस लिहाज से कह सकते हैं कि वह राज्य मे तीसरा कोण बनाने की कोशिश में है। बेशक राज्य में अब पांच साल बाद चुनाव होंगे, लेकिन इस बीच बीजेपी यहां की राजनीति में गहरी सेंध लगाने की कोशिश में जुटी रहेगी। केंद्र शासित प्रदेश पुदुचेरी को डीएमके ज्यादातर कांग्रेस को एक तरह से परोसता रहा है। लेकिन उसी कांग्रेस से विद्रोह करके निकली एनआईआरसी के साथ बीजेपी का गठबंधन सरकार बनाता नजर आ रहा है। पांच राज्यों के इन चुनावों ने जहां कांग्रेस और वामपंथ को सोचने का मौका दिया है कि आखिर उन्होंने गलती कहां की तो बीजेपी के लिए परीक्षा का सबब बनकर उभरा है। पश्चिम बंगाल में हिंसा का इतिहास रहा है। वहां के राजनीतिक कार्यकर्ता बदले दौर में बदले दौर की सत्ताओं के साथ चिपकते रहे हैं। बीजेपी की चुनौती होगी कि पहले वाममोर्चा के लठैत और फिर तृणमूल के साथी रहे आपराधिक तत्वों को वह कैसे काबू में करती है। ये चुनाव आने वाले दिनों में भाजपा के उत्साह को बढ़ाने का भी काम करेंगे। इन चुनावों ने तमिलनाडु में विजयन के सामने भी चुनौती रखी है, चुनौती यह कि युवाओं के सपनों को वे कैसे पूरा करते हैं? क्योंकि सबसे ज्यादा भरोसा उन पर युवाओं ने ही जताया है।

देश दुनीया से

क्षत्रिय जिसने दुनिया को जागृति का मार्ग दिखाया

सिद्धार्थ गौतम का जन्म लगभग 563 ईसा पूर्व लुम्बिनी (आज का नेपाल) में हुआ था। वे शाक्य कुल के क्षत्रिय थे। उनके पिता शुद्धोधन कपिलवस्तु के राजा थे। क्षत्रिय होने के नाते उनसे उम्मीद थी कि वे शासन करें, प्रजा की रक्षा करें और न्याय स्थापित करें। इसलिए बचपन से ही उन्हें एक महान राजा बनाने के लिए घुड़सवारी, धनुर्विद्या, शस्त्र चलाना और राजनीति की शिक्षा दी गई। कहा जाता है कि जन्म के समय ऋषि असित ने भविष्यवाणी की थी कि यह बालक या तो महान सम्राट बनेगा या एक महान संत (बुद्ध)। राजा शुद्धोधन ने अपने पुत्र को हर तरह के दुःख से दूर रखने के लिए महल में सभी सुख-सुविधाएँ दीं।राजनीति 29 वर्ष की आयु में जब सिद्धार्थ पहली बार नगर भ्रमण पर निकले, तो उन्होंने चार महत्वपूर्ण दृश्य देखे, एक वृद्ध व्यक्ति, एक रोगी, एक मृत शरीर और एक संन्यासी। इन दृश्यों ने उनके मन को गहराई से झकझोर दिया। एक योद्धा जो बाहरी शत्रुओं से लड़ना जानता था, अब जीवन के असली शत्रुओं, बुढ़ापा, बीमारी और मृत्यु से परिचित हुआ। शांत और संतुष्ट संन्यासी को देखकर उनके मन में सवाल उठा कि क्या इन दुखों से मुक्ति का कोई रास्ता है? उन्होंने सोचा, यदि वे अपनी प्रजा को मृत्यु और दुख से नहीं बचा सकते, तो राजा बनने का क्या अर्थ है? यही सवाल आगे चलकर उनके जीवन की दिशा बदलने वाला बना। उसी रात सिद्धार्थ ने चुपचाप महल छोड़ दिया। इस घटना को महाभिनिष्क्रमण कहा जाता है। एक क्षत्रिय के लिए मुकुट, तलवार और राज्य छोड़ना बहुत बड़ा त्याग था। लेकिन उन्होंने यह कदम हार मानकर नहीं, बल्कि जीवन के बड़े सत्य की खोज के लिए उठाया। इसके बाद उन्होंने छह वर्ष तक उरुवेला के जंगलों में कठोर तपस्या की। उन्होंने आलार कालाम और उद्दक रामपुत्त से ध्यान की शिक्षा ली। फिर उन्होंने अपने शरीर को इतना कष्ट दिया कि वे दिन में केवल एक चावल के दाने पर ही रहने लगे। उनका संकल्प बहुत मजबूत था, या तो सत्य मिलेगा या मृत्यु।

लेकिन अंत में उन्हें यह समझ आया कि शरीर को अत्यधिक कष्ट देना सही मार्ग नहीं है। इससे सत्य की प्राप्ति नहीं होती। यही समझ आगे चलकर उनके जीवन में एक नया रास्ता खोलती है। सुजाता नाम की एक कन्या से खीर ग्रहण करने के बाद सिद्धार्थ ने एक नया मार्ग चुना मध्यम मार्ग। यह भोग और कठोर तपस्या, दोनों के बीच का संतुलित रास्ता था। उनका समझना था कि किसी भी अति से शक्ति कमजोर होती है, जबकि संतुलन से ही जीवन का संघर्ष जीता जा सकता है। इसके बाद वे बोधगया में पीपल के वृक्ष के नीचे बैठ गए। उन्होंने संकल्प लिया कि जब तक उन्हें सत्य का ज्ञान (बोध) नहीं मिलेगा, वे उठेंगे नहीं। तभी मार ने उन्हें डर, प्रलोभन और भ्रम से विचलित करने की कोशिश की। लेकिन सिद्धार्थ अडिग रहे। उन्होंने पृथ्वी को साक्षी मानते हुए भूमिस्पर्श मुद्रा धारण की, जैसे कह रहे हों कि उनका संकल्प सच्चा है। अंततः वैशाख पूर्णिमा की भोर में उन्हें ज्ञान की प्राप्ति हुई, और वे बुद्ध कहलाए—अर्थात जाग्रत व्यक्ति। ज्ञान प्राप्ति के बाद बुद्ध ने लगभग 45 वर्षों तक पैदल चलकर अपने धर्म का प्रचार किया। उन्होंने सारनाथ में अपना पहला उपदेश दिया, जिसे धर्म चक्र प्रवर्तन कहा जाता है। इस उपदेश में उन्होंने जीवन के चार आर्य सत्य समझाए—इस संसार में दुःख है; दुःख का कारण तृष्णा (इच्छाएँ) हैं; दुःख का अंत संभव है; और इस अंत तक पहुँचने का मार्ग अष्टांगिक मार्ग है। इस मार्ग में सम्यक दृष्टि, सम्यक संकल्प, सम्यक वाणी, सम्यक कर्म, सम्यक आजीविका, सम्यक प्रयास, सम्यक स्मृति और सम्यक समाधि शामिल हैं। यही संतुलित, अनुशासित और व्यावहारिक जीवन-पथ बुद्धधर्म के रूप में जाना गया। भारत में जाति-व्यवस्था एक पुरानी सामाजिक संरचना रही है, लेकिन बुद्ध ने इसे स्पष्ट रूप से चुनौती दी। सिद्धार्थ, जो शाक्य कुल के क्षत्रिय राजकुमार थे, ज्ञान प्राप्ति के बाद उन्होंने कहा "मनुष्य जन्म से नहीं, कर्म से महान बनता है।" उन्होंने अपने संघ में पूर्ण समानता स्थापित की। उदाहरण के लिए, नाई उपालि को भिक्षुओं में महत्वपूर्ण स्थान दिया गया। संघ में प्रवेश करते ही व्यक्ति को अपना पुराना नाम, गोत्र और जाति त्यागनी होती थी—बुद्ध केवल इतना पूछते थे, "क्या तुम मनुष्य हो?"भारतीय संस्कृति उनका धम्म सभी के लिए था राजा हो या व्यापारी, वेश्या हो या चांडाल सबको समान स्थान और सम्मान मिला। उनके संघ में बिम्बिसार और प्रसेनजित जैसे राजा, अनाथपिण्डक जैसे सेठ, आम्रपाली जैसी गणिका, उपालि और सुनीत जैसे साधारण लोग सभी एक साथ थे। बुद्ध स्वयं क्षत्रिय थे, फिर भी उन्होंने जाति-अभिमान को सबसे बड़ा बंधन बताया। उन्होंने अपने पद और पहचान का उपयोग विशेषाधिकार बचाने में नहीं, बल्कि उसे समाप्त करने में किया। उनका संदेश स्पष्ट था सच्ची "आर्यता" जन्म या कुल से नहीं, बल्कि आचरण और कर्म से आती है। बुद्ध ने भिक्षु-भिक्षुणियों का संघ बनाया। यह लोकतांत्रिक व्यवस्था पर चलता था। निर्णय बहुमत से होते थे। स्वयं बुद्ध भी संघ के नियमों (विनय) के नियमों से ऊपर नहीं थे। यहाँ उन्होंने क्षत्रिय के संगठन और अनुशासन कौशल को आध्यात्मिक क्षेत्र में लगाया। 80 वर्ष की आयु में कुशीनगर में अंतिम भोजन के बाद गौतम बुद्ध अस्वस्थ हो गए।

आप का नजरीया

बच्चों के कंधों पर नशा

फिसलते समाज की निशानियों में धूल की कालिख और दलदल में परिवेश को बचाएं भी तो कैसे। यह जुर्म नहीं, गवाही है कि हमारा पतन अब सामने से प्रहार कर रहा है। एक तेरह साल के बच्चे के हाथों को चिट्टे से रंगने वाला उसी का संबंधी निकला। गगल के बनोई में यह महत्त्वपूर्ण नहीं कि 130.48 ग्राम चिट्टा पकड़ा गया, बल्कि यह है कि 13 साल के बच्चे के कंधों पर उसी के जीजा ने चिट्टे का बोझ लाद दिया। इसे एक नायाब तरीका कहें कि बच्चे की मासूमियत में नशा ढोया जा रहा था और इस प्रक्रिया के तहत पहले भी खेप अमृतसर से हिमाचल पहुंचती रही है। एक भयानक तंत्र हमारे करीब इस तरह के मंतव्य को अंजाम दे रहा है, तो स्कूल की पुस्तकों से चिट्टे के दाग कौन मिटाएगा। रिश्तों की आंच में ही अगर घर की बर्बादी लिखी है, तो हर बार डाल-डाल और पात-पात की कहानी के खलनायक बदलते रहेंगे। अब अगर यह घर-घर का धंधा बन जाए, तो कितनी पुलिस और कितनी चौकसी काम आएगी। जाहिर है नशे का पैकेट और कमाई का पॉकेट अब इतना गठजोड़ कर चुके हैं कि नित नए तरीकों में खोट देखना पड़ेगा। नशे के तंत्र में हर वर्ग में सुराख हो चुके हैं, तो कहीं लड़कियां, कहीं औरतें, कहीं सरकारी कर्मचारी, कहीं पुलिस कर्मी, तो कहीं एस आई टीम को ही इस्तेमाल किया जा रहा है। यह पावरफुल नेटवर्क की तरफ इशारा कर रहा है कि संदिग्ध चेहरे हमारे आसपास के तानेबाने को नोच रहे हैं। चिट्टा जिन दरवाजों को लांघ कर आ रहा है वहां प्रश्रय के कई रास्ते और संपर्क के कई हाथ जुटे हैं। हैरानी यह कि नशा वितरण ठीक उसी तरीके से होने लगा है, जैसे आतंकवादी वारदातों में पहले स्लीपर सेल्ज काम पर लगाए जाते हैं। यानी जीजा ने 13 साल के बच्चे के शरीर से नशे का बम बांध दिया। आगे चलकर वह बचे या न बचे। न जाने कौन सा रिश्ता किसे बर्बाद कर दे। इससे पहले कूरियर के माध्यम से भी नशा वितरित होता रहा है। अब तो बस किसी जांच में बस छूने भर की देरी है, खबर यह आती है कि चिट्टे के पहाड़ पर हर कोई चढने की फिराक में है। अकसर पर्यटकों की वेशभूषा में चिट्टे की दलाली सामने आ रही है, तो इनके बिक्री के अड्डों पर सफेदपोश हवन कर रहे हैं। यानी चिट्टा सप्लाई और पुलिस प्रबंधों के बीच अभी खाई चौड़ी है। बेशक इस मामले में पुलिस को जहां होना चाहिए था, वहां थी, लेकिन हर वक्त ऐसी चौकसी की दरकार है। नशे के खिलाफ टास्क फोर्स की जरूरत है, जो अंधे रास्तों की सजग प्रहरी बने। हिमाचल में कुछ पुलिस जिला बढ़े हैं, लेकिन सीमांत क्षेत्रों की निगरानी का प्रबंध अभी पूरा नहीं हुआ है। नशे की खेप का सीधा ताल्लुक परिवहन से है और इसलिए डे-नाइट पैट्रोलिंग की व्यवस्था करनी पड़ेगी। पुलिस जहां चाहिए, वहां होनी चाहिए। पर्यटक सीजन की बाहों में नशे के अलावा कई व्यसन और अपराध भी हिमाचल में आयात हो जाते हैं। मनोरंजन के नाम पर बिखरता माहौल किसी संकट की आहट की तरह है। प्रमुख पर्यटक स्थलों से हटकर यह छूट मिल रही है कि पर्यटक अब अपनी मनमानियों के निर्लज्ज व्यवहार से चुनौती बन रहे हैं। ऐसे वाहनों की चैकिंग के अलावा पर्यटन की चैकपोस्ट कम से कम सीजन के दौरान जरूर स्थापित हों। धार्मिक स्थलों के अलावा प्रमुख पर्यटक स्थलों पर पुलिस के सख्त पहरे शुरू होने चाहिएं, जबकि प्रदेश के प्रमुख प्रवेश द्वारों पर ही वाहनों की चैकिंग से यह सुनिश्चित करना होगा कि कोई आपत्तिजनक वस्तु या संदिग्ध व्यक्ति प्रवेश न कर पाए। नागरिक समाज की भी यह जिम्मेदारी बनती है कि अपने इर्द-गिर्द चिट्टे या नशे के आदी हो रहे बच्चों की जानकारियां संबंधित अधिकारियों तक पहुंचाए।

नशे के तंत्र में हर वर्ग में सुराख हो चुके हैं, तो कहीं लड़कियां, कहीं औरतें, कहीं सरकारी कर्मचारी, कहीं पुलिस कर्मी, तो कहीं एस आई टीम को ही इस्तेमाल किया जा रहा है। यह पावरफुल नेटवर्क की तरफ इशारा कर रहा है कि संदिग्ध चेहरे हमारे आसपास के तानेबाने को नोच रहे हैं। चिट्टा जिन दरवाजों को लांघ कर आ रहा है वहां प्रश्रय के कई रास्ते और संपर्क के कई हाथ जुटे हैं। हैरानी यह कि नशा वितरण ठीक उसी तरीके से होने लगा है, जैसे आतंकवादी वारदातों में पहले स्लीपर सेल्ज काम पर लगाए जाते हैं। यानी जीजा ने 13 साल के बच्चे के शरीर से नशे का बम बांध दिया। आगे चलकर वह बचे या न बचे। न जाने कौन सा रिश्ता किसे बर्बाद कर दे। इससे पहले कूरियर के माध्यम से भी नशा वितरित होता रहा है। अब तो बस किसी जांच में बस छूने भर की देरी है, खबर यह आती है कि चिट्टे के पहाड़ पर हर कोई चढने की फिराक में है। अकसर पर्यटकों की वेशभूषा में चिट्टे की दलाली सामने आ रही है, तो इनके बिक्री के अड्डों पर सफेदपोश हवन कर रहे हैं। यानी चिट्टा सप्लाई और पुलिस प्रबंधों के बीच अभी खाई चौड़ी है। बेशक इस मामले में पुलिस को जहां होना चाहिए था, वहां थी, लेकिन हर वक्त ऐसी चौकसी की दरकार है। नशे के खिलाफ टास्क फोर्स की जरूरत है, जो अंधे रास्तों की सजग प्रहरी बने। हिमाचल में कुछ पुलिस जिला बढ़े हैं, लेकिन सीमांत क्षेत्रों की निगरानी का प्रबंध अभी पूरा नहीं हुआ है।

कुछ अलग

अदृश्य चेहरे

मुझे जानकारी नहीं कि अर्थशास्त्री एडम स्मिथ द्वारा दिए गए 'अदृश्य हाथ या इनविज़िबल हैंड्स' के सिद्धांत के पहले या बाद किसी अनुसंधानी ने 'अदृश्य चेहरे या इनविज़िबल फेस' की थ्योरी गढ़ी है या नहीं। हां, जॉर्जिया तकनीकी संस्थान ने एक ऐसा मॉडल विकसित किया है जो लोगों की व्यक्तिगत तस्वीरों के लिए अदृश्य डिजिटल मास्क बनाता है ताकि अवांछित ऑनलाइन चेहरे की पहचान को रोका जा सके। इससे पहले केवल पढ़ा या सुना ही था कि गिरगिट ख़तरों से अपनी रक्षा के लिए रंग बदलता है। अब उसी तजऱ् पर एक नई एआई-संचालित तकनीक लोगों की तस्वीरों को ऑनलाइन गोपनीयता के ख़तरों से बचा रही है। इस नए मॉडल का नाम कैमेलियन रखा गया है। लेकिन फिक्र नॉट, हमारे देश के महान नाला वैज्ञानिक भी पिछले तीन दशकों से चेहरे से सम्बन्धित कई प्रयोग कर रहे हैं। हालांकि उन्हें किसी से ख़तरा नहीं। पर हाल ही में उन्होंने चुनावों के दौरान दक्षिण में चुनावी सभा के लिए गिरगिट की तरह अपना रंग बदला। पर उनकी देखा-देखी देश में इन दिनों एक अजीब फैशन चल पड़ा है। लोग घरों से निकलने पर अपने असली चेहरे घरों में छोडक़र ही निकलते हैं। हर नुक्कड़, हर गली, हर कार्यालय, हर मंच पर आपको बिना असली चेहरों के घूमते हुए लोग मिल जाएंगे। लोगों के असली चेहरे अदृश्य हो चुके हैं। जो दिखते हैं, वे केवल 'पब्लिक वजऱ्न' है, सुन्दर, चमकदार, सुसंस्कृत, और मौके के हिसाब से रंग बदलने वाले। झुन्नू लाल जी इसी तरह चेहरे बदलने में इतने माहिर हैं कि सुबह-सुबह जब मंदिर जाते हैं तो माथे पर तिलक, कलाई में कलावा, हाथ में माला, और होंठों पर मधुर मुस्कान बिखरी रहती है।

दृष्टि कोण

देश वापसी की अपील के मायने

हाल ही में प्रौद्योगिकी, खासतौर पर आईटी और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में आत्मनिर्भरता के प्रबल समर्थक एवं वैश्विक स्तर पर जानी-मानी सॉफ्टवेयर कंपनी 'जोहो' के प्रोमोटर एवं पूर्व प्रमुख कार्यकारी अधिकारी श्रीधर वेम्बु ने अमरीका में रह रहे भारतीयों को एक खुला पत्र लिखकर देश वापस आकर भारत के भविष्य निर्माण हेतु सहायता की अपील कर देश और दुनिया में एक नई बहस छेड़ दी है। उनकी इस अपील में मुख्य बात यह है कि भारत का विश्व में सम्मान भारत के प्रौद्योगिक विकास पर निर्भर करता है। पिछले लंबे समय से भारत ने दुनिया को अपनी प्रतिभा का निर्यात किया है, जिसे ब्रेनड्रेन कहा जाता है। उस समय भारत की वैश्विक स्तर की प्रौद्योगिकी के निर्माण में पिछड़ गया। लेकिन आज भारत के पास क्षमता है कि वो विश्वस्तरीय प्रौद्योगिकी के विकास पर आगे बढ़ सके। लेकिन उसे जल्द कर सकने के लिए पहली शर्त यह है कि शेष दुनिया में बसे भारतीय जो अवसरों के अभाव में देश छोड़ गए थे, वापस आएं। इससे पहले भी कई बार भारतीयों को वापस आने की अपील कई प्रमुख व्यक्ति समय-समय पर करते रहे हैं, लेकिन उस पर इतनी बहस कभी नहीं छिड़ी, जितनी श्रीधर वेम्बु के आह्वान के बाद छिड़ी है। उसका कारण यह है कि अमरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भारतीय मूल के लोगों को लेकर कई प्रकार के अशोभनीय वक्तव्य दे रहे हैं। पिछले काफी समय से वो लगातार कह रहे हैं कि विदेशियों के कारण अमरीकियों के लिए रोजगार के अवसर घट रहे हैं। उन्होंने बार-बार यह कहा है कि एच-1बी वीजा के प्रावधान का इस्तेमाल करते हुए कंपनियां विदेशों से सस्ते श्रमिक लेकर आती हैं, जो अमरीकी कार्मिकों को रोजगार से बाहर कर देते हैं। इसलिए उन्होंने एच-1 बी वीजा के नियमों को कड़ा कर दिया है और विदेशी कार्मिकों की सख्ती से जांच-पड़ताल भी शुरू कर दी है। गौरतलब है कि एच-1 बी वीजा के माध्यम से अधिकांश भारतीय अमरीका में सॉफ्टवेयर और अन्य प्रकार की प्रौद्योगिकी में कार्यरत हैं, इसके द्वारा अमरीकी और भारतीय कंपनियां भारतीयों को रोजगार प्रदान करती हैं। दिलचस्प बात यह है कि पूर्व में राष्ट्रपति ट्रंप भारतीयों लोगों और भारतीय नेतृत्व के प्रशंसक भी रहे हैं। पूर्व में वो यह कहते रहे कि भारत एक महान मित्र और रणनीतिक साझेदार है। हाउडी-मोदी जैसे कार्यक्रमों में उन्होंने भारतीय अमरीकी लोगों की भूरी-भूरी प्रशंसा भी की और कहा कि भारतीय अमरीकी अतुलनीय हैं और वे अमरीकी अर्थव्यवस्था में भारी योगदान भी दे रहे हैं। लेकिन हाल ही में उन्होंने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' पर भारतीय लोगों और भारत के बारे में अपशब्द भी कहे हैं, जिसे भारत के विदेश मंत्रालय द्वारा अज्ञानपूर्ण, अनुचित और भद्दे स्वाद का बताया गया है। राष्ट्रपति ट्रंप का यह बयान अमरीका में अमरीकी नागरिकता के जन्मसिद्ध अधिकार बारे में उनके वक्तव्य का एक हिस्सा था। हालांकि अमरीकी प्रशासन ने इस बयान के बाद कहा कि ट्रंप भारत को एक महान देश मानता है और इसके नेतृत्व को अपना अच्छा मित्र समझता है। इससे पहले राष्ट्रपति ट्रंप ने भारत समेत अपने लगभग सभी व्यापार साझेदारों पर भारी टैरिफ लगाकार सभी देशों को नाराज करने का काम भी किया है, हालांकि अमरीकी सर्वोच्च न्यायालय ने उनमें से अधिकांश टैरिफ को रद्द करने का निर्णय भी दिया है। श्रीधर वेम्बु की भारतीयों को वापस आकर अपने देश के प्रौद्योगिकी विकास में मदद करने की अपील आज के संदर्भ में दो कारणों से अधिक मायने रखती है, पहला, बदलते भू-राजनीतिक परिवेश में अमरीकी प्रशासन, विशेषतौर पर राष्ट्रपति ट्रंप के बयान और कार्यवाही, जिससे अमरीका में भारतीयों के भविष्य पर प्रश्नचिन्ह लग रहा है। और दूसरा, भारत प्रौद्योगिकी की दृष्टि से प्रगति करने के लिए केवल तत्पर ही नहीं है, बल्कि उसकी संभावनाएं भी बढ़ती जा रही हैं।

सिलीगुडी में अनुराग ठाकुर व सांसद डॉ. रावत ने झालमुड़ी खाकर मनाई जीत की खुशी

उदयपुर (हिंस)। पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी की जीत के बाद सिलीगुडी में जश्न का अनोखा अंदाज देखने को मिला। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर और उदयपुर सांसद डॉ. मन्नालाल रावत ने बंगाल के प्रसिद्ध स्ट्रीट फूड झालमुड़ी का स्वाद लेकर जीत की खुशी मनाई। दोनों नेता पिछले कुछ दिनों से सिलीगुडी प्रवास पर रहकर पार्टी के कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से भाग ले रहे थे। सांसद डॉ. रावत ने कहा कि बंगाल की जनता ने इस बार भय और हिंसा के माहौल को नकारते हुए भरोसे को चुना है। उन्होंने कहा कि यह जीत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व, गृह मंत्री अमित शाह की रणनीति और भाजपा कार्यकर्ताओं के अथक परिश्रम का परिणाम है। रावत ने कहा कि बंगाल में अब परिवर्तन की शुरुआत हो चुकी है और राज्य विकास की नई दिशा में आगे बढ़ेगा। उन्होंने ममता बनर्जी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि जनता ने भ्रष्टाचार और हिंसा के खिलाफ मतदान किया है। अब पश्चिम बंगाल में भयमुक्त वातावरण स्थापित होगा और विकास को प्राथमिकता दी जाएगी। भाजपा *सोनार बांग्ला* के संकल्प को साकार करने के लिए प्रतिबद्ध है। उल्लेखनीय है कि इससे पहले भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा अचानक एक स्टॉल पर जाकर झालमुड़ी खाने के बाद यह पारंपरिक व्यंजन देशभर में चर्चा का विषय बन गया था। अब भाजपा नेताओं द्वारा इसी अंदाज में जीत का जश्न मनाने से कार्यकर्ताओं में भी उत्साह का माहौल है।

पांच राज्यों में शांतिपूर्ण मतदान भारतीय लोकतंत्र की बड़ी जीत : डॉ. वासुदेव देवनानी

जयपुर (हिंस)। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष डॉ. वासुदेव देवनानी ने देश के पांच राज्यों में संपन्न विधानसभा चुनावों को भारतीय लोकतंत्र की परिपक्वता और मजबूती का महत्वपूर्ण उदाहरण बताया है। उन्होंने कहा कि शांतिपूर्ण मतदान, विशेषकर पश्चिम बंगाल में, लोकतंत्र, भारतीय संविधान और संवैधानिक संस्थाओं की बड़ी जीत है। डॉ. देवनानी ने कहा कि भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है और यहां बिना हिंसा व रक्तपात के सत्ता परिवर्तन की परंपरा देश को *मदर ऑफ डेमोक्रेसी* के रूप में स्थापित करती है। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल के साथ-साथ तमिलनाडु, असम, केरल और पुडुचेरी में भी मतदान शांतिपूर्ण और सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हुआ। उन्होंने विशेष रूप से पश्चिम बंगाल का उल्लेख करते हुए कहा कि जहां पूर्व में चुनावी हिंसा की घटनाएं आम रही हैं, वहां इस बार मतदाताओं ने संयम, जागरूकता और साहस का परिचय देते हुए भयमुक्त होकर अपने मताधिकार का उपयोग किया। यह लोकतांत्रिक चेतना और जनता के बढ़ते विश्वास का प्रतीक है। विधानसभा अध्यक्ष ने चुनाव आयोग, केंद्रीय सुरक्षा बलों और प्रशासनिक सतर्कता की सराहना करते हुए कहा कि संवेदनशील बूथों पर अतिरिक्त सुरक्षा, वेबकास्टिंग, सीसीटीवी निगरानी और माइक्रो ऑब्जर्वर जैसी व्यवस्थाओं ने चुनाव प्रक्रिया को निष्पक्ष और पारदर्शी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने कहा कि महिलाओं और युवाओं की बड़ी भागीदारी यह दर्शाती है कि लोकतांत्रिक प्रक्रिया के प्रति समाज के सभी वर्गों में विश्वास बढ़ा है। नई पीढ़ी लोकतंत्र को मजबूत बनाने में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए तैयार है। डॉ. देवनानी ने कहा कि यह चुनाव इस बात का प्रमाण है कि मजबूत प्रशासनिक इच्छाशक्ति और जनता के सहयोग से किसी भी चुनौतीपूर्ण परिस्थिति में लोकतंत्र को सफलतापूर्वक स्थापित किया जा सकता है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपील का उल्लेख करते हुए चुनावी हिंसा को समाप्त करने का आह्वान भी किया। उन्होंने विश्वास जताया कि पांच राज्यों में शांतिपूर्ण मतदान, विशेषकर पश्चिम बंगाल में, भारतीय लोकतंत्र की ऐतिहासिक उपलब्धि के रूप में दर्ज होगा।

हरियाणा के नूंह सड़क दुर्घटना में यूपी जालौन जिले में तैनात चार पुलिसकर्मियों समेत पांच की मौत

उरई/चंडीगढ (हिंस)। हरियाणा के नूंह जिले में मंगलवार की सुबह कुंडली-मानेसर-पलवल एक्सप्रेसवे पर एक तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ओवरटेक के चक्कर में एक अन्य वाहन से टकरा गई। इस हादसे में उत्तर प्रदेश पुलिस के चार जवान समेत पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। सभी पुलिसकर्मी उत्तर प्रदेश के जालौन जिले के मुख्यालय उरई में तैनात थे। बताया गया कि प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार उत्तर प्रदेश पुलिसकर्मियों की काली स्कॉर्पियो पलवल की ओर जा रही थी। तावडू सदर थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले धुलावट टोल प्लाजा के पास सुबह करीब साढ़े दस बजे कार के ड्राइवर ने सामने जा रहे एक अन्य वाहन को ओवरटेक करने का प्रयास किया, लेकिन तेज रफ्तार के कारण वह संतुलन खो बैठा और उसने सामने के वाहन को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि स्कॉर्पियो पूरी तरह से बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई, जिस पर सवार सभी पांच लोग फंस गए। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और बचाव दल मौके पर पहुंचा। पांचों लोगों को निकालने के लिए रेस्क्यू टीम को मशक्कत करनी पड़ी। नूंह जिले के तावडू थाना प्रभारी शीशराम यादव ने बताया कि घटना की जानकारी के बाद तुरंत राहत और बचाव कार्य शुरू कर दिया गया। हादसे की भयावहता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि स्कॉर्पियो के परखच्चे उड़ गए थे और पांचों लोग गाड़ी के मलबे में बुरी तरह फंसने से काल के गाल में समा गए। बाद में शवों को बाहर निकालकर पोस्टमॉर्टम के लिए नजदीकी अस्पताल भेज दिया गया। थाना प्रभारी ने बताया कि घटनास्थल से बरामद आईकार्ड के आधार पर चार पुलिसकर्मियों की पहचान कर ली गई है। मृतकों में एएसआई मोहित यादव, सत्यभान, अशोक और प्रदीप शामिल हैं। ये सभी जालौन जिले में तैनात थे। पांचवें मृतक की पहचान अभी नहीं हो पाई है। थाना प्रभारी ने बताया कि मामले की विस्तृत जांच की जा रही है और पता लगाया जा रहा है कि पुलिसकर्मी कहां जा रहे थे और उनके वहां आने का क्या कारण था। सभी पुलिसकर्मी काले रंग की स्कॉर्पियो गाड़ी में सवार थे, जो हरियाणा के जींद आरटीओ में रजिस्टर्ड थी।

बिहार में सम्राट चौधरी मंत्रिमंडल का 7 मई को होगा विस्तार, गांधी मैदान में शपथ ग्रहण समारोह

पटना (हिंस)। बिहार की राजनीति में इन दिनों हलचल तेज हो गई है। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के नेतृत्व में राज्य मंत्रिमंडल के विस्तार की प्रक्रिया अब अंतिम चरण में पहुंच चुकी है। इस बहुप्रतीक्षित विस्तार को लेकर आधिकारिक घोषणा भी कर दी गई है। बिहार प्रदेश भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष संजय सरावगी ने मंगलवार को जानकारी दी कि 7 मई को मंत्रिमंडल का विस्तार किया जाएगा। राजधानी पटना के ऐतिहासिक गांधी मैदान में भव्य शपथ ग्रहण समारोह आयोजित होगा, जिसमें कई बड़े राष्ट्रीय नेता शामिल होंगे। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष के मुताबिक, समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उपस्थिति तय मानी जा रही है। इसके अलावा गृह मंत्री अमित शाह, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा, केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान, केंद्रीय मंत्री जितन राम मांझी और बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री व जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार समेत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के कई दिग्गज नेताओं के शामिल होने की संभावना है। सूत्रों के अनुसार, राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के शीर्ष नेतृत्व द्वारा नए मंत्रियों के नाम लगभग तय कर लिए गए हैं। शपथ ग्रहण को लेकर गांधी मैदान में तैयारियां जोरों पर हैं। वहां एक भव्य मंच का निर्माण किया जा रहा है, साथ ही विशिष्ट अतिथियों, जनप्रतिनिधियों और आम नागरिकों के लिए बैठने की व्यापक व्यवस्था की जा रही है। प्रशासनिक स्तर पर भी तैयारियां तेज कर दी गई हैं। सुरक्षा व्यवस्था, यातायात नियंत्रण और भीड़ प्रबंधन को लेकर विस्तृत योजना बनाई जा रही है, ताकि कार्यक्रम शांतिपूर्ण और व्यवस्थित ढंग से संपन्न हो सके। उल्लेखनीय है कि 15 अप्रैल को मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने दो उपमुख्यमंत्रियों के साथ शपथ ली थी। तभी से मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर राजनीतिक गलियारों में अटकलें लगाई जा रही थीं, जो अब 7 मई को खत्म होने जा रही हैं।

उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने की उदयपुर में विकास कार्यों की समीक्षा

उदयपुर (हिंस)। उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने मंगलवार को उदयपुर में सार्वजनिक निर्माण विभाग, पर्यटन विभाग तथा महिला एवं बाल विकास विभाग के संभाग स्तरीय अधिकारियों की समीक्षा बैठक लेकर विकास कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। बैठक में विभिन्न योजनाओं और परियोजनाओं की स्थिति पर विस्तार से चर्चा करते हुए उन्होंने अधिकारियों को समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उपमुख्यमंत्री ने स्पष्ट कहा कि बजट घोषणाओं को निर्धारित समय सीमा में धरातल पर उतारना सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि योजनाओं में गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं किया जाए और उपलब्ध बजट का प्रभावी व पारदर्शी उपयोग सुनिश्चित किया जाए। साथ ही आमजन तक योजनाओं का अधिकतम लाभ पहुंचाने के लिए कार्यों में तेजी लाने पर भी जोर दिया। उन्होंने लंबित परियोजनाओं को शीघ्र पूर्ण करने, नवाचारों को बढ़ावा देने और विभिन्न विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने की आवश्यकता पर बल दिया। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि विकास कार्यों की निरंतर मॉनिटरिंग के साथ जवाबदेही तय करना भी आवश्यक है, ताकि योजनाओं का लाभ समय पर जनता तक पहुंचे। बैठक में जनप्रतिनिधियों ने भी अपने सुझाव साझा किए और क्षेत्रीय विकास को गति देने के लिए आवश्यक कदमों पर चर्चा की गई।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में समावेशी प्रगति के नए आयाम हो रहे स्थापित

जयपुर (हिंस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के *सबका साथ, सबका विकास, सबका प्रयास, सबका विश्वास* की भावना से प्रेरित समावेशी प्रगति की योजनाओं ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के मार्गदर्शन में नए आयाम स्थापित किए हैं। इसी कड़ी में प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण (पीएमएवाई-जी) गांवों में बेघर और जरूरतमंद परिवारों का पक्के घर का सपना साकार करने में अहम भूमिका निभा रही है। राजस्थान में योजना के अंतर्गत अब तक 19 लाख से अधिक पक्के मकानों का निर्माण हो चुका है। केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय ने प्रदेश को पीएमएवाई-जी के अंतर्गत 24 लाख 97 हजार 121 पक्के मकानों के निर्माण का लक्ष्य निर्धारित किया था। इनमें से 24 लाख 32 हजार 445 मकानों की स्वीकृति दी जा चुकी है और 19 लाख 46 हजार 884 मकानों का निर्माण भी हो चुका है। योजना के अंतर्गत केंद्र सरकार की ओर से 3 हजार 283 करोड़ रुपए से अधिक का ऐतिहासिक बजट आवंटन भी किया गया है। वहीं, गत 3 वित्तीय वर्षों में मकानों के निर्माण के लिए प्रदेश को 2 हजार 771 करोड़ रुपए की राशि जारी की गई है। जिसमें से 1 हजार 641 करोड़ रुपए की सर्वाधिक राशि वर्ष 2025-26 में ही जारी हुई। पीएमएवाई-जी योजना बेघर और जरूरतमंद ग्रामीणों को सस्ते आवास के लिए सहायता उपलब्ध करवाती है। यह योजना निर्धनता और सामाजिक-आर्थिक असमानता में लगातार कमी लाने के साथ ही, बुनियादी सेवाओं की पहुंच में निरंतर सुधार कर रही है। योजना के अंतर्गत वर्ष 2029 तक सभी के लिए घर का लक्ष्य हासिल करना है। जिसके अनुरूप वर्ष 2016-17 में 15 हजार करोड़ के बजटीय आवंटन को बढ़ाकर वर्ष 2026-27 में 54 हजार 916 करोड़ रुपए निर्धारित गया है। इसी प्रकार, ग्रामीण क्षेत्रों की समावेशी प्रगति के उद्देश्य के दृष्टिगत केंद्रीय बजट 2026-27 में ग्रामीण विकास के लिए बजट आवंटन में पिछले एक दशक में 211 प्रतिशत से ज्यादा की वृद्धि की गई है। 2016-17 में यह आवंटन 87 हजार 765 करोड़ रुपए था जो 2026-27 में बढ़ कर 2 लाख 73 हजार 108 करोड़ रुपए हो गया है। ये आंकड़े ग्रामीण अवसंरचना, आजीविकाओं और स्थानीय संस्थाओं की क्षमता को मजबूत करने के लिए निरंतर वित्तीय प्रतिबद्धता का संकेत हैं। उल्लेखनीय है कि देश के ग्रामीण क्षेत्रों में *सभी के लिए आवास* के उद्देश्य से पीएमएवाई-जी क्रियान्वित की जा रही है। इस योजना

बिना वैध कागजात के भारत में गिरफ्तार चीनी नागरिक को भेजा गया जेल

अररिया (हिंस)। भारत-नेपाल सीमा पर स्थित जोगबनी इंटीग्रेटेड चेकपोस्ट (आईसीपी) पर सुरक्षा एजेंसियों ने एक चीनी नागरिक को संदिग्ध हालात में गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार 41 वर्षीय झोउ ह्यून को मंगलवार को न्यायालय में पेश करने के बाद न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया। पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों के अनुसार, झोउ ह्यून चीन के हुनान प्रांत के चेंग टाउसन गांव का निवासी है। उसे सोमवार को सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) के आईसीपी कमांडर एवं उप निरीक्षक (सामान्य) सूरत सिंह चौहान और उनकी टीम ने जोगबनी आईसीपी परिसर से उस समय गिरफ्तार किया, जब वह बिना वैध दस्तावेजों के भारतीय सीमा में प्रवेश करने की कोशिश कर रहा था। गिरफ्तारी के बाद एसएसबी और खुफिया एजेंसियों ने उससे गहन पूछताछ की। इसके बाद सूरत सिंह चौहान के आवेदन पर जोगबनी थाना में कांड संख्या 117/26, दिनांक 04 मई 2026 को इमिग्रेशन एंड फॉरेनर्स एक्ट-2025 की धारा 21 के तहत मामला दर्ज किया गया। मामले की जांच की जिम्मेदारी अपर थानाध्यक्ष विष्णुकांत को सौंपी गई है। प्रारंभिक जांच में यह सामने आया है कि झोउ ह्यून नेपाल में टूरिस्ट वीजा पर आया था और वहीं से बिना भारतीय वीजा के अवैध रूप से भारत में प्रवेश करने का प्रयास कर रहा था। वह नेपाली नंबर की स्कूटी (बीए 54 पी 3711) से आईसीपी पहुंचा था। तलाशी के दौरान उसके पास से 600 रुपए भारतीय मुद्रा, 7, 595 रुपए नेपाली मुद्रा, नागरिकता पहचान पत्र, ड्राइविंग लाइसेंस, छह विभिन्न प्रकार के कार्ड, इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स और तीन 5जी चीनी सिम कार्ड बरामद किए गए हैं। इन सामानों की भी जांच की जा रही है। पुलिस अधीक्षक जितेन्द्र कुमार ने बताया कि आरोपी को न्यायालय में पेश करने के बाद न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। फिलहाल सुरक्षा एजेंसियां इस पूरे मामले की गहराई से जांच कर रही हैं, ताकि यह पता लगाया जा सके कि उसके भारत आने के पीछे कोई अन्य उद्देश्य तो नहीं था।

पंजाब के कुख्यात गैंगस्टर जीशान अख्तर के गुर्गे को एजीटीएफ ने दबोचा

जयपुर (हिंस)। राजस्थान पुलिस की एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स (एजीटीएफ) ने संगठित अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत पंजाब में रंगदारी और फायरिंग के मामले में फरार चल रहे एक गैंगस्टर को दौसा जिले के बांदीकुई से आरोपी चन्द्रप्रकाश शर्मा उर्फ चन्दू शर्मा को दस्तयाब किया है। फिलहाल आरोपी से पूछताछ की जा रही है। एजीटीएफ अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक दिनेश एमएन ने बताया कि संगठित अपराधियों और फरार आरोपियों के खिलाफ लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में गठित विशेष टीम को सूचना मिली थी कि पंजाब के नकोदर सिटी में एक व्यापारी से रंगदारी मांगने और उसके कार्यालय पर फायरिंग की वारदात में शामिल आरोपी राजस्थान में छिपा हुआ है। एजीटीएफ को पिछले करीब एक महीने से आरोपी की गतिविधियों और लोकेशन को लेकर लगातार इनपुट मिल रहे थे। टीम लगातार उसके ठिकानों और नेटवर्क की निगरानी कर रही थी। सूचना पुख्ता होने पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सिद्धांत शर्मा और पुलिस उपाधीक्षक रविंद्र प्रताप सिंह के सुपरविजन में तथा पुलिस निरीक्षक सुनील जांगिड़ के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई। एजीटीएफ टीम ने तकनीकी इनपुट और सूचना के आधार पर जाल बिछा बांदीकुई में दबिश देकर आरोपी चंदू उर्फ चंद्र प्रकाश को पकड़ लिया। आरोपी को विधिक प्रक्रिया पूरी कर पंजाब पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया। जहां उससे पूछताछ जारी है। आरोपी से पूछताछ में गैंग के नेटवर्क, रंगदारी व अन्य आपराधिक गतिविधियों से जुड़े अहम खुलासे होने की संभावना है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपी चन्द्रप्रकाश उर्फ चंदू का पहले कोई आपराधिक रिकॉर्ड नहीं मिला है। जांच में यह भी पता चला कि वह हाल ही में पंजाब के गैंगस्टर जीशान अख्तर के गिरोह से जुड़ा था। जीशान अख्तर फिलहाल विदेश में रहकर गैंग ऑपरेट कर रहा है और भारत में अपने नेटवर्क के जरिए रंगदारी व अन्य आपराधिक गतिविधियों को संचालित कर रहा है। एडीजी एमएन ने बताया कि आरोपी चन्द्रप्रकाश उर्फ चंदू ने पंजाब के नकोदर शहर में एक व्यापारी को गैंग द्वारा रंगदारी के लिए धमकाया गया था। जब व्यापारी ने बात नहीं मानी तो गैंग के सदस्यों ने उसके ऑफिस बक्शी ट्रेवल्स पर 18 जनवरी 2026 को फायरिंग कर दहशत फैलाने की कोशिश की थी। इस मामले में पंजाब पुलिस ने गैंग के तीन अन्य सदस्यों दीपक, अंकित कुमार और हरिजंदर गुप्ता को पहले ही गिरफ्तार कर लिया था। वहीं तीन फरवरी को नाकाबंदी के दौरान पंजाब पुलिस पर फायरिंग करने पर जवाबी कार्रवाई में अंकित कुमार और हरिजंदर घायल भी हुए थे। इस घटना के बाद चन्द्र प्रकाश फरार हो गया और लगातार ठिकाने बदलकर गिरफ्तारी से बचता रहा। पूछताछ में सामने आया कि पंजाब से भागने के बाद यह जयपुर, दौसा के पाराशर धाम, लालसोट व अन्य इलाकों में फरारी काट रहा था। इस कार्रवाई में एजीटीएफ टीम के प्लाटून कमांडर सोहन सिंह, हेड कांस्टेबल महेश सोमरा, होशियार सिंह, प्रवीण कुमार, महावीर सिंह, कांस्टेबल जितेन्द्र कुमार के साथ जिला दौसा की डीएसटी टीम की विशेष भूमिका रही।

वियतनाम के राष्ट्रपति तो लाम का बिहार के मुख्यमंत्री ने बोधगया हवाईअड्डे पर किया स्वागत

गयाजी (हिंस)। वियतनाम के राष्ट्रपति तो लाम मंगलवार 11-30 बजे ज्ञान और मोक्ष की भूमि गया जी पहुंचे। जहां बोधगया अंतर्राष्ट्रीय हवाईअड्डे पर मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने उनका स्वागत किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने कहा कि आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक नगरी गयाजी में वियतनाम के राष्ट्रपति तो लाम का स्वागत और सम्मान है। यह ऐतिहासिक आगमन नि:स्संदेह भारत-वियतनाम संबंधों को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगा। वियतनाम के राष्ट्रपति तो लाम 05 से आगामी 07 मई तक भारत दौरे पर हैं। आज वे या एयरपोर्ट पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजामों के बीच, बिहार के मुख्यमंत्री ने प्रोटोकॉल का पालन करते हुए राष्ट्रपति तो लाम की अगवानी की। मुख्यमंत्री ने फूलों का गुलदस्ता भेंट कर उनका स्वागत किया।

अखिलेश और ममता की जनविरोधी राजनीति अब अंतिम सांस ले रही : केशव प्रसाद मौर्य

लखनऊ (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि राहुल गांधी, अखिलेश यादव, ममता बनर्जी और एमके स्टालिन की जनविरोधी राजनीति अब अंतिम सांस ले रही है। भ्रम की राजनीति के दिन लद गए। इसमें अब कोई संदेह नहीं कि *जनादेश को अपमानित* करने वालों को इतिहास माफ नहीं करेगा। उप मुख्यमंत्री ने मंगलवार को अपने सोशल मीडिया एकाउंट एक्स पर लिखा कि जनता जनार्दन है। उसका आदेश सर्वोपरि है। भाजपा की सेवा, सुशासन और विकास की जीत को स्वीकार न करना लोकतंत्र और संविधान, दोनों का अपमान है। केशव प्रसाद मौर्य ने लिखा कि भाजपा को लेकर सपा, कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस और डीएमके की फितरत मतिभ्रम की रही है।

चंडीगढ़ हवाई अड्डे पर इंडिगो की फ्लाइट में पावर बैंक फटा, पांच यात्री चोटिल

चंडीगढ़(हिंस)। हैदराबाद से चंडीगढ़ आई इंडिगो की फ्लाइट में मंगलवार को चंडीगढ़ हवाई अड्डे पर पावर बैंक फट गया। यह घटना उस समय हुई, जब फ्लाइट एयरपोर्ट पर खड़ी थी। इस घटना में पांच यात्री चोटिल हो गए। इस स्थिति को देखते हुए फ्लाइट स्टाफ ने इमरजेंसी डोर खोले और यात्रियों को बाहर निकाला। पूरे जहाज को खाली करके जांच की गई। दोपहर बाद हैदराबाद से चंडीगढ़ पहुंची इंडिगो की फ्लाइट में एक यात्री का पावर बैंक फट गया। इंडिगो स्टाफ ने तुरंत इसकी सूचना आला अधिकारियों को दी और आपात स्वीकृति के साथ विमान खाली कराया गया। ग्राउंड टीमें भी मौके पर पहुंचीं और यात्रियों की सुरक्षा को यकीनी बनाया गया। बताया गया कि इंडिगो की फ्लाइट 6ई -108 करीब 3-29 बजे चंडीगढ़ हवाई अड्डे पर सुरक्षित उतरी। विमान में 198 यात्री, दो बच्चे और छह क्रू मेंबर सवार थे। लैंडिंग के बाद जब विमान वे नंबर-1 की ओर बढ़ रहा था, तभी सीट 39 सी पर बैठे यात्री ने क्रू को अपने पावर बैंक में आग लगने की जानकारी दी। आशंका जताई गई कि पावर बैंक फट गया था। कैबिन क्रू ने फायर एक्सटिंग्विशर की मदद से आग पर काबू पाया, लेकिन विमान के अंदर धुआं फैल गया। एहतियात के तौर पर इमरजेंसी प्रोटोकॉल लागू किए गए। बताया गया कि करीब 3:35 बजे क्रू मेंबर ने इमरजेंसी एग्जिट खोला और यात्रियों को स्लाइड्स के जरिए बाहर निकाला गया। इस बीच एयरफोर्स की फायर टेंडर टीम मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में आ चुकी थी। हवाई अड्डा प्रबंधकों के अनुसार कुछ यात्रियों को प्राथमिक उपचार के बाद स्थिति सामान्य होने पर घर भेज दिया गया है। एयरपोर्ट सीईओ अजय वर्मा ने कहा कि संबंधित एयरलाइन से एक विस्तृत रिपोर्ट मांगी गई है। फिलहाल स्थिति पूरी तरह से नियंत्रण में है।

बिहार के राज्यपाल ने किया गयाजी ओटीए का दौरा, कैडेट्स को सैन्य नेतृत्व पर दिया प्रेरक व्याख्यान

गया जी (हिंस)। बिहार के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) सैयद अता हसनैन ने मंगलवार को ऑफिसर्स ट्रेनिंग एकेडमी (ओटीए) गयाजी का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों और ऑफिसर कैडेट्स को *सैन्य नेतृत्व की भावना* विषय पर एक प्रेरणादायक व्याख्यान दिया। अपने संबोधन में राज्यपाल ने सैन्य जीवन में ईमानदारी, पेशेवर उत्कृष्टता, अनुशासन और निरंतर सीखने की प्रवृत्ति को अत्यंत महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि एक सफल सैन्य नेता वही होता है, जो कठिन परिस्थितियों में भी अपने कर्तव्य के प्रति अडिग रहता है और टीम को सही दिशा में नेतृत्व प्रदान करता है। भारतीय सेना में चार दशकों से अधिक के अपने अनुभव को साझा करते हुए उन्होंने विभिन्न चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में कार्य करने के अपने अनुभवों से कैडेट्स को अवगत कराया। उन्होंने श्रीलंका, सियाचिन ग्लेशियर, जम्मू-कश्मीर और पूर्वोत्तर भारत जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में सेवा देने के दौरान मिली सीख को विस्तार से बताया। इसके अलावा, उन्होंने अफ्रीका में संयुक्त राष्ट्र के शांति मिशनों में निभाई गई अपनी भूमिका का भी उल्लेख किया और बताया कि वैश्विक स्तर पर कार्य करते समय विविध परिस्थितियों में नेतृत्व कौशल का किस प्रकार उपयोग करना पड़ता है। राज्यपाल ने कैडेट्स से आह्वान किया कि वे राष्ट्र सेवा को सर्वोच्च प्राथमिकता दें और अपने व्यक्तित्व में अनुशासन, समर्पण तथा नेतृत्व क्षमता का निरंतर विकास करें। उनके इस प्रेरक व्याख्यान से उपस्थित कैडेट्स और अधिकारियों में उत्साह और नई ऊर्जा का संचार हुआ।

बायोकान की कमान अब अगली पीढ़ी संभालेगी :फाउंडर किरण मजूमदार ने भांजी क्लेयर को चुना उत्तराधिकारी; एआई और एडवांस्ड बायोटेक पर फोकस रहेगा

मुंबई

बायोफार्मास्युटिकल कंपनी बायोकान की फाउंडर और चेयरपर्सन किरण मजूमदार शा ने कंपनी के लिए उत्तराधिकार योजना यानी सक्सेशन प्लान का ऐलान कर दिया है। उन्होंने अपनी भांजी क्लेयर मजूमदार को उत्तराधिकारी चुना है। फार्च्यून इंडिया को दिए एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा कि 37 साल की क्लेयर कंपनी के विकास के अगले फेज का नेतृत्व करने के लिए सबसे उपयुक्त व्यक्ति हैं। किरण मजूमदार शा ने चार दशक पहले बायोकान की नींव रखी थी। उनकी अपनी कोई संतान नहीं है, इसलिए वे कंपनी को सुरक्षित हाथों में सौंपना चाहती थीं। उन्होंने बताया कि क्लेयर ने खुद को साबित किया है कि वे एक कंपनी चला सकती हैं।

बिकारा थेरेप्यूटिक्स की फाउंडर और सीईओ भी हैं क्लेयर – क्लेयर मजूमदार फिलहाल बिकारा थेरेप्यूटिक्स की फाउंडर और सीईओ हैं। यह कंपनी बायोकान द्वारा ही इंक्यूबेट की गई थी और 2024 में नैस्डैक पर लिस्ट हुई है। बिकारा का मार्केट कैपिटलाइजेशन 1.6 बिलियन डालर से ज्यादा है। क्लेयर के पास एमआईटी और स्टैनफोर्ड जैसी यूनिवर्सिटी की डिग्री है और उन्होंने कैंसर बायोलाजी में पीएचडी की है।

फैमिली इकोसिस्टम का सपोर्ट, एआई और आन्कोलाजी एक्सपर्ट्स की टीम – भविष्य की चुनौतियों से निपटने के लिए किरण मजूमदार ने एक मजबूत फैमिली इकोसिस्टम तैयार किया है। क्लेयर के भाई एरिक मजूमदार कैलटेक में प्रोफेसर और एआई एक्सपर्ट हैं। वहीं उनके पति थामस राबर्ट्स मैसाचुसेट्स जनरल हास्पिटल में आन्कोलाजिस्ट हैं। यह टीम बायोकान के भविष्य के विकास में अहम भूमिका निभाएगी।

स्ट्रक्चर में बड़े बदलाव, जेनेरिक्स और बायोलाजिक्स बिजनेस का मर्जर – बायोकान अपने आर्गेनाइजेशन स्ट्रक्चर में भी बड़े बदलाव कर रही है। कंपनी ने अपने जेनेरिक्स और बायोलाजिक्स व्यवसायों का मर्जर कर दिया है। इसके अलावा कर्ज कम करने और स्ट्रक्चर को सरल बनाने पर जोर दिया जा रहा है। वर्तमान में कंपनी का 60% रेवेन्यू बायोसिमिलर्स से आता है। बाजार में इसके 12 प्रोडक्ट्स पहले से मौजूद हैं और करीब 20 पाइपलाइन में हैं।

ग्रुप कंपनियों में नई लीडरशिप, जुलाई से कमान संभालेंगे नए सीईओ – सिर्फ मुख्य कंपनी ही नहीं, बल्कि ग्रुप की अन्य कंपनियों में भी लीडरशिप में बदलाव हो रहा है। श्रीहास तांबे ने बायोकान बायोलाजिक्स के सीईओ और मैनेजिंग डायरेक्टर के रूप में कार्यभार संभाल लिया है। वहीं, सिद्धार्थ मित्तल 1 जुलाई से सिनजीन इंटरनेशनल का नेतृत्व करने के लिए तैयार हैं। फ्यूचर विजन, एआई और ओरिजिनल बायोलाजिक ड्रग्स पर रहेगा जोर किरण मजूमदार शा के अनुसार, ग्रुप के भविष्य की ग्रोथ तीन स्तंभों पर टिकी होगी। इसमें डिफरेंशिएटेड बायोसिमिलर्स, ओरिजिनल बायोलाजिक ड्रग्स और रिसर्च एंड डेवलपमेंट प्लेटफार्म्स में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का इस्तेमाल शामिल है।

न्यूज ब्रीफ

रेनोल्ट डस्टर के 7-सीटर माडल को लान्च करने की तैयारी

नई दिल्ली। रेनोल्ट कंपनी इस साल रेनोल्ट डस्टर 7-सीटर माडल को लान्च करने की तैयारी में है, जिसे रेनोल्ट बिगस्टर नाम से पेश किया जा सकता है। टेस्टिंग के दौरान दिखी यह एसयूवी मौजूदा डस्टर से अधिक लंबी और बड़े व्हीलबेस वाली प्रतीत होती है। इसका अगला हिस्सा डस्टर जैसा ही रहने की उम्मीद है, जिसमें ऊंचा ग्राउंड क्लीयरेंस, मजबूत बैश प्लेट्स और चौकोर व्हील आर्चेस शामिल होंगे। पीछे की ओर छोटा विंडस्क्रीन और बड़े बूट स्पेस की संभावना है, जो 7-सीटर वाहन के लिए आवश्यक है। केबिन में नए थीम के साथ तीन पंक्तियों वाली सीटें होंगी, जिनमें स्लाइडिंग और रिक्लाइनिंग के साथ एक टच फोल्डिंग सुविधा मिल सकती है। इसमें 10.25 इंच का टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम, 10.1 इंच का डिजिटल ड्राइवर डिस्प्ले, एंबिएंट लाइटिंग, हवादार फ्रंट सीटें और पैनोरमिक सनरूफ जैसे आधुनिक फीचर्स होने की उम्मीद है, जो ग्राहकों को प्रीमियम अनुभव प्रदान करेंगे। पावरट्रेन के तौर पर इसमें 1.3 लीटर टर्बोचार्ज्ड पेट्रोल इंजन मिल सकता है, जो 158 हार्सपावर की शक्ति और 280 एनएम का टार्क जनरेट करेगा। इसमें 6-स्पीड मैनुअल या 6-स्पीड डुअल-क्लच आटोमैटिक ट्रांसमिशन का विकल्प उपलब्ध होगा, जिससे ग्राहकों को अपनी पसंद के अनुसार गियरबाक्स चुनने की सुविधा मिलेगी।

अमेरिका ने लगाया यूरोपीय वाहनों पर आयात शुल्क

नई दिल्ली। यूरोपीय देशों से आयातित वाहनों पर अमेरिका अब आयात शुल्क वसूल करेगा। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने यूरोपीय देशों से आयातित कारों और ट्रकों पर 25 प्रतिशत तक शुल्क लगाने की घोषणा की है। ट्रंप की यह घोषणा अगले सप्ताह से प्रभावी हो जाएगी। यह घोषणा पिछले वर्ष जुलाई में अमेरिका और यूरोपीय यूनियन के बीच हुए एक महत्वपूर्ण टर्नबेरी समझौते के विपरीत है, जिसके तहत अधिकांश वस्तुओं पर अधिकतम 15 प्रतिशत शुल्क तय किया गया था। राष्ट्रपति ट्रम्प ने आरोप लगाया है कि यूरोप व्यापार समझौते का पालन नहीं कर रहा है, हालांकि उन्होंने इस दावे के समर्थन में विस्तृत जानकारी साझा नहीं की। यह कदम अमेरिका के व्यापार असंतुलन और राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दों को आधार बनाकर नए शुल्क ढांचे को लागू करने की मंशा को दर्शाता है, जिससे दोनों पक्षों के बीच व्यापारिक तनाव बढ़ सकता है और समझौते के टूटने का खतरा भी मंडरा रहा है। जर्मनी, फ्रांस, इटली और स्पेन जैसे प्रमुख वाहन निर्माता देशों सहित यूरोपीय यूनियन के कुल 27 सदस्यों पर इस फैसले का सीधा असर पड़ेगा।

महिंद्रा की एक्सयूवी 7एक्सओ नए ग्रीन अवतार में पेश

नई दिल्ली। स्वदेशी कंपनी महिंद्रा अपनी लोकप्रिय एसयूवी एक्सयूवी 7एक्सओ को नए ग्रीन अवतार में पेश करने की तैयारी कर रही है। इसके स्ट्रान्ग हाइब्रिड इंजन या फिर फ्लेक्स फ्यूल यानी इथेनाल से चलने वाले माडल के साथ आने की संभावना है। तमिलनाडु के तिंडिवनम हाईवे के पास एक पूरी तरह ढकी हुई एक्सयूवी 7एक्सओ टेस्ट रन के दौरान स्पाट हुई। लान्च के समय इसमें कुछ खास बैजिंग और नए कलर आप्शंस दिए जा सकते हैं। इस स्पाई शाट ने आटो सेक्टर के जानकारों के बीच हलचल बढ़ा दी है, क्योंकि महिंद्रा पहले ही सीरीज-हाइब्रिड और रेंज-एक्सटेंडर तकनीक पर काम करने की घोषणा कर चुकी है। खबरों के अनुसार, एक्सयूवी 7एक्सओ महिंद्रा की पहली ऐसी कार बन सकती है जिसमें स्ट्रान्ग हाइब्रिड इंजन मिलेगा, जो मौजूदा 2.0-लीटर टर्बो पेट्रोल इंजन पर आधारित हो सकता है। फिलहाल यह इंजन 203 हार्सपावर की शक्ति और 380 एनएम का टार्क जनरेट करता है, लेकिन हाइब्रिड सिस्टम के जुड़ने से इसकी कुल शक्ति और ईंधन दक्षता में उल्लेखनीय वृद्धि की उम्मीद है। दूसरी ओर, कंपनी फ्लेक्स-फ्यूल (ई85) वर्जन पर भी विचार कर रही है, जिसकी झलक महिंद्रा ने 2025 के भारत मोबिलिटी शो में एक्सयूवी 3 एक्सओ के जरिए पहले ही दिखाई थी। हाइब्रिड कारों के बाजार में फिलहाल टोयोटा और मारुति सुजुकी का वर्चस्व है, लेकिन महिंद्रा का यह कदम प्रतिस्पर्द्धा बढ़ाएगा।

सब्सक्रिप्शन के लिए लान्च हुआ रिकोड स्टूडियोज का आईपीओ, 12 मई को हो सकती है लिस्टिंग

नई दिल्ली

ब्यूटी एंड पर्सनल केयर सेगमेंट के लिए काम करने वाली कंपनी रिकोड स्टूडियोज का 44.59 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए लान्च कर दिया गया। इस आईपीओ में सात मई तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद आठ मई को शेयरों का अलाटमेंट किया जाएगा, जबकि 11 मई को अलाटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर 12 मई को बीएसई के एसएमई प्लेटफार्म पर लिस्ट हो सकते हैं। इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 150 रुपये से लेकर 158 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लाट साइज 800 शेयर का है। रिकोड स्टूडियोज के इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स को दो लाट यानी 1,600 शेयरों के लिए बोली लगाना होगा, जिसके लिए उन्हें 2,52,800 रुपये का निवेश करना होगा। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 28,22,400 शेयर जारी हो रहे हैं। इनमें 23,58,400 नए शेयर और 3,19,200 शेयर आफर फार सेल विंडो के जरिये बेचे जा रहे हैं। इसके अलावा 1,44,800 नए शेयर मार्केट मेकर के लिए रिजर्व रखे गए हैं। इस आईपीओ में क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए 47.36 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इसी तरह रिटेल इनवेस्टर्स के लिए 33.22 प्रतिशत हिस्सा और नान इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स (एनआईआई) के लिए 14.29 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व है। इसके अलावा मार्केट मेकर के लिए 5.13 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इस इश्यू के लिए सेरेन कैपिटल प्राइवेट लिमिटेड को बुक रनिंग लीड मैनेजर बनाया गया है, जबकि मुद्रा आरटीए वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड को रजिस्ट्रार बनाया गया है। वहीं, असनानी स्टाक ब्रोकर प्राइवेट लिमिटेड कंपनी का मार्केट मेकर है। रिकोड स्टूडियोज की वित्तीय स्थिति की बात करें तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रास्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत मामूली उतार चढ़ाव के बावजूद लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 69 लाख रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में घट कर 27 लाख रुपये और वित्त वर्ष

2024-25 में उछल कर 3.30 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में अप्रैल से 31 दिसंबर 2025 तक कंपनी को 9.06 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हो चुका था। इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में लगातार बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2022-23 में इसे 22.44 करोड़ का कुल राजस्व प्राप्त हुआ, जो वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 36.93 करोड़ और वित्त वर्ष 2024-25 में उछल कर 47.94 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में अप्रैल से 31 दिसंबर 2025 तक कंपनी को 57.45 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हो चुका था। इस अवधि में कंपनी पर लदे कर्ज के बोझ में उतार-चढ़ाव होता रहा। वित्त वर्ष 2022-23 के अंत में कंपनी पर 3.79 करोड़ रुपये के कर्ज का बोझ था, जो वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 7.85 करोड़ रुपये और वित्त वर्ष 2024-25 में कम होकर 7.56 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इसके अगले वित्त वर्ष में कंपनी पूरी तरह से कर्ज मुक्त हो गई। इस अवधि में कंपनी के रिजर्व और सरप्लस में भी बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2022-23 में ये 5.19 करोड़ रुपये के स्तर पर था, जो 2023-24 में बढ़ कर 5.46 करोड़ रुपये हो गया। इसी तरह 2024-25 में कंपनी का रिजर्व और सरप्लस 8.76 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। वहीं पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में अप्रैल से 31 दिसंबर 2025 तक ये 9.70 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। कंपनी के नेटवर्थ की बात करें तो इस अवधि में कंपनी के नेटवर्थ में भी लगातार बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2022-23 में ये 5.20 करोड़ रुपये के स्तर पर था, जो 2023-24 में बढ़ कर 5.47 करोड़ रुपये हो गया। इसी तरह 2024-25 में कंपनी का नेटवर्थ 8.77 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। वहीं पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में अप्रैल से 31 दिसंबर 2025 तक ये 17.84 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। कंपनी का ईबीआईटीडीए (अर्निंग बिफोर इंट्रेस्ट, टैक्सेज, डिप्रेशिएशंस एंड एमार्टाइजेशन) 2022-23 में 1.44 करोड़ रुपये के स्तर पर था, जो 2023-24 में बढ़ कर 1.67 करोड़ रुपये हो गया। इसी तरह 2024-25 में कंपनी का ईबीआईटीडीए 6.13 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। वहीं पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में अप्रैल से 31 दिसंबर 2025 तक ये 13.34 करोड़ रुपये के स्तर पर था।

फाक्सवैगन कंपनी जल्द लांच करेगी तीन नई कारें

नई दिल्ली

भारतीय बाजार में फाक्सवैगन कंपनी जल्द ही तीन नई कारें लान्च करने वाली है। इनमें वर्टस का फेसलिफ्ट माडल, गोल्फ जीटीआई का दूसरा बैच और टेरान का एक कम स्पेसिफिकेशन वाला संस्करण शामिल है। 2026 फाक्सवैगन वर्टस फेसलिफ्ट को हाल ही में भारी कैमाफ्लाज के साथ टेस्टिंग के दौरान देखा गया है। 2022 में भारतीय बाजार में लान्च के बाद यह इस सेडान का पहला बड़ा अपडेट होगा, जिसमें नए डिजाइन वाले बंपर और नए अलाय व्हील्स देखने को मिलेंगे।

केबिन हाल ही में लान्च हुई टाइगुन एसयूवी जैसा होगा, जिसमें 10.1 इंच का सेंट्रल टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम और 10.25 इंच का डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर दिया जाएगा। इसमें 1.0 और 1.5 लीटर टर्बोचार्ज्ड पेट्रोल इंजन विकल्प जारी रहेंगे, लेकिन अपडेट में 6-स्पीड टार्क कन्वर्टर यूनिट की जगह एक नया 8-स्पीड आटोमैटिक गियरबाक्स मिलेगा। फाक्सवैगन ने पिछले साल गोल्फ जीटीआई की 250 यूनिट्स लान्च की थीं, जो लगभग तुरंत ही बिक गईं। इस महंगी हैचबैक को मिली शानदार प्रतिक्रिया को देखते हुए, कंपनी अब इसका दूसरा बैच भारत लाने की तैयारी में है। गोल्फ जीटीआई का अगला बैच जल्द ही आने की उम्मीद है और पहले बैच की तरह यह भी सीबीयू (कंट्रोल्ड यूनिट) होगा।

इसमें कुछ ऐसे फीचर्स हो सकते हैं जो पहले बैच में उपलब्ध नहीं थे और यह पहले बैच से थोड़ी महंगी भी हो सकती है। इसमें 2.0 लीटर का टर्बो-पेट्रोल इंजन लगा है, जो 265 बीएचपी की पावर और 7-स्पीड डीएसजी गियरबाक्स के साथ आता है। फिलहाल भारत में फाक्सवैगन की फ्लैगशिप एसयूवी टेरान आर-लाइन है, जिसकी एक्स-शोरूम कीमत 47 लाख रुपये है। कंपनी अब टेरान का एक लोअर-स्पेक, नान-आर-लाइन संस्करण लाने की तैयारी कर रही है, जिसकी कीमत मौजूदा आर-लाइन वेरिएंट से कम होगी।

सुजुकी ने 1.17 लाख यूनिट्स बेचकर बनाया रिकार्ड

नई दिल्ली। अप्रैल 2026 का महीना सुजुकी मोटरसाइकिल इंडिया के लिए बिक्री के नए कीर्तिमान लेकर आया है। जापानी कंपनी सुजुकी ने इस दौरान कुल 1,17,514 यूनिट्स की बिक्री दर्ज की। घरेलू बाजार में सुजुकी ने 98,004 गाड़ियां बेचीं, जबकि निर्यात में 10 प्रतिशत की बढ़त के साथ 19,510 यूनिट्स विदेशों में भेजी गई। यह सफलता भारत में अपनी विनिर्माण के 20 सफल वर्ष पूरे होने के साथ आई है। इस दोहरी कामयाबी का जश्न मनाते हुए, कंपनी ने मुंबई में सुजुकी मत्सुरी फेस्टिवल में दो विश्व रिकार्ड भी बनाए। इस इवेंट में कंपनी के लोकप्रिय स्कूटर बर्गमैन ने एक ही स्थान पर एक ही माडल की सबसे बड़ी सभा और एक ही दिन में सर्वाधिक डिलीवरी का रिकार्ड अपने नाम किया। इसके अलावा, सुजुकी के स्पेयर पार्ट्स से होने वाली कमाई भी 14 प्रतिशत बढ़कर 91.59 करोड़ रुपये तक पहुंच गई है। अप्रैल का सबसे बड़ा आकर्षण नई बर्गमैन स्ट्रीट 125 का लान्च रहा।

सर्राफा बाजार में सोने की घटी चमक, चांदी में कोई बदलाव नहीं

नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में शुरुआती कारोबार के दौरान सोने के भाव में कमजोरी का रुख नजर आ रहा है। भाव में आई गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,49,610 रुपये से लेकर 1,51,260 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 1,37,140 रुपये से लेकर 1,38,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। वहीं, चांदी की कीमत में कोई बदलाव नहीं होने के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में ये चमकीली धातु भी शुरुआती कारोबार के दौरान 2,64,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर ही बिक रही है।

दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,49,760 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,37,290 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,49,610 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,37,140 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,49,660 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,37,190 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 1,51,260 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,38,790 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह

कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,49,610 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,37,140 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,49,660 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,37,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,49,760 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,37,290 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,49,660 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,37,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,49,760 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,37,290 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोने के भाव में गिरावट का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,49,610 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत, एशिया में खरीदारी का रुख

नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत मिल रहे हैं। यूएई पर ईरान के ताजा हमले और कच्चे तेल की कीमत में आई तेजी की वजह से ग्लोबल मार्केट का मूड बिगड़ा नजर आ रहा है। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान कमजोरी के साथ बंद हुए। हालांकि डाउ जान्स फ्यूचर्स बढ़त के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान बिकवाली होती रही। वहीं, एशियाई बाजार में आमतौर पर खरीदारी होती नजर आ रही है।

अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान रिकार्ड ऊंचाई पर पहुंचने के बाद फिसल गए। डाउ जान्स ऊपरी स्तर से 550 अंक की गिरावट के साथ बंद हुआ। इसी तरह एस एंड पी 500 इंडेक्स ने 0.41 प्रतिशत टूट कर 7,200.75 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा नैस्डेक 0.20 प्रतिशत लुढ़क कर 25,065.27 अंक के स्तर पर बंद हुआ। वहीं, डाउ जान्स फ्यूचर्स फिलहाल 0.14 प्रतिशत की तेजी के साथ

49,011.55 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार दबाव बना रहा। एफटीएसई इंडेक्स 0.14 प्रतिशत टूट कर 10,363.93 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 138.72 अंक यानी 1.74 प्रतिशत की बड़ी गिरावट के साथ 7,976.12 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 301.11 अंक यानी 1.26 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 23,991.27 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजार में आमतौर पर खरीदारी होती नजर आ रही है। एशिया के नौ बाजार में से छह के सूचकांक मजबूती के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि दो सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बने हुए हैं। दक्षिण कोरिया के स्टाक एक्सचेंज में छुट्टी होने के कारण कोस्पी इंडेक्स में कोई बदलाव नहीं हुआ है। हैंग सेंग इंडेक्स फिलहाल 331.88 अंक यानी 1.27 प्रतिशत की गिरावट के साथ 25,764 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.48 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 4,900.69 अंक के स्तर पर तक गिर गया है। दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 0.04 प्रतिशत की मामूली बढ़त के साथ 24,053.50 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह ताइवान वेटेड इंडेक्स 0.05 प्रतिशत की तेजी के साथ 40,724.48 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स ने बड़ी छलांग लगाई है। फिलहाल यह सूचकांक 0.96 प्रतिशत उछल कर 7,038.61 अंक के स्तर पर आ गया है। इसके अलावा निक्केई इंडेक्स 228.20 अंक यानी 0.38 प्रतिशत की मजबूती के साथ 59,513.12 अंक के स्तर पर, शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.11 प्रतिशत की बढ़त के साथ 4,112.16 अंक के स्तर पर और सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.05 प्रतिशत की तेजी के साथ 1,494.45 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

एक साल बाद क्लासिकल शतरंज में हारे कार्लसन; गुकेश के बाद अब इस डच ग्रैंडमास्टर ने दी शिकस्त

नई दिल्ली

विश्व नंबर-एक मैग्नस कार्लसन को आखिरकार क्लासिकल शतरंज में हार झेलनी पड़ी। नॉर्वे चेस 2025 में भारत के विश्व चैंपियन गुकेश डोम्माराजू से हारने के बाद कार्लसन लगातार अजेय चल रहे थे।

लेकिन अब उनकी यह लय टूट गई है। टेपे सिजमेन चेस टूर्नामेंट 2026 के चौथे दौर में नीदरलैंड्स के ग्रैंडमास्टर जोर्डन वान फॉरेस्ट ने कार्लसन को मात दी।

रोमांचक मुकाबले में पलटा खेल

मुकाबला बेहद तनावपूर्ण रहा। एंडगेम के दौरान दोनों खिलाड़ियों के पास समय कम था और स्थिति जटिल बनी हुई थी। एक समय ऐसा लग रहा था कि कार्लसन मुकाबला ड्रॉ करा लेंगे, लेकिन वान फॉरेस्ट ने दबाव बनाए रखा। आखिर में उन्होंने शानदार चालों की सीरीज से कार्लसन के नाइट को फंसा दिया, जिसके बाद नॉर्वे के दिग्गज खिलाड़ी को हार माननी पड़ी।

जीत के बाद क्या बोले वान फॉरेस्ट

मैच जीतने के बाद डच ग्रैंडमास्टर ने कहा, 'मैं तो ड्रॉ के लिए तैयार हो चुका था और उससे संतुष्ट भी था, लेकिन अचानक मुझे मौका मिला और फिर खेल दोबारा नियंत्रण से बाहर हो गया। उन्होंने आगे कहा. 'यह बेहद दिलचस्प मुकाबला था और मुझे लगता है कि उन्हें भी ऐसा ही लगा, इसलिए हमने खेल के बाद काफी चर्चा की।

क्यों खास है यह हार यह हार सिर्फ एक नतीजा नहीं, बल्कि कार्लसन की लंबी अजेय श्रृंखला के टूटने की कहानी है। 2022 में विश्व खिताब छीड़ने के बाद कार्लसन ने क्लासिकल शतरंज कम खेला है और वह रैपिड, ब्लिट्ज और फ्रीस्टाइल फॉर्मेट पर ज्यादा ध्यान दे रहे हैं। माल्मो में यह टूर्नामेंट नॉर्वे चेस 2026 की तैयारी के तौर पर देखा जा रहा है, इसलिए उनकी हार ने टूर्नामेंट में और दिलचस्पी बढ़ा दी है। टूर्नामेंट में 14 वर्षीय प्रतिभाशाली खिलाड़ी यागिज काआन एर्दोगमुस फिलहाल एकल बढ़त पर हैं, जिसने प्रतियोगिता को और रोमांचक बना दिया है।

न्यूज ब्रीफ

आईपीएल 2026: आरेंज कैप की रेस में शामिल हुए रिकेल्टन, छठे स्थान पर पहुंचे

नई दिल्ली। मुंबई इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 में मुंबई इंडियंस और लखनऊ सुपर जायंट्स के बीच खेले गए मुकाबले के बाद आरेंज कैप की रेस में बड़ा बदलाव देखने को मिला। मुंबई के बल्लेबाज रयान रिकेल्टन ने शानदार पारी खेलते हुए एक साथ कई खिलाड़ियों को पीछे छोड़ दिया। रयान रिकेल्टन ने इस मुकाबले में सिर्फ 32 गेंदों पर 83 रन की विस्फोटक पारी खेली, जिसकी बदौलत मुंबई इंडियंस ने जीत हासिल की। इस प्रदर्शन के साथ उनके सीजन में कुल रन 380 हो गए हैं और वह सीधे छठे स्थान पर पहुंच गए हैं। आरेंज कैप की सूची में शीर्ष पांच बल्लेबाजों की स्थिति में कोई बदलाव नहीं हुआ है। पहले स्थान पर सनराइजर्स हैदराबाद के अभिषेक शर्मा 440 रन के साथ बने हुए हैं, जबकि दूसरे स्थान पर दिल्ली कैपिटल्स के केएल राहुल 433 रन के साथ मौजूद हैं। तीसरे स्थान पर हेनरिक क्लासेन 425 रन, चौथे स्थान पर वैभव सूर्यवंशी 404 रन और पांचवें स्थान पर गुजरात टाइटंस के साई सुदर्शन 385 रन के साथ हैं। रिकेल्टन से पहले 300 से अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ियों की लंबी सूची थी, लेकिन उनकी इस पारी ने उन्हें सीधे शीर्ष खिलाड़ियों की कतार में ला खड़ा किया है। फिलहाल मुंबई इंडियंस और लखनऊ सुपर जायंट्स का कोई अन्य बल्लेबाज शीर्ष 20 में शामिल नहीं है।

आरसीबी ने 18 साल तक टीम से जुड़े फिजियो इवान स्पीचली को दी भावुक विदाई, विराट कोहली बोले–आप हमेशा परिवार का हिस्सा रहेंगे

बेंगलुरु। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने अपने लंबे समय तक टीम के साथ जुड़े रहे पूर्व मुख्य फिजियो इवान स्पीचली को भावुक विदाई दी। स्पीचली ने 2008 से 2025 तक करीब 18 वर्षों तक फ्रेंचाइजी के साथ काम किया और टीम के सबसे पुराने सदस्यों में से एक रहे। इस खास मौके पर टीम ने बेंगलुरु में एक समारोह आयोजित किया, जिसमें खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ ने एकत्र होकर स्पीचली के योगदान को याद किया और उनका सम्मान किया। टीम के वरिष्ठ खिलाड़ी विराट कोहली ने स्पीचली के साथ अपने लंबे रिश्ते को याद करते हुए कहा, 'मैंने आरसीबी में आपके साथ सबसे ज्यादा समय बिताया है। आप इस टीम के शुरुआती सदस्यों में से हैं। आपकी मेहनत और प्रोफेशनलिज्म के अलावा आपकी दयालुता, देखभाल और ईमानदारी हमेशा याद रहेगी। आप इस परिवार का हिस्सा हमेशा रहेंगे।' टीम के क्रिकेट निदेशक मो बॉबट ने भी स्पीचली के योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा, 'इवान लंबे समय तक हमारे मुख्य फिजियो रहे हैं। हम उन्हें वापस बुलाकर उनके योगदान को सम्मान देना चाहते थे और उनके साथ समय बिताना चाहते थे।' भावुक हुए इवान स्पीचली ने भी टीम के प्रति अपना जुड़ाव व्यक्त किया। उन्होंने कहा, 'जब मैं कल होटल पहुंचा तो ऐसा लगा जैसे घर वापस आ गया हूं। आरसीबी हमेशा एक परिवार की तरह रहा है। दुनिया का हर क्रिकेटर यहां एक सीजन बिताना चाहेगा, और मैं खुद को खुशकिस्मत मानता हूं कि मुझे 18 साल यहां बिताने का मौका मिला।

मुम्बई सबसे अधिक बार 200 से ज्यादा लक्ष्य हासिल करने वाली दूसरी टीम बनी, रायल्स और सनराइजर्स को पीछे छोड़ा

मुंबई। मुंबई इंडियंस ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के 47 वें मुकाबले में लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) को 6 विकेट से हराने के दौरान एक अहम उपलब्धि अपने नाम कर ली है। ये लक्ष्य का पीछा करते हुए आईपीएल इतिहास में मुम्बई की अब तक कि सबसे यादगार जीत है। इस जीत के साथ ही मुम्बई 200 या उससे अधिक रनों के लक्ष्य को सफलतापूर्वक हासिल करने के मामले में राजस्थान रायल्स और सनराइजर्स हैदराबाद को पीछे छोड़ते हुए दूसरे नंबर पर पहुंच गयी है। मुम्बई ने सात बार 200 रनों से अधिक का लक्ष्य हासिल किया है जबकि रायल्स और सनराइजर्स के नाम ये छह-छह बार है। हालांकि, इस सूची में सबसे ऊपर पंजाब किंग्स का नाम दर्ज है, जिसने अविश्वसनीय रूप से 11 बार 200 या उससे अधिक के लक्ष्य को सफलतापूर्वक हासिल किया है।

जोकोविच सहित शीर्ष खिलाड़ियों ने फ्रेंच ओपन से पहले इनामी राशि सहित कई मामलों को लेकर नाराजगी जतायी

पेरिस

नोवाक जोकोविच, यानिक सिनर, आर्यना सबालेंका और कोको गॉफ सहित कई स्टार खिलाड़ियों ने फ्रेंच ओपन टेनिस टूर्नामेंट से पहले इनामी राशि के अलावा कई अहम मुद्दों को लेकर चिन्ता जतायी है। फ्रेंच ओपन इसी माह 24 मई से पेरिस में खेला जाएगा। ऐस में टूर्नामेंट से पहले शीर्ष खिलाड़ियों की नाराजगी से आयोजकों की मुश्किलें बढ़ गयी हैं। विरोध कर रहे खिलाड़ियों का कहना है कि पुरस्कार राशि ही नहीं बेहतर प्रतिनिधित्व के आलावा खिलाड़ियों के स्वास्थ्य और पेंशन जैसे मामलों पर भी ध्यान दिया जाना चाहिये। इन खिलाड़ियों के अनुसार ग्रैंड स्लैम जैसे बड़े आयोजनों में खिलाड़ियों की मेहनत और योगदान को जितनी मान्यता मिलने चाहिये वह नहीं मिल रही है।

फ्रेंच ओपन के आयोजकों ने हालांकि कुछ समय पहले इनामी राशि 10 फीसदी बढ़ा दी थी पर खिलाड़ी इससे संतुष्ट नहीं हैं। उनका कहना है कि यह वृद्धि आयोजकों को टूर्नामेंट से हो रही रही बढ़ती कमाई के मुकाबले काफी कम है। इन स्टार खिलाड़ियों ने एक संयुक्त बयान जारी कर आरोप लगाया है कि टूर्नामेंट के कुल राजस्व में खिलाड़ियों की हिस्सेदारी लगातार घट रही है। उनके आंकड़ों के अनुसार, जहां 2024 में यह हिस्सा 15.5फीसदी थी वही अब घटकर 14.9 फीसदी रह गयी है। साथ ही कहा कि 2025 में फ्रेंच ओपन का कुल राजस्व 395 मिलियन यूरो तक पहुंच गया था, जो पिछले वर्ष की तुलना में 14 फीसदी की उल्लेखनीय वृद्धि थी। इसके विपरीत, इनामी राशि में केवल 5.4 फीसदी की मामूली वृद्धि हुई, जिसके परिणामस्वरूप खिलाड़ियों की हिस्सेदारी और कम होकर मात्र 14.3 फीसदी रह गई।

निशिकोरी इस सत्र के बाद टेनिस को कहेंगे अलविदा

टोक्यो। जापान के दिग्गज पुरुष टेनिस खिलाड़ी केई निशिकोरी इस सत्र के अंत में खेल को अलविदा कह देंगे। रियो ओलंपिक में रजत पदक विजेता रहे निशिकोरी किसी ग्रैंड स्लैम फाइनल में पहुंचने वाले पहले एशियाई पुरुष खिलाड़ी हैं। 36 साल के हो रहे निशिकोरी ने अपने संन्यास की योजना सोशल मीडिया में साझा की है। निशिकोरी ने कहा, मैंने इस सत्र के अंत में पेशेवर टेनिस से संन्यास लेना तय किया है। साथ ही कहा कि टेनिस उनका बचपन का जुनून रहा है। उन्होंने एटीपी टूर तक पहुंचने, शीर्ष स्तर के मुकाबले खेलने और शीर्ष 10 में जगह बनाने की अपनी उपलब्धि पर खुशी जतायी है। साथ ही कहा कि इस दौरान उन्हें प्रशंसकों का भी भरपूर प्यार मिला। अपने करियर के बारे में बात करते हुए, निशिकोरी ने स्वीकार किया कि बार-बार लगने वाली चोटों ने उन्हें बहुत परेशान किया। ऐसे भी समय थे जब बार-बार चोट लगने की वजह से वह तनाव के कारण अवसाद ग्रस्त भी हुए हैं। जिससे मैं जैसा चाहता था वैसा नहीं खेल पाता था, उन्होंने कहा। इसके बावजूद, टेनिस के प्रति उनके प्रेम और एक मजबूत खिलाड़ी बनने के विश्वास ने उन्हें हमेशा कोर्ट पर वापस लौटने के लिए प्रेरित किया।उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि इन सभी अनुभवों ने मेरी जिंदगी को बेहतर बनाया है और उसे आकार दिया है। मैं अपने परिवार और उन सभी का बहुत आभारी हूं जिन्होंने हर समय मेरा साथ दिया। निशिकोरी ने स्वीकार किया कि वह अब भी अपना खेल करियर जारी रखना चाहते हैं, लेकिन उन्होंने गर्व के साथ कहा कि उन्होंने अपना सब कुछ दिया। उन्होंने अपनी यात्रा पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा, मैं सच में इस रास्ते पर चलकर खुश हूं। निशिकोरी ने पांच साल की उम्र से खेलना शुरू किया था। वह 13 साल की उम्र में वे अमेरिका चले गए, जहाँ उनका खेल बेहतर हुआ। उन्होंने फरवरी 2008 में उन्होंने डेलरे बीच ओपन में अपना पहला खिताब जीता। वहीं शीर्ष 10 में पहुंचने वाले पहले जापानी टेनिस खिलाड़ी रहे।

स्नूकर विश्व चैंपियनशिप खिताब जीतने वाले दूसरे सबसे युवा खिलाड़ी बने वू यीज़े

शेफील्ड

वू यीज़े स्नूकर विश्व चैंपियनशिप के दूसरे सबसे युवा विजेता बन गए, जब 22 वर्षीय खिलाड़ी ने सोमवार को निर्णायक फ्रेम में ब्रिटेन के शान मर्फी को 18-17 से हराया। चीनी खिलाड़ी ने पूर्व चैंपियन मर्फी के खिलाफ कड़े मुकाबले में बढ़त बनाई, जिन्होंने रात भर पीछे रहने के बाद वापसी की और मुकाबले को सोमवार शाम तक खींच लिया।

वू, स्टीफन हेंड्री के बाद यह खिताब जीतने वाले दूसरे सबसे युवा खिलाड़ी हैं, जिन्होंने 1990 में 21 वर्ष की उम्र में अपना पहला विश्व खिताब जीता था। वह चीन के दूसरे विश्व चैंपियन भी बने, इससे पहले उनके हमवतन झाओ शिंतोंग ने पिछले साल क्रूसिबल में जीत हासिल की थी।

झाओ को क्वार्टर फाइनल में मैजिशियन मर्फी ने हराया था, जिन्होंने 2005 में अपना पहला विश्व खिताब जीता था, जब वू दो साल के भी नहीं थे। हालांकि, वू ने क्रूसिबल के दर्शकों के वूऊऊ के नारों के बीच शानदार संयम दिखाया। यह फाइनल मुकाबला उतार-चढ़ाव से भरा रहा, जिसमें शाम के सत्र में दोनों खिलाड़ी 14-14, 15-15 और 16-16 की बराबरी पर रहे। वू ने उसी शहर में जीत हासिल की, जहां वह 16 साल की उम्र में अपने स्नूकर करियर को आगे बढ़ाने के लिए आए थे। मुकाबला निर्णायक फ्रेम तक गया, जहां वू ने सतर्क शुरुआत के बाद नियंत्रण बनाया और 85 का निर्णायक ब्रेक लगाकर जीत सुनिश्चित की।

मर्फी ने बीबीसी टू से बातचीत में कहा, मुझे बहुत गर्व है। यह मेरे और मेरी टीम के लिए शानदार कुछ हफ्ते रहे। मैंने शेफील्ड में बेहतरीन समय बिताया। हम बहुत करीब थे, बेहद करीब।

उन्होंने कहा, मैं वू यीज़े और उनके परिवार को इस उपलब्धि के लिए बधाई देना चाहता हूं। मैंने पहले ही कहा था कि वह एक दिन विश्व चैंपियन बनेंगे। बस अफसोस है कि वह दिन आज था।

ट्राफी उठाने के अलावा, जिसकी शुरुआत 1926 में हुई थी, वू को 5 लाख पाउंड (676,400 डालर) की पुरस्कार राशि भी मिलेगी और वह विश्व रैंकिंग में शीर्ष 10 में पहुंच जाएंगे।

जैमिमा को टी20 विश्वकप में नंदनी के बेहतर प्रदर्शन करने का भरोसा

मुम्बई। आगामी टी20 विश्वकप के लिए भारतीय महिला क्रिकेट टीम में शामिल उभरती हुई खिलाड़ी नंदनी शर्मा पर सभी की नजरें रहेंगी। टी20 विश्वकप 12 जुलाई से इंग्लैंड में खेला जाएगा। इसी को लेकर भारतीय टीम अभी तैयारियों में लगी है। टीम की आक्रामक बल्लेबाज जैमिमा रोड्रिग्स को उम्मीद है कि नंदनी बेहतर प्रदर्शन करने में सफल रहेगी। जैमिमा के अनुसार हाल के दिनो में नंदनी ने घरेलू क्रिकेट में काफी अच्छा खेला है जिसे अब अब बरकरार रखने पर ध्यान देगी। जेमिमा ने नंदनी की क्षमताओं पर पूरा भरोसा जताते हुए कहा है कि वह शीघ्र ही टीम के अनुरुप ढल जाएंगी। नंदनी ने महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) में जैमिमा की कप्तानी में खेला था। लीग में नंदनी ने अपनी प्रदर्शन से सभी का ध्यान खींचा था। नंदनी ने अपन पहले ही डब्ल्यूपीएल लीग में हैट्रिक लगायी थी। उन्होंने पूरे सत्र में सबसे अधिक 17 विकेट लिए थे। ये प्रतियोगिता में किसी खिलाड़ी के सबसे अधिक विकेट रहे है।

चहल को केवल एक ओवर दिये पर हैरान हुए कैफ, पंजाब की रणनीति पर उठाये सवाल

नई दिल्ली

पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने स्पिनर युजवेंद्र चहल को कम गेंदबाजी दिये जाने की पंजाब किंग्स की रणनीति पर सवाल उठाये हैं। । कैफ के अनुसार पंजाब को चहल की क्षमताओं पर भरोसा बनाये रखना चाहिये। कैफ के अनुसार गुजरात टाइटंस के खिलाफ मुकाबले में जिस प्रकार से चहल को कम गेंदबाजी मिली उससे मुझे हैरानी हुई है। इस मैच में पंजाब किंग्स को हार का सामना करना पड़ा था। इस हार के बाद से ही पंजाब की गेंदबाजी रणनीति पर सवाल उठ खड़े हुए हैं। इसी को लेकर कैफ ने कहा था कि आईपीएल इतिहास के सबसे सफल गेंदबाजों में से एक होने के बाद भी चहल को केवल एक ही ओवर दिये जाने पर उन्हें हैरानी हुई है जबकि वह अपनी कलात्मक लेग-स्पिन और विकेट लेने की क्षमता के लिए जाने जाते हैं।

कैफ के अनुसार चहल ने आईपीएल में कुल 228 विकेट लिए हैं और उनका नाम सबसे अधिक विकेट लेने वालों में शामिल है इसमें से उन्होंने काफी विकेट चिन्नास्वामी स्टेडियम जैसी सपाट पिचों पर लिए थे जहां गेंदबाजों को काफी कम सहायता मिलती है। हालांकि, कैफ ने पिच की स्थितियों को भी ध्यान में रखा और स्वीकार किया कि शायद पिच पर घास मौजूद होने के कारण टीम की रणनीति प्रभावित हुई हो। इसके बावजूद, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि चहल जैसे असाधारण क्षमताओं वाले गेंदबाज में कठिन हालातों के अनुसार ढ़लने और विकेट लेने की क्षमताएं हैं। साथ ही कहा कि पंजाब को उन पर और ज्यादा भरोसा करने की जरूरत है।

विक्टोरिया ने 2026-27 सत्र के लिए टीम घोषित की, ग्लेन मैक्सवेल और मैट शार्ट ने राज्य अनुबंध नहीं लिया

मेलबर्न

आस्ट्रेलिया के घरेलू क्रिकेट में विक्टोरिया ने 2026-27 सत्र के लिए अपनी पुरुष टीम की घोषणा कर दी है। इस बार सबसे बड़ा फैसला यह रहा कि अनुभवी आलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल और मैट शार्ट ने राज्य अनुबंध लेने से इनकार कर दिया है और स्वतंत्र रूप से खेलने का रास्ता चुना है। हालांकि दोनों खिलाड़ी उपलब्ध रहने पर विक्टोरिया के लिए खेलते रहेंगे।

विक्टोरिया टीम पिछले कुछ वर्षों से लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रही है, लेकिन खिताब जीतने से चूकती रही है। पिछले पांच सत्रों में टीम चार बार फाइनल तक पहुंची, लेकिन हर बार उपविजेता रही। ऐसे में इस बार टीम आठ साल बाद खिताब जीतने के लक्ष्य के साथ मैदान में उतरेगी।

टीम में युवा खिलाड़ियों को बढ़ावा दिया गया है। ओलिवर पीक को उनके शानदार प्रदर्शन के बाद पहला पूर्ण अनुबंध मिला है, जबकि आस्टिन एनलेजार्क और टायलर पियर्सन को भी सीनियर टीम में पदोन्नत किया गया है। इसके अलावा तेज गेंदबाज हैरी होएक्स्ट्रा को रूकी अनुबंध दिया गया है। उनके साथ आर्यन शर्मा और टाम पैडिंगटन को भी नए खिलाड़ियों के रूप में शामिल किया गया है।

अनुभवी खिलाड़ियों में फर्गस ओनील ने टीम के साथ अपना करार बढ़ाया है। वहीं पीटर हैंड्सकाम्ब, सैम हार्पर और कैंपबेल केलावे ने भी अनुबंध विस्तार किया है। तेज गेंदबाज सैम एलियट और मिच पेरी को भी पिछले सत्र के शानदार प्रदर्शन के बाद नए अनुबंध से नवाजा गया है।

ग्लेन मैक्सवेल, जिन्होंने हाल ही में एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लिया है, अब टी20 और फ्रेंचाइजी क्रिकेट पर ध्यान केंद्रित करेंगे। वहीं मैट शार्ट भी अंतरराष्ट्रीय और टी20 लीग में सक्रिय रहेंगे।

टीम से जे लेमिरे, जेवियर क्रोन और कैलम स्टो को बाहर किया गया है, हालांकि कुछ खिलाड़ियों को टीम के साथ अभ्यास जारी रखने का मौका मिलेगा।

क्रिकेट विक्टोरिया के पुरुष क्रिकेट प्रमुख डेविड हसी ने कहा कि टीम में स्थिरता और विकास दोनों देखने को मिल रहे हैं और युवा खिलाड़ियों का उभार टीम के भविष्य के लिए सकारात्मक संकेत है।

विक्टोरिया टीम 2026-27:

आस्टिन एनलेजार्क, लियाम ब्लैकफोर्ड, स्काट बोलैंड, डायलन ब्रैशर, एशले चंद्रसिंघे, हैरी डिक्सन, सैम एलियट, पीटर हैंड्सकाम्ब, सैम हार्पर, मार्कस हैरिस, कैंपबेल केलावे, ब्लेक मैकडोनाल्ड, कैमरन मैक्लूर, डेविड मूडी, टाड मर्फी, फर्गस ओनील, ओलिवर पीक, मिच पेरी, टायलर पियर्सन, टाम रोजर्स, विल सदरलैंड, डग वारेन, हैरी होएक्स्ट्रा, टाम पैडिंगटन, आर्यन शर्मा।

वॉटर थेरपी
जो करे ब्यूटी को बूस्ट

समर सीजन में जहां स्किन टैन हो जाती हैं, वहीं डिहाइड्रेशन से भी प्रॉब्लम होती है। ऐसे में आपके लिए वॉटर थेरपी बेस्ट है। इसके जरिए आप स्किन को फ्रेश रख सकती हैं। खास बात यह है कि इसका हर फॉर्म नैचरल है।

इस समर में अगर ग्लोइंग स्किन चाहिए, तो मेकअप को छोड़ वॉटर थेरपी ट्राई करें। इसमें पानी पीने से लेकर इससे जुड़े ब्यूटी ट्रीटमेंट्स तक शामिल हैं। जानते हैं इसके बारे में...

हाइड्रोस्टेटिक इफेक्ट

पानी में एक्सरसाइज करना काफी रिलैक्सिंग होता है। इस तरह न तो बॉडी का टेंपरेचर बढ़ता है और पसीना भी नहीं आता। इसके अलावा, पानी के हाइड्रोस्टेटिक इफेक्ट के कारण मसाज जैसी फीलिंग होती है। स्किन के टच रिसेप्टर्स पर गुदगुदाने जैसा अहसास होता है, ब्लड सर्कुलेशन बढ़ता है और मसल्स में लचीलापन आता है। यह सब स्किन में ग्लो लाता है।

सुपर हाईड्रेटोर

ब्यूटी एक्सपर्ट लीना चंदा बताती हैं, इस ट्रीटमेंट का यूज ड्राई स्किन को मॉइश्चराइज करने के लिए किया जाता है। इसमें मशीन के जरिए स्किन के अंदर प्रेशर से पानी डाला जाता है। खोए टेक्सचर को लौटाने में भी इस ट्रीटमेंट की तीन से चार सिटिंग ही काफी होती हैं। यह 70 मिनट का ट्रीटमेंट है।

हाइड्रोथेरपी भगाए स्ट्रेस

स्किन स्ट्रेस को दूर भगाने में हाइड्रोथेरपी कारगर है। इससे न केवल स्किन और मसल्स रिलैक्स होती हैं, बल्कि लंग्स, हार्ट और पेट वगैरह भी हेल्दी रहते हैं। दरअसल, स्ट्रेस के दौरान बॉडी की पल्स हार्ड हो जाती है। ऐसे में वॉटर बॉडी पर कूलिंग एजेंट का काम करता है।

मॉडर्न डिटॉक्सिफिकेशन

सुबह उठकर गुनगुना पानी पीने से डाइजेस्टिव सिस्टम ठीक रहता है, जिससे स्किन हेल्थी रहती है। पेट के पूरी तरह साफ न होने से बॉडी में टॉक्सिन लेवल बढ़ जाएगा, जिससे पिंपल्स हो सकते हैं। इसके अलावा, गुनगुने पानी पीने से ऑयली स्किन से एक्स्ट्रा ऑयल भी क्लीन हो जाता है।

बनिए शॉवर बेबी

शॉवर से बॉडी मसल्स और बॉडी के जॉइंट्स रिलैक्स हो जाते हैं। यही नहीं, स्किन पर पड़ने वाले पानी के ग्लो से ब्लड सर्कुलेशन भी इंप्रूव होता है।

थकान भगाए यूकेलिप्टर

टेंशन और थकान को दूर करना है, तो यूकेलिप्टर ऑयल लगाएं। इससे तनाव मिनटों में छू हो जाता है और मसल्स को भी रिलैक्स करता है।

बालों की डीप कंडिशनिंग

हेयर की डीप कंडिशनिंग और बॉडी को रिलैक्स करने के लिए इन दिनों वॉटर स्पा थेरपी दी जाती है, जिनमें वाटर स्टीम का यूज किया जाता है। यह 30 से 40 मिनट का प्रोसेस है।

एक्वा रेडियंस

स्किन स्पेशलिस्ट अजय बताते हैं कि इसमें जेट स्प्रे टेक्नॉलजी के जरिए सुपर हाई स्पीड से जरूरत के मुताबिक स्किन में विटामिंस, मिनरल्स और पानी डाला जाता है। निशान, हारमोनल इम्बैलेंस और टेंशन से निजात दिलाने में यह प्रोसेस फायदेमंद है।

स्टीम बाथ

अगर आप टेंस मसल्स और स्ट्रेस के कारण बेचैनी महसूस कर रही हैं, तो ऐसे समय में हॉट शॉवर स्टीम और सोने से अच्छी और क्या बात हो सकती है। इससे स्ट्रेस के साथ-साथ बॉडी की जकड़न और दर्द वगैरह से राहत महसूस होती है।

टमाटर का सूप जितना स्वादिष्ट होता है, खासकर मानसून में उतना ही अधिक फायदेमंद भी होता है। बरसात के मौसम में गर्मागर्म टमाटर सूप शरीर को कई तरह से लाभ पहुंचाता है। टमाटर सूप के फायदे और उपयोग के बारे में बता रही हैं रजनी अरोड़ा

मानसून में फायदेमंद

टमाटर सूप

मधुमेह का प्रहरी

मानसून के मौसम में खाए जाने वाले फाइड और चटपटे व्यंजन और मीठे व्यंजन मधुमेह रोगियों में रक्त शर्करा के स्तर को बढ़ा देते हैं। क्रोमियम से भरपूर टमाटर सूप रक्त शर्करा को नियंत्रित और संतुलित करने में मदद करता है। इसका नियमित सेवन टाइप-2 के मरीजों के लिए काफी फायदेमंद है।

वजन में कटौती

टमाटर के सूप में कैलोरी बहुत कम होती है और यह शरीर में एकत्रित अतिरिक्त वसा को गलाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका अदा करता है। फाइबर से समृद्ध सूप वजन कम करने वाले व्यक्ति के लिए आदर्श पेय है। रात के भोजन से पहले पीने से यह न केवल पेट भरा होने का एहसास कराता है, बल्कि भोजन को पचाने में भी सहायक है।

त्वचा निखारे

टमाटर सूप में मौजूद लाइकोपीन प्राकृतिक सन्स्क्रीन का काम भी करता है, जो त्वचा को सूरज की यूवी किरणों से बचाता है। यह शरीर में आवश्यक पानी की आपूर्ति कर नमी का स्तर बनाए रखता है, जिससे त्वचा पर मौसम का असर नहीं पड़ता। अपने एंटीऑक्सीडेंट तत्वों के कारण यह त्वचा पर बढ़ती उम्र के प्रभाव पड़ने से रोकता है। यह चेहरे पर झुर्रियां कम करने में अहम भूमिका निभाता है। सूप का नियमित सेवन त्वचा को गुलाबीपन और चमक प्रदान करता है। मानसून में त्वचा पर चमौरियों, फोड़े-फुंसियों और पिंपल्स होने से रोकता है।

टमाटर से बनाए जाने वाले व्यंजनों में टमाटर का सूप दुनिया भर में मशहूर है। फिर जब मानसून का मौसम हो तो टमाटर का गर्मागर्म सूप अपने खट्टे-मीठे स्वाद की वजह से सबका पसंदीदा हो जाता है। इसे फूड एपिटाइजर (पूरक पोषण आहार) के रूप में भोजन से पहले पिया जाता है। यह पोषक तत्वों से तो भरपूर होता ही है, साथ ही इस मौसम में और अधिक फायदेमंद साबित होता है।

कैसे बनाएं टमाटर सूप

- कटे लाल ताजे टमाटर- 500 ग्राम
- कटा प्याज- आधा कप
- बारीक कटा लहसुन-1 चम्मच
- कॉर्नफ्लोर- 2 बड़े चम्मच
- नमक-1 चम्मच
- पिसी काली मिर्च- आधा चम्मच
- मक्खन और जैतून का तेल- 1-1 बड़े चम्मच
- चीनी-1 चम्मच
- मिल्क क्रीम-1 कप

कैंसर सेनानी

लाल रसदार टमाटर में मौजूद लाइकोपीन और कैरोटिनॉयड एंटीऑक्सीडेंट तत्व कैंसर कोशिकाओं को रोकने में मदद करते हैं। टमाटर का नियमित सेवन महिलाओं में प्रोस्टेट, गर्भाशय, स्तन कैंसर और पुरुषों में फेफड़ों, गले, मुंह के कैंसर के जोखिम को कम करता है।

विधि

टमाटर को मिक्सी में बारीक पीस लें। कड़ाही में जैतून का तेल गर्म करके कटा प्याज और लहसुन हल्का भूनें। इसमें टमाटर प्यूरी मिलाकर हल्की आंच पर पकाएं। थोड़ा गाढ़ा होने पर कॉर्नफ्लोर को थोड़े-से पानी में घोल कर मिश्रण में मिलाएं। इसे बराबर हिलाते रहें। इसमें नमक, चीनी और काली मिर्च मिला कर एकसार होने तक पकाएं। पानी और नमक स्वाद के अनुसार मिला सकते हैं। आखिर में इसमें मक्खन मिला कर दो मिनट और पकाएं। गैस बंद करके मिल्क क्रीम मिलाएं। गर्मागर्म परोसें।

सर्दी और वायरल से बचाव

टमाटर में मौजूद लाइकोपीन और बीटा केरोटीन हमारे शरीर की रोग-प्रतिरोधक शक्ति को बढ़ाता है, जो मानसून के दौरान होने वाली सर्दी या वायरल जैसी बीमारियों के खिलाफ सुरक्षा कवच का काम करती है।

पाचन तंत्र को करता है मजबूत

मानसून के मौसम में नियमित रूप से टमाटर का सूप पीने से पाचन तंत्र स्वस्थ रहता है। यह शरीर से विशाक्त पदार्थों को बहुत प्रभावी तरीके से बाहर निकाल कर पाचन शक्ति को बढ़ाता है। अपच, कब्ज, दस्त जैसी स्थिति में इसका सेवन फायदेमंद रहता है।

दिल को रखे सुरक्षित

टमाटर के सूप में मौजूद लाइकोपीन सीरम लिपिड ऑक्सीकरण को रोकता है, जो खराब कोलेस्ट्रॉल को नियंत्रित कर उच्च रक्तचाप की आशंका को कम कर देता है। इसका नियमित सेवन रक्त में एल डी एल कोलेस्ट्रॉल और ट्राइग्लिसराइड्स का स्तर कम करता है, जिससे हृदय की रक्त वाहिनियों में वसा का जमाव और हार्ट अटैक होने से बचाव हो सकता है।

हड्डियों को बनाए मजबूत

टमाटर सूप में मौजूद विटामिन ए, सी और कैल्शियम हड्डियों के ऊतकों की मरम्मत करते हैं और हड्डियों को मजबूती प्रदान करते हैं। इसके नियमित सेवन से बोन हेमरेज होने की आशंका काफी कम हो जाती है। सूप में विटामिन ए काफी मात्रा में पाया जाता है, जो रेटिना के स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए आवश्यक है। इसके नियमित सेवन से दृष्टि में सुधार और रतौंधी में फायदा होता है।

एसिडिटी में राहत

टमाटर का सूप रोजाना पीने से एसिडिटी की शिकायत दूर होती है। इसमें मौजूद क्लोरीन और सल्फर के कारण लिवर बेहतर ढंग से काम करता है और गैस की शिकायत दूर होती है। यह साइट्रिक, क्लोरीन और सल्फर के कारण खट्टापन लिए होता है। ये तत्व एसिडिटी को कम करते हैं।

धूम्रपान के नुकसान की भरपाई करता है

यदि आप धूम्रपान की बुरी आदत को छोड़ कर स्वस्थ रहना चाहते हैं तो रोजाना एक कटोरी टमाटर सूप पीना फायदेमंद है। टमाटर में क्लोरोजेनिक और काओमेरिक एसिड होते है, जो सिगरेट के धुएं में पाए जाने वाले कारसीनोजेनस जैसे विशाक्त पदार्थ से शरीर को होने वाले नुकसान को रोकने में मदद करते हैं।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : प्रदीप शील ● सहयोगी संपादक : रवि शंकर चौधरी ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**